www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

संडे
नई दिल्ली
5 जुलाई • 2020

राष्ट्रीय सहारा

12 पृष्ठ, मूल्य ₹ 3.50

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

पश्चिमी उत्तर प्रदेश/हरियाणा/राजस्थान संस्करण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

फार्मूला फिल्मों से पेट भर चुका : अनुष्का

पेज-12

एनसीपी की बैठक टली ओली को लेकर होना था फैसला

पेज-10

कोरोना अटैक

भारत

कुल मामले	नए मामले	24 घंटे में मौतें	कुल मौतें
6,61,233	22,771*	442*	18,912

स्रोत : * स्वास्थ्य मंत्रालय

दिल्ली में मौत का आंकड़ा 3000 के पार

राज्य*	कुल मामले	नए मामले	ठीक हुए	कुल मौत
महाराष्ट्र	1,92,990	-	1,04,687	8,376
तमिलनाडु	1,07,001	4,280	60,592	1,450
दिल्ली/गौ.बु.नगर	97,200/2,646	2,505/83	68,256/1,646	3,004/28
गुजरात	34,686	-	24,941	1,905
उत्तर प्रदेश	26,554	757	18,154	773
कर्नाटक	21,549	1,839	9,246	335
पश्चिम बंगाल	21,231	743	14,166	736
तेलंगाना	22,312	1,850	11,537	288

भारत में स्वस्थ हुए चार लाख से ज्यादा मरीज

देश*	कुल मामले	नए मामले	ठीक हुए	कुल मौत
अमेरिका	28,92,476	37,500	12,35,997	1,32,129
ब्राजील	15,45,458	43,034	9,78,615	63,295
रूस	6,74,515	6,632	4,46,879	10,027
भारत	6,61,233	22,771	4,01,847	18,912
स्पेन	2,97,625	N/A	N/A	28,385
पेरू	2,95,599	3,595	1,85,852	10,226
चिली	2,88,089	N/A	2,53,343	6,051
ब्रिटेन	2,84,276	519	N/A	44,131

विश्व में

कुल मरीज 1,12,56,737

ठीक हुए	मौतें
63,81,322	5,30,263

स्रोत : *वर्ल्डओमीटर.इंफो/कोविड19इंडिया.ओआरजी 09.30 PM तक

नजरिया 6

उपेन्द्र राय

विस्तारवाद पर ग्लोबल प्रहार

दिलचस्प बात यह है कि हमारे देश में इस पर बहुत कम बात हुई है कि चीन स्वाभाविक रूप से हमारा पड़ोसी नहीं है, बल्कि वो जबरन हमारे पड़ोस में आकर बैठ गया है। 50 के दशक में उसने तिब्बत पर कब्जा जमाया, जहां से वो सिक्किम को मान्यता देने के बावजूद घुसपैठ से बाज नहीं आता है। यही हाल उत्तराखंड का है, जहां नक्शे में अदला-बदली करके वो हमारे क्षेत्र पर दावा ठेकता रहता है, लेकिन गलवान घाटी में चीन की ताजा हिमाकत उसके विस्तारवादी मंसूबों के अंत की शुरुआत बन सकती है

संक्षिप्त खबरें

प.बंगाल के मुर्शिदाबाद में बम विस्फोट, दो की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक घर में हुए बम विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट शुक्रवार रात नौ बजे जिले के जंगीपुर उपमंडल के सुती कस्बे में हुआ। पुलिस के अनुसार वे लोग कथित तौर पर अपने घर में बम बना रहे थे तभी विस्फोट हो गया।

जम्मू-कश्मीर : मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया जबकि सेना का एक जवान घायल हो गया है। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के आरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

अंदर के पन्नों पर

मलयेशिया में जाकिर से मिला था खालिद ■ पेज-03

भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए सात मंत्र ■ पेज-10

मोदी ने दिया एप बनाने का चैलेंज

■ नई दिल्ली (आईएएनएस)।

59 चीनी एप्लीकेशन ब्लॉक करने के बाद प्रधानमंत्री ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए युवाओं को एप विकसित करने की चुनौती दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां शनिवार को डिजिटल और आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाते हुए डिजिटल इंडिया आत्मनिर्भर भारत इनोवेट चैलेंज लॉन्च किया।

डिजिटल इंडिया आत्मनिर्भर भारत इनोवेट चैलेंज लॉन्च किया

जो एप पहले से चल रहे हैं, उसे बढ़ावा देकर विश्वस्तरीय बनाने जैसी चीजों के लिए डिजिटल इंडिया आत्मनिर्भर भारत इनेवेट चैलेंज लॉन्च किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अटल इनोवेशन मिशन की साझेदारी के तहत डिजिटल इंडिया आत्मनिर्भर भारत इनोवेट चैलेंज शुरू किया गया है। इसके तहत दो ट्रैक पर कार्य होगा, जिसमें मौजूदा एप के प्रचार और नए एप के विकास पर जोर दिया जाएगा। ई-लर्निंग, वर्क फ्रॉम होम, गेमिंग, व्यापार, मनोरंजन, ऑफिस यूटिलिटीज और सोशल नेटवर्किंग की श्रेणियों में मौजूदा एप और प्लेटफॉर्म के प्रचार के लिए सरकार मेंटरिंग, हैंड-होल्डिंग और सपोर्ट प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री के लिंक्डइन अकाउंट में जारी एक बयान में कहा गया है कि ट्रैक एक में अच्छी गुणवत्ता वाले एप की पहचान के लिए मिशन मोड में काम होगा, जो कि एक महीने में पूरा हो जाएगा। वहीं ट्रैक दो के तहत भारत को इस दिशा में नया चैंपियन बनाने में मदद की जाएगी, जो इसे बाजार में अपनी पहुंच मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा।

यह खुशखबरी तो है पर वैज्ञानिकों ने उठाए सवाल

■ ज्ञानप्रकाश

नई दिल्ली। एसएनबी

कोरोना वायरस की रोकथाम के मद्देनजर आईसीएमआर का दावा है कि 15 अगस्त तक कोविड-19 का स्वदेशी टीका इस्तेमाल में लाया जा सकेगा। इस बाबत आईसीएमआर ने चुनिंदा अस्पतालों से कहा है कि वे भारत बॉयोटेक के सहयोग से विकसित किए जा रहे संभावित टीके 'कोवैक्सीन' को परीक्षण के लिए मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज करें। हालांकि, टीके के परीक्षण में ही अभी एक महीने का समय लगेगा, परीक्षण एक बार में सफल होगा इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में 15 अगस्त तक कोरोना का टीका बनने को लेकर विशेषज्ञों को संदेह लग रहा है।

वैक्सीन की समयसीमा पर सवाल : कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के अनंत भान ने वैक्सीन की घोषणा की समय सीमा पर सवाल किए। भान ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि मेरी जानकारी में किसी भी तरह के टीका के लिए इस तरह तेजी से रास्ता बनाने का काम नहीं हुआ, विदेशों में भी ऐसा नहीं होता है। त्वरित समय सीमा में यह जल्दबाजी दिखती है और संभावित खतरे के साथ प्रक्रिया पर अपर्याप्त ध्यान होगा।

सरकार की 15 अगस्त को टीका जारी करने की तैयारी

विशेषज्ञों का तर्क है कि परीक्षण के सख्त नियमों की अनदेखी की आशंका ज्यादा

उन्होंने कहा, जिस टीके के लिए क्लीनिकल जांच अभी प्रारंभिक अवस्था में है, 7 जुलाई से क्लीनिकल परीक्षण रिक्रूटमेंट कैसे हो सकता है। टीका 15 अगस्त को जारी हो जाएगा। टीका का परीक्षण एक महीने से कुछ समय अधिक तक चलता है, प्रभावितों पर पहले से ही निर्णय हो गया। वहीं, विषाणु विज्ञानी उपासना राय ने कहा कि इस तरह की महामारी जैसी स्थिति में कोविड-19 से निपटने के लिए हम चिकित्सकीय समाधान का इंतजार कर रहे हैं। कोरोना वायरस के खिलाफ टीका को तेजी से जारी करने या जारी करने का वादा करना प्रशंसनीय है, लेकिन हमें सोचना होगा कि क्या हम जल्दबाजी कर रहे हैं।

दावा, नो कन्फ्यूजन : आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने 12 स्थलों के प्रमुख जांचकर्ताओं को लिखे पत्र में कोवैक्सीन के देश में विकसित पहला टीका होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह 'शीर्ष प्राथमिकता वाली परियोजनाओं' में शामिल है 'जिसकी सरकार उच्चतम स्तर पर निगरानी कर रही है'। भार्गव ने पत्र में लिखा, 'सभी क्लीनिकल परीक्षणों के पूरा होने के बाद 15 अगस्त तक टीकों को चिकित्सकीय उपयोग के लिए उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

विकास का 'किला' जमींदोज

दुर्दांत अपराधी की तलाश में जुटीं पुलिस की सौ टीमें, एसओ सस्पेंड

जिस जेसीबी से पुलिस का रास्ता रोका, उसी से जमीन में मिला दिया पूरा मकान

दो लग्जरी गाड़ियां, दो ट्रैक्टर और एक बाइक पर भी चली जेसीबी

घटनाक्रम में एसओ चौबेपुर की भूमिका मिली संदिग्ध, एसएसपी ने किया निलम्बित

■ कानपुर (एसएनबी)।

दबिश देने आयी पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग करके सीओ समेत आठ पुलिसकर्मियों की हत्या और सात को घायल करके भागने वाले दुर्दांत अपराधी विकास दुबे का मकान शनिवार को पुलिस ने जमींदोज कर दिया। वहीं, दो लग्जरी गाड़ियां, दो ट्रैक्टर और एक बाइक भी पुलिस ने जेसीबी से क्षतिग्रस्त कर डाली। पुलिस ने मकान तोड़ने में उसी जेसीबी का इस्तेमाल किया, जिससे विकास ने पुलिस का रास्ता रोका था। इधर, पूरे मामले में एसओ चौबेपुर विनय तिवारी की भूमिका संदिग्ध पाये जाने पर एसएसपी ने उसे सस्पेंड कर दिया है। एसओ के खिलाफ विभागीय जांच बैठायी गयी है। विकास की तलाश में पुलिस की सौ टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

चौबेपुर के बिकरू गांव के हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे और उसके साथियों ने बृहस्पतिवार रात को दबिश देने आयी पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी, जिसमें सीओ बिल्हौर देवेन्द्र मिश्रा, एसओ शिवराजपुर महेश चंद्र यादव, मंधना चौकी प्रभारी अनूप कुमार सिंह, दरोगा नेबू लाल, सिपाही जितेन्द्र पाल, सुल्तान सिंह, बबलू कुमार और राहुल कुमार शहीद हो गये थे। वहीं, एसओ बिठूर कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, दरोगा सुधाकर पांडे, सिपाही अजय सिंह सेंगर, अजय कुमार कश्यप, शिवमूरत निषाद, एक होमगार्ड और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये थे। बाद में पुलिस ने कॉम्बिंग करके विकास के दो साथियों अतुल दुबे और प्रेम प्रकाश पांडे को सुबह बिकरू गांव से चार किलोमीटर दूर काशीराम गांव के जंगल में हुई मुठभेड़ में मार गिराया लेकिन विकास पुलिस के हाथ नहीं लग सका। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को विकास व उसके साथियों की जल्द गिरफ्तारी के आदेश दिये थे। शनिवार सुबह पुलिस ने विकास के घर में मौजूद उसके पिता राम कुमार दुबे व नौकरानी को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। इसके बाद जेसीबी से विकास का एक हजार वर्गगज में बना नया और पुराना मकान सामान सहित जमींदोज कर डाला। पुलिस ने जेसीबी से विकास के घर में खड़ी उसकी स्कार्पियो, फार्चूनर, दो ट्रैक्टर और एक बाइक को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विकास द्वारा जरायम के जरिये कमाई गयी सम्पत्ति, बनाये गये मकान और गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। उसकी अन्य सम्पत्तियों के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है, उसे भी नष्ट किया जायेगा।

वहीं, आठ पुलिसकर्मियों के शहीद होने के पीछे एसओ चौबेपुर विनय तिवारी की भूमिका शुरू से ही संदिग्ध मिलने के कारण एसएसपी ने उसकी जांच सीओ से करायी। सीओ ने जांच में पाया कि घटना के समय एसओ चौबेपुर सबसे पीछे चल रहे थे और फायरिंग के दौरान वहां से नदारद हो गये। इसके अलावा उनके द्वारा विकास को पुलिस दबिश की मुखबिरी करने की भी आशंका है, जिसके लिए एसओ व थाने के अन्य पुलिसकर्मियों के मोबाइल नंबर की सीडीआर चेक की जा रही है। सीओ ने एसओ चौबेपुर की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए जांच रिपोर्ट एसएसपी को सौंपी। एसएसपी दिनेश कुमार प्रभु ने बताया कि सीओ की जांच रिपोर्ट में एसओ चौबेपुर विनय तिवारी की भूमिका संदिग्ध पाये जाने पर उसे निलम्बित कर दिया गया है। चौबेपुर थाने का प्रभार इंस्पेक्टर कृष्ण मोहन राय को सौंपा गया है, वहीं संतोष कुमार सिंह को सीओ बिल्हौर बनाया गया है। आईजी मोहित अग्रवाल ने बताया कि एसओ चौबेपुर विनय को सस्पेन्ड कर दिया गया है। विकास दुबे व उसके परिवारीजनों के बैंक खातों और चल-अचल सम्पत्ति का ब्योरा जुटाया जा रहा है, विकास की सारी सम्पत्ति और बैंक खातों को जब्त किया जायेगा। उसका मकान गिरा दिया गया है, गाड़ियां क्षतिग्रस्त कर दी गयी हैं।

कानपुर चौबेपुर बिकरू गांव में विकास दुबे के नए मकान का गेट गिराती जेसीबी।

देश में संक्रमितों के ठीक होने के रफ्तार और तेज

नई दिल्ली (एसएनबी)। देशभर में कोरोना संक्रमितों के ठीक होने का प्रतिशत अब 60.81 हो गया है जबकि दिल्ली में 70.22 प्रतिशत संक्रमित ठीक हो गए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में शनिवार को एक दिन में कोविड-19 के सबसे अधिक 22,771 मामले आए। इसके साथ ही संक्रमित लोगों की कुल संख्या 6,48,315 हो गई है जबकि 442 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 18,655 हो गई है। उधर वर्ल्डओमीटर के अनुसार देश में कुल मरीजों की संख्या 6,61,233 पर पहुंच गई जबकि मृतकों की संख्या 18,912 हो गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार इस संक्रमण से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 3,94,226 है। देश में अब भी 2,35,433 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, 'अभी तक करीब 60.80 फीसद मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।' भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक तीन जुलाई तक कुल 95,40,132 नमूनों की जांच की गई जिनमें से 2,42,383 नमूनों की शुक्रवार को जांच हुई।

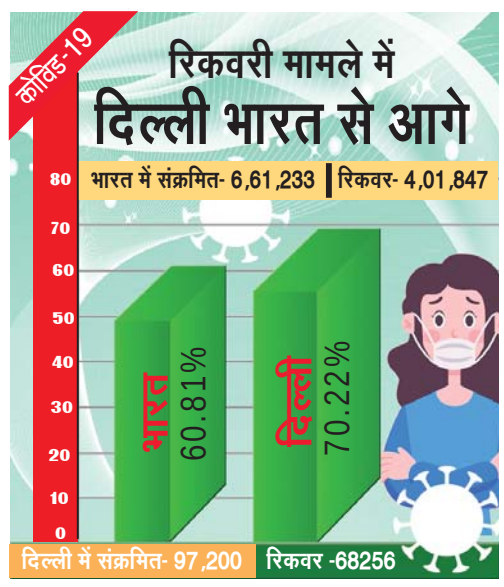

मंथन

07 मध्यम वर्ग की कौन सुनेगा?

पैसा वसूल

11 घर में कितनी रख सकते हैं गोल्ड ज्वेलरी

उमंग

12 आशी सिंह यासमीन के रूप में

मेक इन इंडिया के जरिए देंगे चीन को जवाब : अंगड़ी

देश की प्रगति में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस दिशा में भारतीय रेलवे अहम भूमिका निभा रहा है। रेल यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। आने वाले दिनों में यात्रियों को क्या-क्या नई सुविधाएं मिलेंगी और इससे देश की अर्थव्यवस्था कैसे आगे बढ़ेगी, इनसे जुड़े तमाम मुद्दों पर रेल राज्यमंत्री सुरेश अंगड़ी से सहारा न्यूज नेटवर्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं एडिटर इन चीफ उपेन्द्र राय ने विशेष बातचीत की। प्रस्तुत है विस्तृत बातचीत :

उपेन्द्र राय सुरेश अंगड़ी

अंगड़ी साहब सबसे पहले आपको इस बात के लिए बधाई कि इंडियन रेलवे ने देश में पहली बार पटरी पर दो किलोमीटर लंबी सुपर एनाकोंडा रेल को बढ़ाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। जाहिर सी बात है कि माल से लदी हुई 117 वैगन वाली इस मालगाड़ी का पटरी पर दौड़ना इंडियन रेलवे के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आखिर इस ट्रेन की शुरुआत करने के पीछे रेलवे की क्या योजना है और भविष्य में इस तरह की कितनी और ट्रेनें चलाने की दिशा में काम हो रहा है ?

इस परियोजना के पीछे हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सोच है। उन्होंने भारत को पांच ट्रिलियन की इकोनामी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए 130 करोड़ लोग प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए मैं रेलवे कर्मचारियों को खासतौर पर बहुत बधाई देता हूं। इसका श्रेय हमारे यहां 24 घंटे काम करने वाले कर्मचारियों को जाना चाहिए। प्रधानमंत्री और हमारे रेल मंत्री पीयूष गोयल जी के सतत मार्गदर्शन से हम ये कर पा रहे हैं इसलिए इसका श्रेय उन्हें भी जाता है। उनकी योजना को पूरा करने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय सतत प्रयास कर रहे हैं।

भारत-चीन सीमा विवाद के बाद पूरे देश में चीनी सामान के बहिष्कार को लेकर बहस जारी है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने चीनी कंपनी के साथ 473 करोड़ रुपए का करार खत्म किया है। इस प्रोजेक्ट से कानपुर और दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन के बीच 417 किमी. की सिग्नलिंग और टेली कम्युनिकेशन का काम होना था। अब इस काम को कैसे पूरा किया जाएगा?

प्रधानमंत्री की सोच है कि जो हमारे साथ जैसा बर्ताव करेगा उसके साथ उसी तरह का व्यवहार किया जाएगा। जाहिर है जो हमारे साथ दोस्ती करेगा उसे निभाएंगे और जो बुरी नजर से देखेगा उसे उसी की भाषा में जवाब देंगे। इसके लिए मोदी जी पूरी तरह से तैयार हैं। मेक इन इंडिया को तरजीह देते हुए और भारत को बुरी नजर से देखने वालों को सबक सिखाने के लिए हमने यह कदम उठाया। मेक इन इंडिया को ध्यान में रखते हुए हम इस परियोजना पर जल्द काम शुरू करेंगे।

जाहिर सी बात है कि प्रधानमंत्री जी या फिर पीयूष गोयल जी से ये वार्ता होती होगी कि जो काम तत्काल प्रभाव से रेलवे के लिए चीन की कंपनी कर रही थी और उस कांट्रैक्ट को खत्म कर दिया गया तो वह काम देशहित में कराना जरूरी है। रातों रात वह काम मेक इन इंडिया से तो करा नहीं सकते तो क्या उन ठेकों को दूसरे देशों को देने की योजना बना रहे हैं या उन्हें फिलहाल कुछ समय के लिए होल्ड रखा जाएगा?

देखिए जब देश में कोरोना शुरू हुआ था तो यहां एक भी पीपीई किट नहीं बनती थी। हम दूसरे देशों पर निर्भर थे लेकिन प्रधानमंत्री की अपील के बाद लोग गांव स्तर तक मास्क और सैनिटाइजर तैयार करके उसे एक्सपोर्ट करने की स्थिति में आ गए हैं। ऐसे ही हमारे देश के इंजीनियर यह काम करने में जुट जाएंगे तो यह 470 करोड़ रुपए का ठेका कोई बहुत बड़ा काम नहीं है। प्रधानमंत्री जी, पीयूष गोयल जी और मेरे मार्गदर्शन में आने वाले दिनों में यह काम तेजी से पूरा किया जाएगा। भारत आने वाले दिनों में दुनिया का एक सशक्त एक्सपोर्टर बनेगा। चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे लोग काम में लगे हुए हैं।

कोरोना के चलते रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देश के इतिहास में शायद यह पहला मौका रहा जब रेलवे का परिचालन पूरी तरह से ठप रहा। हालांकि बाद में कुछ ट्रेनें चलाई गईं लेकिन अभी भी ट्रेनें पूरी तरह से पटरी पर नहीं दौड़ रही हैं। ऐसे में रेल यातायात कब तक बहाल होगा?

देखिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 67 लाख श्रमिक भाई-बहनों को घर पहुंचाया गया है। इस दौरान उनके खाने-पीने की पूरी व्यवस्था की गई। उन्हें मनरेगा में काम दिया है। ट्रेनों का सुचारु रूप से परिचालन करने के लिए होम मिनिस्ट्री, हेल्थ मिनिस्ट्री और अलग-अलग राज्यों की गाइडलाइन आने के बाद विचार-विमर्श किया जाएगा। जैसे ही सहमति बनेगी, परिचालन बहाल कर दिया जाएगा।

जो राज्य सरकारें स्पेशल ट्रेन डिमांड कर रही हैं उसके हिसाब से केंद्र उन्हें दे रहा है। मेरा कहना है कि रेलवे जो अपना टाइम टेबल छापता है, करीब 19000 से ज्यादा ट्रेन परिचालन में इस्तेमाल होती हैं। इस समय रेगुलर परिचालन जो टाइम टेबल के हिसाब से होता है वह बंद है, उसको चालू करने के बारे में क्या योजना है ?

प्रधानमंत्री पहले ही बोल चुके हैं कि ये बीमारी नवम्बर तक रहेगी। सितम्बर तक हमारा थोड़ा ज्यादा प्रयास रहेगा। जिस राज्य में कोरोना के खिलाफ अच्छा काम हो रहा है। वे राज्य आग्रह करेंगे तो वहां रेल परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात की स्थिति ठीक नहीं है। पहले लोगों की सुरक्षा जरूरी है। (जारी पेज 10)

ADVERTORIAL

गुरु पूर्णिमा

सहज योग

सहज योग 50 Years स्वर्णजयंती (१९७०–२०२०)

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी
सहज योग संस्थापिका
कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्म–साक्षात्कार दात्री

सहज योग अंतर्राष्ट्रीय विश्व निर्मल धर्म

एक सद्गुरु के गुण

गुरु आपको परमात्मा से मिलवाता है

सच्चे गुरु की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह आपको परमात्मा से मिलवाता है, अर्थात् वह आपकी कुंडलिनी को जागृत करके आपका संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी शक्ति से स्थापित करवाता है। एक बार गुरु नानकजी से पूछा गया कि सच्चा गुरु कौन है? तो उन्होंने कहा, ''साहब मिलिहें सो ही सद्गुरु''। अर्थात् जो आपको परमेश्वर से मिलाये वही सच्चा है। फिर उन्होंने इन गुरुओं को अगुरु और कुगुरु इत्यादि श्रेणियों में भी बाँटा है। सच्चा गुरु वही है जो आपको परमेश्वर से, दैवीय शक्ति से मिलाता है।

आप गुरु को खरीद नहीं सकते

एक सच्चे गुरु को एक माता की तरह अपने शिष्यों के कल्याण और धर्म–परायणता की पूरी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिये। गुरु ही अपने शिष्य को ब्रह्मचैतन्य से जोड़ता है। आप उस को खरीद नहीं सकते। यदि आप किसी गुरु को खरीदते हैं तो वह आपका दास हो सकता है, लेकिन गुरु कभी नहीं हो सकता।

एक गुरु को एक उच्च कोटि का साक्षात्कारी और अत्यधिक विकसित होना चाहिये

गुरु को एक सच्चा गुरु होना चाहिये, न कि अपने शिष्यों का शोषण करनेवाला, परमात्मा से अनाधिकृत कोई व्यक्ति। मानवीय चेतना और परमेश्वरी चेतना के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है, जिसे केवल एक पूर्ण गुरु ही भर सकता है। आज पूर्णिमा का दिन है, और पूर्णिमा का अर्थ है पूर्ण चंद्रमा। गुरु को एक संपूर्ण व्यक्तित्व होना चाहिये, जो अपने शिष्यों को परमेश्वरी विधानों के बारे में बता सके और उनकी समझ को उस स्तर तक ऊँचा उठा सके, कि वे उन विधानों को अपने अंदर समा सकें। वह इस अंतर को भरने के लिए है, और इसके लिये यह आवश्यक है कि प्रत्येक गुरु एक उच्च कोटि का आत्म–साक्षात्कारी और विकसित व्यक्ति हो।

यह आवश्यक नहीं कि गुरु एक सन्यासी हो

यदि आप सभी गुरुओं के जीवन को देखेंगे तो पायेंगे कि वे सभी विवाहित थे, उनके बच्चे थे और वे सामान्य लोगों की तरह जीवन व्यतीत करते थे। फिर भी अपने व्यक्तिगत जीवन में वे एकदम निर्लिप्त थे। यह आवश्यक नहीं कि गुरु एक सन्यासी हो, न ही यह कि वह जंगलों में रहे। वह एक सामान्य गृहस्थ हो सकता है और एक राजा भी हो सकता है। जीवन की यह सभी बाहरी अभिव्यक्तियाँ कोई मायने नहीं रखतीं।

(परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन)

सभी गुरुओं और पैगंबरों ने आपसी प्रेम और शांति का ही संदेश दिया

''जब आप दैवी शक्ति के आयाम, यानि ब्रह्म में रहते हैं, तो वह आपकी देखभाल करती है।''
–राजा जनक

''मैं आपसे विनती करता हूँ कि मेरे और आपके, तथा मेरे और आपके लोगों के बीच किसी भी तरह का संघर्ष या मनमुटाव नहीं होना चाहिये, क्यों कि हम सब तो भाई–भाई हैं।'' **– अब्राहम**

''दूसरों पर विजय प्राप्त करना बल है, लेकिन स्वयंपर विजय प्राप्त करना सच्ची शक्ति है।''
–लाओत्से

''सत्य का मार्ग ही एकमेव मार्ग है।''
–जराथुष्ट्र

''हर इंसान में भगवान को देखो।''
– शिरडी के साँईनाथ

''आज मैं आपको जो भी धर्मोपदेश दे रहा हूँ, आपको उनका अनुसरण करना पड़ेगा, ताकि आप शक्तिशाली बनें।''
–मोज़ेस

''जिस जीवन का निरीक्षण न किया गया हो, वह जीने लायक नहीं।''
– सुक्रात

''हमारी सबसे बड़ी प्रतिष्ठा कभी न गिरने में नहीं है, बल्कि गिरने पर हर बार उठ जाने में है।''
–कन्फूशियस

''खुदा की रचना पर एक घंटे ध्यान करना, सत्तर वर्ष प्रार्थना करने से बेहतर है।''
–पैगम्बर मोहम्मद

''समस्त मानवता के बीच भाईचारा ही योगियों का सच्चा नियम है। अपने मन को जीतना ही सारे विश्व को जीतना है।''
– गुरु नानक

गुरु वही जो हमें प्रभु से मिलाये

सद्गुरु को परखने की ७ कसौटियाँ

सत्य–साधक परमात्मा को पाने के लिए और जीवन के संघर्षों से पार पाने के लिये सदैव सच्चे गुरु की खोज में रहते हैं, लेकिन कई बार इस प्रयास में वे झूठे गुरुओं के चंगुल में फंस जाते हैं। आजकल भारत में ऐसे झूठे गुरु खूब फल–फूल रहे हैं जो आपकी आस्था, रूपये–पैसे, स्वास्थ्य और विवेक, सब चौपट करने के लिए तैयार बैठे हैं। नीचे दी गईं ७ कसौटियों पर परख के आप स्वयं सत्य जान सकते हैं।

१) क्या कभी रूपया पैसा लिया जाता है? यदि रूपया–पैसा लिया जा रहा है तो अवश्य गोरख–धंधा है। सत्य न तो खरीदा जा सकता है और न ही बेचा जा सकता है।

२) यदि किसी गुरु के शिष्य आपका एक सेल्समैन की तरह पीछा करते हैं और आपको शिष्य बनाने के पैसे लेते हैं तो समझ जाइये कि यह एक संगठित व्यापार है, सत्य–साधना का मार्ग नहीं।

३) उस गुरु के साथ आपको क्या अनुभव मिला? हर क्षणिक अनुभव दैवीय नहीं होता। कुछ दिखना या सुनाई देना, हवा में तैरना, भविष्यवाणियाँ, प्रभामंडल, मृतकों के साथ बातचीत इत्यादि करतब अत्यंत खतरनाक होते हैं।

४) यदि वह गुरु आध्यात्मिक मार्ग पर चलने हेतु आपको अपने परिवार और संपत्ति को त्यागने का निर्देश देता है, तो निश्चित रूपसे यह एक छलावा है। अतः ऐसे गुरु से सावधान हो जाइये।

५) क्या आपको अजीब से कपड़े पहनने के लिए, अजीब मुद्राओं में बैठने के लिए, सुबह–शाम मंत्र जाप के लिए, या कोई अँगूठी या आभूषणादि पहनने को कहा जाता है? आपको जान लेना चाहिये कि परमात्मा इन सब व्यर्थ की चीज़ों से परे हैं और उनके लिये, आपकी उनको प्राप्त करने की शुद्ध इच्छा ही महत्व रखती है।

६) आपके क्या प्राप्त होता है? क्या आपके गुरु आपको सदाचारी बना पाते हैं? यदि वह एक धर्म को दूसरे से श्रेष्ठ बताते हैं तो इसका अर्थ है कि वे धर्म के नाम पर केवल पाखंड कर रहे हैं।

७) यदि आपके गुरु आपको व्यभिचार, यौन स्वतंत्रता या कठोर सन्यास की ओर उन्मुख कर रहे हैं, तो फिर निश्चित रूप से आप गलत स्थान पर आ गये हैं, जहाँ पर ये झूठे गुरु और उनके एजेन्ट आपका शोषण करने के लिए तैयार हैं।

सत्य को प्राप्त करने के लिये आपको अनेकों शुभकामनायें।

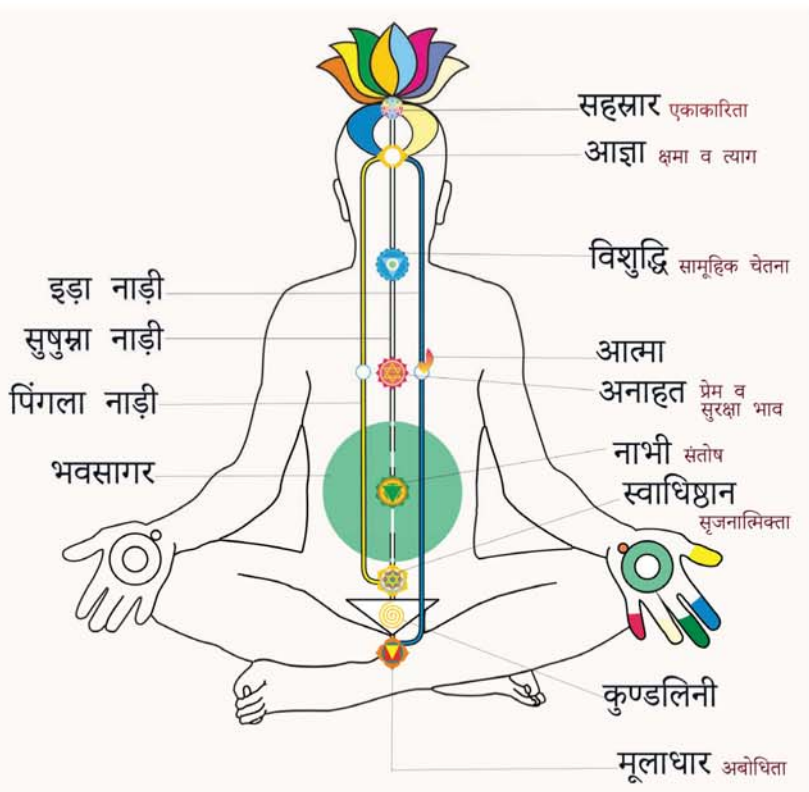

सहज योग विश्व को एक सूत्र में पिरोता है

अधिक जानकारी और अपना आत्म–साक्षात्कार पाने के लिए, निम्न सूत्रों का उपयोग करें–

www.sahajayoga.org
www.nirmaldham.org
www.sahajayogamumbai.org
www.sahajayoga.org.in
www.freemeditation.com
www.freemeditation.com.au
www.sahajayogaworld.org

विश्व भर के सहज योग संपर्क–सूत्रों के लिए

This is brought to you by **M B Ratnannavar** and **Team of Sahaja Yogis.** E-mail: mbratan@gmail.com

साढ़े तीन माह से घरों में कैद, कंटेनमेंट जोन हटाने की मांग

■ आदर्श शर्मा

नई दिल्ली।

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 ग्रुप 13 के पॉकेट ए-3 के निवासी लगभग साढ़े तीन माह से घरों में कैद हैं। उन्होंने कैंडल मार्च निकालकर शासन-प्रशासन से मांग की कि उनके इलाके को कंटेनमेंट जोन से बाहर किया जाए, ताकि वे लोग बाहर निकलकर अपना काम कर सकें और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। पॉकेट के आरडब्ल्यूए प्रधान राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि लॉकडाउन की वजह से लोग पहले ही घरों में कैद थे। एक मई को लॉकडाउन खुलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन कोरोना के मामले आने के चलते पांच जून को इस पॉकेट को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया। इसकी वजह से वे लोग एक बार फिर 28 दिनों के लिए घरों में कैद हो गए। इस पॉकेट में रहने वाले करीब 300 लोगों ने कोरोना के टेस्ट भी कराए। उनमें मात्र एक व्यक्ति की रिपोर्ट 21 जून को पॉजिटिव आई थी। उस व्यक्ति को कोविड सेंटर में भर्ती करा दिया गया। उसके बाद से इलाके में कोरोना का कोई भी नया मामला नहीं आया है, इसके बावजूद पॉकेट को कंटेनमेंट जोन से बाहर नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि जिनको कोरोना हुआ था, उनमें से एक परिवार व कुछ अन्य लोगों को तो बाहर जाने की इजाजत मिल गई, लेकिन बाकी लोगों को नहीं। अगर बाहर जा रहे लोगों में से फिर किसी को कोरोना हो गया तो फिर 28 दिन के लिए कंटेनमेंट जोन की अवधि बढ़ा दी जाएगी। आखिर यह सिलसिला कब तक चलेगा। इस पॉकेट में रहने वाले उत्तम सिंह चौहान व एमवी शाहजी ने बताया कि कंटेनमेंट जोन की वजह से लोगों को राशन मंगवाने के लिए रिश्तेदारों का सहारा लेना पड़ रहा है। बाहर न जा पाने के कारण वे लोग फल और सब्जी मुंह मांगे दामों पर खरीदने को मजबूर हैं। इलाके के लोगों का कहना है कि प्राइवेट जॉब करने वाले आधे से ज्यादा लोगों की नौकरी जा चुकी है। इसके बावजूद उन्हें रोजी-रोटी की व्यवस्था करने के लिए बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। लोगों का कहना है कि पॉकेट में कई लोग गंभीर रूप से बीमार हैं। उन्हें डायलिसिस आदि की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन वे अस्पताल नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में उनको जीवन को खतरा पैदा हो गया है।

मयूर विहार फेज-3 ग्रुप 13 के पॉकेट ए-3 के निवासी हैं परेशान

न अस्पताल जा पा रहे न रोजी-रोटी के लिए निकल पा रहे बाहर

केन्द्र सरकार ने होम आइसोलेशन के नियमों में किया परिवर्तन

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी में हल्के लक्षण वाले कोराना मरीजों के होम क्वारेंटाइन की प्रक्रिया में परिवर्तन किया गया है। केन्द्र सरकार ने नई गाइडलाईन जारी की है जिसे दिल्ली सरकार ने तुरंत प्रभाव से लागू किया है। अब हल्के लक्षण वाले मरीज को कैंसर, एचआईवी या लीवर की बीमारी जैसे गंभीर लक्षण होने पर डॉक्टर को तय करना होना कि होम क्वारेंटाइन में भेजा जाए अथवा नहीं। जिला प्रशासन को प्रत्येक होम आइसोलेशन वाले मरीज को पल्स ऑक्सीमीटर देना होगा।

केन्द्र सरकार के नए नियमों के अनुसार किसी कोरोना मरीज की उम्र साठ वर्ष से अधिक होने, हृदय रोग, लीवर, किडनी, फेफड़े की बीमारी, डायबिटीज या हाइपरटेंशन होने की स्थिति में डॉक्टर तय करेंगे कि मरीज को होम आइसोलेशन में भेजा जा सकता है या नहीं।

कोरोना मरीज के होम आइसोलेशन होने की स्थिति में एक व्यक्ति मरीज की चौबीस घंटे सेवा के लिए होना चाहिए जिसका संवाद अस्पताल से बना रहेगा। मरीज की सेवा में लगे व्यक्ति व मरीज के अन्य सभी संबंधी को हाइड्रोक्लोरोक्विन लेना होगा। होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना मरीज को अपने स्वास्थ्य की जांच करनी होगी व इसकी जानकारी जिला सर्विलांस अधिकारी को देनी होगी। कोरोना मरीज को होम आइसोलेशन में रहने पर पत्र लिखकर अंडरटेकिंग देना होगा कि वे निर्धारित गाइडलाइन का पालन करेंगे। होम आइसोलेशन के मरीज की स्थिति दस दिनों तक स्थिर रहने व तीन दिनों तक बुखार नहीं होने पर पूरी तरह ठीक माना जाएगा।जिला सर्विलांस अधिकारी को होम आइसोलेशन के कोरोना मरीज का ध्यान रखना होगा, मरीज की स्थिति को कोविड पोर्टल पर देना होगा। फील्ड स्टाफ को होम आइसोलेशन मरीज पर नजर रखनी होगी। जरूरत पड़ने पर मरीज को अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम करना होगा। मरीज के परिजन व अन्य निकट के व्यक्ति की भी निगरानी करनी होगी।

दिल्ली सरकार ने लागू किया नियमों को तुरंत प्रभाव से

हल्के लक्षण वाले मरीज को कैंसर, एचआईवी या लीवर बीमारी जैसे गंभीर लक्षण होने पर डाक्टर तय करेंगे कि होम क्वारेंटाइन में भेजा जाय अथवा नहीं

जिला प्रशासन को होम आइसोलेशन के मरीज को पल्स ऑक्सीमीटर देना होगा

होम क्वारेंटाइन मरीजों को इन हालात में जाना होगा अस्पताल

- मरीज को यदि सांस लेने में दिक्कत आ रही हो।
- आक्सीजन स्तर गिर गया हो
- छाती में लगातार दर्द हो रहा हो या फिर बोलने में परेशानी हो रही हो
- हाथ पैर में कमजोरी होने पर
- मानसिक अस्थिरता होने या ओठ का नीला पड़ने पर तुरंत डॉक्टर की मदद लेनी होगी।

आज बारिश के हैं आसार!

नई दिल्ली (एसएनबी)। शनिवार का दिन भी बारिश के इंतजार में गुजर गया, लेकिन मौसम विभाग ने रविवार को बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ कल 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवा भी चलेगी और गरज के साथ बौछारें भी पड़ेगी। दिन भर भीषण गर्मी और उमस से दिल्ली के लोग परेशान रहे। यहां का अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान भी औसत से दो डिग्री ऊपर चढ़कर 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कल यहां के तापमान 36 और 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा।

कोरोना का कहर : नए टेस्टिंग सेंटर खोलने की तैयारी

■ राजेश तिवारी

नई दिल्ली। एसएनबी

एनडीएमसी क्षेत्र में कोरोना वायरस के बढ़ते कहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने दो-तीन नए एंटीजेन टेस्टिंग सेंटर खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों का यह भी कहना कि प्रशासन ने चरक पालिका अस्पताल को कोविड सेंटर बनाने का काम शुरू कर दिया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन ने और टेस्टिंग बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि टेस्टिंग बढ़ाने के उद्देश्य से ही दो-तीन नए टेस्टिंग सेंटर शुरू करने की तैयारी चल रही है। एक अधिकारी का कहना है कि कोरोना पॉजिटिव की संख्या बढ़ने से ही प्रशासन को 'आरटी पीसीआर' टेस्टिंग शुरू करनी पड़ी है

। अधिकारी का तर्क है कि एनडीएमसी क्षेत्र में सरोजिनी नगर फिजियोथेररपी सेंटर के अलावा चार बड़े अस्पतालों में भी कोरोना टेस्टिंग होती है। वहां भी बड़ी संख्या में पॉजिटिव मामले मिल रहे हैं। यही वजह है कि प्रशासन ने अब चरक पालिका अस्पताल को कोविड सेंटर में बदलने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारी का कहना कि चरक पालिका में पर्याप्त स्टाफ व संसाधन हैं।

चरक पालिका अस्पताल को कोविड सेंटर बनाने का काम शुरू

कोरोना से स्वस्थ होने की दर पहुंची 70 के पार

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी में कोरोना की टेस्टिंग रफ्तार बढ़ने के साथ ही स्वस्थ होने वालों की चाल भी बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार चौबीस घंटे के दौरान दिल्ली में कोरोना रिकवरी रेट पहली बार 70 फीसद के पार पहुंच गया। स्वस्थ होने की दर 70.22 फीसद हो गई। राजधानी में 97 हजार 200 मरीजों में से 68 हजार 256 ठीक हो चुके हैं। पॉजिटिविटी रेट (कुल टेस्ट में कितने लोग पॉजिटिव निकल रहे हैं) अब 10.58 फीसद हो गया, जो 36.94 पहुंच गया था। चौबीस घंटे के दौरान 2505 नए संक्रमितों का पता चला। इस दौरान 2632 लोग स्वस्थ हुए। 55 संक्रमितों ने दम तोड़ा। अब 25 हजार 940 एक्टिव मामले है।

बढ़ रही टेस्टिंग, घट रही संक्रमितों की संख्या : दिल्ली सरकार की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार शनिवार को दिल्ली में संक्रमितों की संख्या 97 हजार 200 हो गई। अब तक 68 हजार 256 मरीज स्वस्थ हुए हैं और 3004 की मौत हुई है। इसी तरह शनिवार रात 8 बजे तक राजधानी में 16004 संक्रमित होम आइसोलेशन में, 5522 विभिन्न अस्पतालों में, 1756 डेडीकेटेड कोविड केयर सेंटर में, 153 कोविड हेल्थ सेंटर में भर्ती थे। शनिवार को 23673 लोगों की कोरोना की जांच हुई। टेस्टिंग में से 9925 आरटी पीसीआर, जबकि 13748 लोगों की रैपिड एंटीजेंट टेस्ट किए गए। अब तक दिल्ली में 6 लाख 20 हजार 368 लोगों की कोरोना की जांच की जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया है कि अब तक टेस्टिंग में प्रति 10 लाख आबादी पर 32 हजार 650 लोगों की टेस्टिंग हुई। इसी बीच कंटेनमेंट जोन की संख्या शनिवार को 445 से बढ़कर 448 हो गई। कोरोना नियंत्रण कक्ष में 430 सहातार्थ कॉल्स प्राप्त हुई। विभिन्न क्षेत्रों से 1030 लोगों को एम्बुलेंस भेजी गई।

24 घंटों में 2505 नए संक्रमित, 55 की मौत, 2632 डिस्जार्ज, 23 673 की टेस्टिंग

राजधानी में संक्रमितों की संख्या 97 हजार के पार

पानी से भरी बाल्टी में गिरकर मासूम की मौत

नई दिल्ली (एसएनबी)। मंडावली इलाके में 11 माह के मासूम की बाल्टी के पानी में गिरकर मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त रफीक के रूप में की गई। रफीक के माता-पिता कमरे में सो रहे थे, वहीं पर पानी की बाल्टी भरी हुई रखी थी। मासूम जब सोकर उठा तो वह घुटनों के बल चलते हुए बाल्टी तक पहुंच गया और सिर के बल बाल्टी में गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि रफीक अपने परिवार के साथ हरिजन बस्ती, रेलवे कॉलोनी, मंडावली में एक कमरे में रहता था। कमरे में ही उसकी मां खाना बनाने के अलावा कपड़े भी धोती है। परिवार में पिता मोहम्मद रहीस और मां रजिया बेगम है। रहीस मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता है। शुक्रवार को वह परिवार के साथ घर में सो रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया।

थोक शराब बेचने के लिए लाइसेंस देगा आबकारी विभाग

नई दिल्ली (एसएनबी)। आबकारी विभाग ने राजधानी में देसी-विदेशी शराब की होलसेल दुकान खोलने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसके तहत नए आवेदन देने पर थोक शराब बेचने के लाइसेंस दिए जाएंगे। आवेदन फार्म आबकारी विभाग की वेबसाइट पर जारी किया गया है।

आबकारी विभाग ने दो अलग-अलग आवेदन का प्रोफार्मा जारी किया है। पहले प्रोफार्मा में देसी शराब के थोक विक्रेता को लाइसेंस एल 1 देने संबंधी आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें आवेदन करने के लिए पांच हजार रूपए प्रोसेसिंग फीस रखी गई है। यह आवेदन व फीस ऑनलाइन दी जा सकती है। पिछले वर्ष 2019-20 में लागू आवंटन की शर्तें इस वर्ष भी लागू की गई है। साथ ही जिनके पास वर्ष 2019-20 के लाइसेंस हैं ऐसे थोक विक्रेता का लाइसेंस इस वर्ष के लिए पुराने नियम व शर्त के आधार पर लागू किया जा सकेगा।

साथ ही आबकारी विभाग ने विदेशी शराब के थोक विक्रेता के लिए एल-1 एफ लाइसेंस देने के लिए आवेदन प्राप्त करना शुरू कर दिया है, इसके आवेदक को पांच हजार रुपए प्रोसेसिंग फीस देना होगा। यह एल-1 एफ लाइसेंस देने के लिए भी वर्ष 2019 की नियम शर्तें लागू हैं। जो भी विदेशी शराब के थोक विक्रेता वर्ष 2019 के लिए अधिकृत हैं वे 2020 के लिए भी पुरानी शर्त पर थोक विक्रेता का लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही दिल्ली सरकार ने वर्ष 2020-21 के लिए आबकारी पॉलिसी लागू कर दी है।

दिल्ली सरकार ने वर्ष 2020-21 के लिए आबकारी पॉलिसी लागू की

सीआईएसएफ के 47 कर्मी प्लाज्मा दान करने को तैयार

नई दिल्ली (एसएनबी)। केंद्रीय ओद्यौगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 बीमारी से ठीक हो चुके 47 कर्मी दिल्ली और मुंबई में अपना प्लाज्मा दान करने को तैयार हैं।

अर्द्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने कहा कि सीआईएसएफ महानिदेशक राजेश रंजन ने इस बीमारी को मात देने वाले जवानों से अपील की थी कि वे एक नेक काम के लिए आगे आएं, जोकि कई जिंदगियों को बचाने में मददगार साबित हो सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि कोविड-19 बीमारी से स्वस्थ हुए एक अधिकारी समेत 47 सीआईएसएफ कर्मियों ने अपना प्लाज्मा दान देने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा एक नेक काम के लिए इन सीआईएसएफ कर्मियों की सेवा दिल्ली और मुंबई में उपलब्ध है।

क्या दहेज हत्या के आरोपी डॉक्टर से किसी अस्पताल में ली जा सकती है सेवा?

नई दिल्ली (एसएनबी)। हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा है कि क्या दहेज हत्या का आरोपी डॉक्टर कोरोना महामारी के दौर में किसी अस्पताल में काम कर सकता है। न्यायमूर्ति प्रतिबा मनिंदर सिंह ने डॉक्टर से भी कहा है कि वह बताएं कि अगर उसकी अंतरिम जमानत बढ़ा दी जाती है तो वह किसी अस्पताल में काम कर सकता है कि नहीं। न्यायमूर्ति ने इसके साथ ही डॉक्टर की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई 27 जुलाई के लिए स्थगित कर दी।

याचिकाकर्ता डॉक्टर ने कहा था कि वह डॉक्टर है और अभी वह अंतरिम जमानत पर है। उसकी अंतरिम जमानत बढ़ा दी जाए क्योंकि उसकी मां बीमार है और उसे अपने बच्चे का देखभाल करना है।

कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि डॉक्टर एक राष्ट्रीय स्तर के महामारी वाले संस्थान में काम करता है तो तो क्या कोरोना महामारी के दौर में उसकी सेवा किसी अस्पताल के लिए ली जा सकती है। उसने इस बात की जानकारी के लिए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

क्राइम ब्रांच का अफसर बन ठगे लाखों के गहने

नई दिल्ली (एसएनबी)। सेंट्रल जिले के डीबीजी गुप्ता रोड पर क्राइम ब्रांच का अफसर बनकर दो लोगों ने गहनों से भरे दर्जनों पार्सल ठग लिए। इसकी कीमत लाखों में है। आरोपियों ने पीड़ितों को पुलिस का आईडी कार्ड भी दिखाया। पुलिस को कुरियर कंपनी के कर्मचारी नवीन ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने साथी कर्मचारी जामजी को लेकर पार्सल डिलीवर करने करोल बाग जा रहा था। किशन गंज रेलवे फाटक के पास बाइक से आए दो लोगों ने उनको रोका और खुद को क्राइम ब्रांच का ऑफिसर बता चेकिंग कराने को कहा। नवीन ने पार्सल के 26 पैकेट उन्हें दिखाए। आरोपियों ने इसका पक्का बिल मांगा। नवीन के पास बिल नहीं था, तो उन लोगों ने बिल लाने को कहा। नवीन अपने साथी के साथ बिल लाने लौट गया। रास्ते मे शक होने पर जब वापस आया तो वहां से दोनों कथित ऑफिसर गायब थे। इसके बाद उसने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

30 और स्कूलों, शैक्षिक संस्थानों और हाउसिंग सोसाइटियों को नोटिस

नई दिल्ली (एसएनबी)। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने भूकंप से निपटने को कार्रवाई को तेज करते हुए 30 और शैक्षिक संस्थानों, स्कूल और हाउसिंग सोसाइटियों को नोटिस जारी कर 30 दिन में स्ट्रक्चर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने को कहा। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) को इमारतों और भवनों के मालिकों द्वारा इन नोटिस का जवाब प्राप्त हो रहा है और अब तक 6 मालिकों ने निगम से सलाह मांगी है और स्ट्रक्चर कंसलटेंट को नियुक्त करने की प्रकिया शुरू कर दी है। अब तक एसडीएमसी ने ऐसी 103 इमारतों को चिह्नित कर नोटिस जारी किया है। इसके अतिरिक्त एसडीएमसी अपने अधिकार क्षेत्र में ऊंची, जर्जर, खतरनाक इमारतों का सर्वेक्षण कर उन्हें चिह्नित कर रही है ताकि उनकी भूकंपीय स्थिरता की जांच हो सके। विभिन्न आर.डब्ल्यू.ए और हाउसिंग सोसायटी से आग्रह किया जा रहा कि वह अपनी इमारतों की ढांचागत सुरक्षा के लिए एसडीएमसी से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें विशषज्ञों और इंजीनियरों द्वारा उचित सलाह और मार्ग दर्शन दिया जाएगा।

वरिष्ठ निगम अधिकारी ने यह बताया कि स्ट्रक्चर ऑडिट रिपोर्ट पंजीकृत स्ट्रक्चर कंसलटेंट/इंजीनियर के माध्यम से करवाई जाएगी जिसकी जानकारी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

इंजीनियरों और कंसलटेंट द्वारा निगम प्राथमिक विद्यालय केशवपुरम, डाबडी समुदाय भवन, जोनल कार्यालय भवन लाजपत नगर, मात्र एवं शिशु कल्याण केंद्र जंगपुरा और निगम प्राथमिक विद्यालय ऑल्ड सागरपुर, निरीक्षण का कार्य किया गया। इन भवनों की ढांचागत स्थिरता की जांच के लिए यह निरीक्षण किया गया और इंजीनियर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह परिसर सुरक्षित है या नहीं। निरीक्षण के दौरान स्ट्रक्चर कंसलटेंट द्वारा निगम भवनों की आवश्यक मरम्मत और इमारतों को मजबूत करने के सुझाव भी दिए गए।

www.ideacellular.com सामान्य जानकारी नं. 98910 12345

Idea

हम आपका ख़याल रखते हैं

हमारी हमेशा यही कोशिश होती है कि हम अपने ग्राहकों को सही समय पर बेहतरीन सेवाएं प्रदान करें. पूछताछ, निवेदन या शिकायत के लिए आप हमसे अनेक माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं.

क्र.	सेवा का प्रकार	माध्यम	चार्जेस
1.	कस्टमर केयर (सेवा के लिए निवेदन और शिकायत)	डायल करें 198 या 8744000198	टोल फ्री
2.	सामान्य जानकारी	डायल करें 12345 या 9891012345	टोल फ्री
		डायल करें 12345 या 9891012345 (एजेंट असिस्ट)	नाममात्र का चार्ज लागू
		डायल करें 121 (प्रीपेड)	टोल फ्री
3.	वैल्यू ऐडेड सर्विसेस- ऐक्टिवेशन का निवेदन	SMS करें <Start> 54300 पर	टोल फ्री
4.	वैल्यू ऐडेड सर्विसेस- डीऐक्टिवेशन का निवेदन	डायल करें 155223	टोल फ्री
		SMS करें <STOP> 155223 पर	टोल फ्री

VAS को डीऐक्टिवेट करने की प्रक्रिया
अपने मोबाइल पर ऐक्टिव सब्सक्राइब्ड वैल्यू ऐडेड सर्विसेस की लिस्ट पाने के लिए आप डायल करें 155223 या 155223 पर भेजें "STOP" और डीऐक्टिवेशन के लिए निर्देशों का पालन करें.

वेब-आधारित कम्प्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम
हमारी वेबसाइट www.ideacellular.com पर आप अपने शिकायत की स्थिति जान सकते हैं या शिकायत को ऑनलाइन रजिस्टर कर सकते हैं. आपको सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन (अगर रजिस्टर नहीं किया होगा तो) कराना होगा और फिर अपने अकाउंट में लॉगइन करना होगा.

अपीलेट अथॉरिटी से अपील
यदि आपको अपनी शिकायत का संतुष्टिजनक समाधान नहीं मिलता है, तो आप नीचे बताए अनुसार विभिन्न माध्यमों द्वारा शिकायत के समाधान के 30 दिनों के अंदर हमारी अपीलेट अथॉरिटी से अपील कर सकते हैं.

पोस्ट द्वारा या व्यक्तिगत रूप से	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (पूर्व में आइडिया सेल्युलर लिमिटेड) आदित्य बिरला ग्रुप एंड वोडाफोन पार्टनरशिप श्री. मयंक श्रीवास्तव A-19, मोहन को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, मथुरा रोड, दिल्ली - 110044
फैक्स	+91 11 26940154
ई-मेल	appellate.delhi@vodafoneidea.com
कॉल करें	198 / 011-71032211

नॉन-यूसेज की स्थिति में ग्राहक संबंधी जानकारी
नॉन-यूसेज यानी लगातार 90 दिनों तक प्रीपेड ग्राहक के नंबर पर कोई इनकमिंग/आउटगोइंग वॉइस या वीडियो कॉल, आउटगोइंग SMS, डेटा यूसेज न होना और उसका बैलेंस ₹20 या उससे अधिक होता है, इस स्थिति में आइडिया ऑटोमैटिक नंबर रिटेंशन स्कीम (ANRS) के तहत ₹20 डेबिट कर लेगा और नॉन-यूसेज अवधि को एक और महीने के लिए बढ़ा देगा. ऐसा तब तक चलता रहेगा जब तक कि ग्राहक का बैलेंस ₹20 से कम न हो जाए, इसके बाद उसके नंबर को हमेशा के लिए डिस्कनेक्ट कर दिया जाएगा. ग्राहक 15 दिनों के अंदर ₹20 भरके इस डिस्कनेक्ट हुए नंबर को दुबारा ऐक्टिवेट करा सकता है.

पंजीकृत कार्यालय: वोडाफ़ोन आइडिया लिमिटेड (पूर्व में आइडिया सेल्युलर लिमिटेड), सुमन टावर, प्लॉट नं. 18, सेक्टर - 11, गांधीनगर - 382011, गुजरात.
टेलिफ़ोन: +91 79 6671 4000 | फैक्स: +91 79 2323 2251,
CIN: L32100GJ1996PLC030976
वेबसाइट: www.ideacellular.com

एक आइडिया जो बदल दे आपकी दुनिया

दंगे के आरोपी खालिद ने मलयेशिया में की थी जाकिर नाइक से मुलाकात

■ राजीव रंजन

नई दिल्ली। एसएनबी

दिल्ली दंगों की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस की चार्जशीट में दिल्ली को जलाने के लिए विदेश से फंडिंग का उल्लेख किया गया है। दंगे का आरोपी खालिद मलयेशिया में भगोड़े जाकिर नाइक से मिला था। पुलिस सूत्रों का कहना है पुलिस की स्पेशल सेल ने दंगों के मास्टरमाइंड खालिद सैफी को पिछले महीने गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसका पासपोर्ट बरामद हुआ था। पासपोर्ट की डिटेल्स खंगालने पर पता चला कि खालिद दिल्ली दंगे से पहले विदेश में जाकिर नाइक से मिला था। गिरफ्तार खालिद सैफी से मंडौली जेल में पूछताछ की गई। इस दौरान उसने कई खुलासे किए। खालिद के खिलाफ एसआईटी की ओर से कोर्ट में दायर चार्जशीट में उल्लेख है कि वह मलयेशिया जाकर जाकिर नाइक से मिला था। चार्जशीट के मुताबिक दिल्ली दंगे की पूरी पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी थी। खालिद ने बताया कि उसने योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। इसमें जामिया के कुछ छात्रों ने भी उसका साथ दिया। खालिद का कहना था जब सीएए लागू किया गया और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) लागू करने की बात होने लगी, तो उन्हें लगा कि यही सही मौका है। लोगों को भड़काकर इस मुद्दे को इतना बड़ा बना दिया जाए कि सरकार झुक जाए। चार्जशीट के मुताबिक 11 जनवरी को सीएए, एनआरसी और एनपीआर को लेकर पर्चे वितरित कराए गए। 12 जनवरी को इमाम वसीम की अध्यक्षता में मदरसे में एक मीटिंग हुई। इ समें आसपास में रहने वाली औरतों को इकट्ठा कर उनको धरने के लिए उकसाया गया और मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया गया। 13 जनवरी को पेट्रोल पंप खुरेजी के समीप धरना शुरू हुआ और लोगों को भड़काया गया। खालिद ने एसआईटी को बताया कि 23 फरवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिल्ली आने की बात पता चली तो राजधानी में अलग-अलग जगहों पर रोड जाम करके प्रोटेस्ट का प्लान बनाया गया। प्रोटेस्ट को हटाने पर इसे दंगों में तब्दील करने की योजना बनाई गई, जिससे विदेश में सरकार की छवि खराब हो जाए। इसके लिए पीएफआई की ओर से धन मुहैया कराया जा रहा था। आशंका है कि जाकिर नाइक ने भी धन मुहैया कराया है। इसी योजना के मुताबिक खुरेजी में जाम किया गया और रोकने पर पर पुलिस पर पथराव किया गया। दिल्ली पुलिस का कहना है दंगे सुनियोजित तरीके से कराए गए।

एसआईटी की चार्जशीट में मामले का खुलासा

दंगे के लिए विदेश से फंडिंग की बात आई सामने

SHREE HOMES
PREMIUM LOCATION - AFFORDABLE LIVING
SECTOR 45, FARIDABAD

sarvome
delivering value

License No. 105 Dt. 10/09/2019 | HRERA No. 171 Dt. 18/10/2019

ONLINE DRAW OF FLATS

General Public is hereby informed that online draw of flats under Haryana Affordable Housing Policy 2013 of **Shree Homes, Sector-45, Faridabad**, Haryana being developed by **M/s Jotindra Steel & Tubes Ltd.** shall be conducted on **10/07/2020** at **12:00 PM** onwards at **Sarvome House, Sector-45, Faridabad**, Haryana with the help of live streaming/live telecast of draw proceeding on youtube live.

Due to ongoing situation of Covid-19 pandemic, restriction were imposed by Ministry of Home Affairs, over public gathering in order to prevent spreading of corona virus disease.

As per MHA/DTCP Haryana Guidelines online draw shall be conducted with maximum strength of 50 persons including draw committee and staff at site, remaining applicant shall participate in draw online after login into below provided link on Youtube live.

Youtube Link: https://www.youtube.com/c/SarvomeDevelopers

Jotindra Steel & Tubes Ltd. | CIN: L27104HR1970PLC005240
Office: 14/3 Mathura Road, Sec-45, Faridabad, HR-121010
Email: info@sarvome.com | Web: www.sarvome.com
Phone: 0129-2477-888, 97161-97161

अवैध संबंधों के चलते की थी मामा की हत्या

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

साहिबाबाद।

थाना साहिबाबाद पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात दोहरे हत्याकांड (पिता पुत्री) का खुलासा कर हत्यारोपी (भांजा) को गिरफ्तार कर उससे आला-ए-कत्ल (छुरी) बरामद कर लिया है। जांच में पता चला भांजे के अपनी मामी से अवैध संबंध थे। मामा दोनों के बीच रास्ते का कांटा बना था, इसलिए आरोपी ने पहले अपने मामा की हत्या की। इसके बाद मामा की बेटी जो रिश्ते में उसकी बहन लगती थी, उसे भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने हत्यारोपी को जेल भेज दिया है।

एएसपी साहिबाबाद केशव कुमार ने बताया कि शहीद नगर में बृहस्पतिवार की रात अब्दुल्ला (40) पुत्र अब्दुल हाजी और उसकी बेटी (9) की शहीद नगर में उनके घर पर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में थाना साहिबाबाद में हत्या की रिपोर्ट जलालपुर गांव बुलंदशहर निवासी मृतक के पिता अब्दुल हाजी ने लिखवाई थी। रिपोर्ट में उन्होंने अपनी बेटी के पुत्र सफीर पुत्र समीर निवासी शहीद नगर साहिबाबाद पर हत्या की आशंका जताई थी। दोहरे हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस ने चार टीमें लगाई। जिसमें कवि नगर, साहिबाबाद, टीला मोड़, लिंक रोड थाने की टीमें थी। इस बीच सर्विलांस का भी सहारा लिया गया। जांच में पता चला सफीर और मृतक की पत्नी जो रिश्ते में

हत्यारोपी भांजा गिरफ्तार, भेजा जेल

हत्या में प्रयुक्त आला-ए-कत्ल छुरी बरामद

उसकी मामी लगती है, उससे सफीर घंटों मोबाइल पर बात करता था। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसका अब्दुल्ला विरोध करता था। आखिर परेशान होकर एक दिन उसने सफीर का नंबर ब्लाक कर दिया और अपनी पत्नी को सफीर से कोई संबंध न रखने की सख्त हिदायत दी। मगर दोनों पर इसका इंचमात्र भी फर्क न पड़ा। लॉकडाउन के चलते अब्दुल्ला ने शहीद नगर छोड़ दिया और मयपली व बेटी बुलंदशहर अपने गांव जलालाबाद में रहने लगा। मगर यहां भी सफीर ने पीछा न छोड़ा और दोनों के बीच अवैध संबंध बरकरार रहे। आखिर घटना वाली रात सफीर अब्दुल्ला के घर पहुंचा और उसकी धारदार छुरी से गला काटकर हत्या कर दी। मगर अचानक अब्दुल्ला की बेटी (9) जाग गई। इस घटना का कोई गवाह न रहे सफीर ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और आराम से फरार हो गया। आखिर पुलिसिया भागदौड़ काम आई और सफीर पकड़ा गया। उसने अपना अपराध स्वीकार कर हत्या में प्रयुक्त छुरी बरामद करवा दी। उसने बताया, चूंकि मामा उसके रास्ते का कांट बन रहा था, इसलिए उसकी हत्या कर करने के बाद उसकी बेटी (9) की भी हत्या कर दी। उसने यह भी कबूला कि मामी से उसके अवैध संबंध लंबे अरसे से थे और दोनों फोन पर घंटों बातें किया करते थे। फिलहाल थाना साहिबाबाद पुलिस ने सफीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मरम्मत के चलते तीन दिन बंद रहेंगे दो रेलवे फाटक

गढ़मुक्तेश्वर (एसएनबी)। सिंभावली क्षेत्र में रेलवे के फाटक संख्या 57 सी व 58 सी पर मरम्मत के चलते तीन-तीन दिन के लिए बंद रहेंगे। जिसकी सूचना उत्तर रेलवे के सीनियर सैक्शन इंजीनियर रेलवे पथ हापुड़ ने स्थानीय प्रशासन को दी है।

उत्तर रेलवे के सीनियर सैक्शन इंजीनियर रेलवे पथ हापुड़ ने गढ़ एसडीएम व स्टेशन मास्टर आदि को भेजे पत्र में जानकारी दी है कि सिंभावली क्षेत्र में रेलवे के फाटक संख्या 57 सी पांच से सात जुलाई तक मरम्मत के लिए बंद रहेगा, जबकि रेलवे के फाटक संख्या 58सी सात से दस तारीख तक बंद रहेगा। इन फाटकों से निकलने वाले गांव नवादा, फरीदपुर, टोडरपुर, हिम्मतपुर आदि के ग्रामीणों व आम लोगों को इससे होने वाली परेशानी से बचने के उपाय बताये गए हैं।

गौतमबुद्ध नगर में मिले 83 नए केस, पांच मरीजों की मौत

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। गौतमबुद्धनगर में शनिवार को कोरोना वायरस के 83 नए केस मिले हैं,वहीं 5 मरीजों की मौत हो गई। विगत 24 घंटे में सबसे अधिक मौत हुई है। जिले में कोरोना से अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को 105 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि गौतमबुद्धनगर में विगत 24 घंटे में 83 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। मरीजों की संख्या 2646 हो गई है। इसमें 1646 मरीज ठीक हो चुके हैं,जबकि 972 का इलाज चल रहा है।

बाल सुधार गृह में 13 बच्चे मिले कोरोना पॉजिटिव : वहीं नोएडा फेस-टू स्थित बाल सुधार गृह में 13 बच्चे कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इन सभी की एंटीजन जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल सोनी ने बताया कि शुक्रवार को बाल सुधार गृह में 162 बच्चों के अलावा 15 स्टॉफ की जांच कराई गई। इसमें 13 बच्चों में एंटीजन जांच में पॉजिटिव रिपोर्ट आई है। उन्होंने बताया कि विगत कुछ दिन पहले दो बच्चे बाहर से आए थे, जिनके संपर्क में आने से ही यहां संक्रमण फैला है।

हापुड़ में मिले आठ कोरोना पाजिटिव : जनपद में शनिवार को आठ कोरोना मरीज आने से कुल संख्या 684 पहुंच गई है। इन्हें आइसोलेशन वार्डों में भर्ती करा दिया गया है। शुक्रवार को आई रिपोर्ट में आठ मरीजों में मेन रेलवे रोड व शिवपुरी में एक-एक मरीज, पिलुखवा में दो, ग्रीन वैली कालोनी व सोटावली में एक-एक मरीज मिले। जिले में अब कुल पॉजीटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 684 पहुंच गई है, इनमें 562 रिकवर हो चुके हैं, जबकि 138 एक्टिव हैं। इनमें 14 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएमओ डा.रेखा शर्मा ने बताया कि संक्रमित मरीजों को आइसोलेशन वार्डों में भर्ती करा दिया गया है। इनके संपर्क में आए लोगों की सैंपलिंग की जा रही है।

एक माह में दो बार मिलेगा राशन

धौलाना (एसएनबी)। आपूर्ति विभाग ने जुलाई माह का खाद्यान्न कल यानि रविवार से बांटे जाने की व्यवस्था की है। इसके अलावा पीएम की घोषणा पर जो निशुल्क राशन वितरण होगा वह 21 जुलाई से होगा।

पूर्ति अधिकारी धौलाना कमलेश झा ने बताया कि धौलाना तहसील क्षेत्र 49 हजार राशनकार्ड धारकों का खाद्यान्न दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पांच जुलाई से पूर्व की तरह अंत्योदय व पात्र गृहस्थी को शुल्क लगाकर जहां खाद्यान्न लेना पड़ेगा, वहीं 21 जुलाई से दूसरे चक्र में उन्हें निश्शुल्क खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा। यानी एक माह में दो बार कार्डधारकों को राशन दिया जाएगा। इसके लिए विभाग की तरफ से सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वितरण के दौरान हर कोटे की दुकान पर शारीरिक दूरी का हर हाल में पालन कराया जाएगा। इसके अलावा हर कोटे की दुकान पर साबुन व सैनिटाइजर से हाथ धुलवाने के बाद ही खाद्यान्न दिया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कोविड-19 के तहत पिछले तीन माह से कार्डधारकों के अलावा श्रमिकों, दैनिक मजदूरों आदि को निशुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा था। अब प्रधानमंत्री ने कार्डधारकों को पांच माह तक खाद्यान्न मुफ्त देने का ऐलान किया है। इसके तहत रूटीन वितरण के अलावा कार्डधारकों को दूसरे चरण में निःशुल्क खाद्यान्न दिया जाना है।

प्रथम चरण का खाद्यान्न पांच से 14 जुलाई तक वितरित होगा। ऐसे में सभी कोटेदार अपने-अपने गोदामों से खाद्यान्न का उठान कर चुके हैं। पांच तारीख से इसका वितरण शुरू हो जाएगा। द्वितीय चक्र प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना अंतर्गत 21 से 30 जुलाई तक खाद्यान्न का वितरण किया जाना है। पूर्ति अधिकारी कमलेश झा ने बताया कि जनपद के सभी कोटेदारों को शारीरिक दूरी का पालन करते हुए निर्धारित समय से वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर हाल में कोटेदार साबुन व सैनेटाइजर की व्यवस्था करेंगे।

पत्नी ने भी फंदा लगाकर दी जान

गाजियाबाद (एसएनबी)। थाना कविनगर क्षेत्र के आरकेपुरम में पति की आत्महत्या करने के दो दिन बाद पत्नी ने भी फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक विशाल प्रजापति गोविंदपुरम के आरके पुरम में सपरिवार रहता था। उसकी शादी 19 जून 2020 को कैलाशपुरम निवासी निशा के साथ हुई थी। दो जुलाई को विशाल ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इससे निशा डिप्रेशन में चली गई। मगर निशा ने भी शुक्रवार की रात घर पर फंदा लगाकर जान दे दी। निशा की आत्महत्या की खबर परिजनों को सुबह चली।

थाना प्रभारी कविनगर ने बताया कि मृतका के पास से किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पति की मौत के बाद से वह डिप्रेशन में चल रही थी हो सकता है इस वजह से उसने आत्महत्या कर ली होगी।

दादरी के लोगों को जल्द मिलेगी अंतर राज्यीय रोडवेज बस डिपो की सौगात

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। दादरी क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर है। दादरी नगर बाइपास के निकट जल्द ही अंतरराज्यीय रोडवेज बस डिपो का निर्माण शुरू हो सकता है। इसके लिए दादरी नगर पालिका परिषद 33 बीघा जमीन देगी। बस डिपो का निर्माण दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर की मांग पर किया जा रहा है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को विधायक के साथ भूमि का सर्वे किया।

विधायक तेजपाल सिंह नागर ने बताया कि दादरी विधान सभा क्षेत्र में प्रदेश के तमाम जनपदों के ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न प्रदेशों के लोग निवास करते हैं। ऐसे में दादरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को लंबी दूरी की बसें पकड़ने के लिए गाजियाबाद, नोएडा व ग्रेटर नोएडा जाना पड़ता है। एनएच-91 दादरी से होकर गुजरता है, लेकिन बस स्टैंड नहीं होने के कारण अधिकांश लंबी दूरी की बसें यहां नहीं रुकती थीं। लोगों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए परिवहन मंत्री अशोक कटारिया से दादरी में अंतरराज्यीय बस डिपो बनाए जाने की मांग की गई थी।

मंत्री द्वारा सहमति जताए जाने के बाद परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर बस डिपो बनाए जाने के लिए भूमि का सर्वे कर लिया गया है। दादरी से जारचा रोड प बाईपास के नजदीक भूमि परिवहन विभाग के अधिकारियों को पसंद आ गई है। अब आगे की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। विधायक ने बताया कि बस डिपो के निर्माण के लिए दादरी नगर पालिका परिषद की चेयरमैन गीता पंडित ने भूमि देने का भरोसा दिलाया है। इस दौरान दादरी नगर पालिका परिषद की चेयरमैन गीता पंडित, एआरएम ममता सिंह, सिकंद्राबाद बस डिपो के अधिकारी, समाजसेवी एचके शर्मा एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

25 मरीज डिस्चार्ज

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। शनिवार को शारदा अस्पताल से 25 मरीजों को डिस्चार्ज कर उन्हें डिस्चार्ज पत्र सौंपा गया। यह जानकारी सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने दी। उधर इस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. आशुतोष निरंजन ने बताया कि अस्पताल से अब तक 400 से अधिक मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है, जबकि 135 मरीजों का इलाज चल रहा है। बीस मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। आज डिस्चार्ज होने वाले मरीजों में शारदा विश्वविद्यालय के एक पदाधिकारी भी शामिल हैं।

हत्यारोपी पति गिरफ्तार, भेजा जेल

मुरादनगर (एसएनबी)। ग्राम खुर्रमपुर में 4 दिन पूर्व हुई एक महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके पति मनोज त्यागी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त रस्सी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मनोज ने पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी ज्योति ग्राम सुराना के रहने वाले एक युवक से फोन पर बात करती थी। उसको इस बारे में कई बार समझाया परंतु वह नहीं मानी। जिसके कारण उसने अपने भांजे के साथ मिलकर 30 जून को रस्सी से गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी और शव को पंखे से लटका दिया।

नहीं लगेगा कांवड़ मेला

गढ़मुक्तेश्वर (एसएनबी)। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए शनिवार को तीर्थ नगरी ब्रजघाट में एएसपी सर्वेश कुमार मिश्रा, गढ़ एसडीएम विजयवर्धन तोमर, कोतवाली प्रभारी मुकेश कुमार, चौकी प्रभारी सत्यपाल सिंह आदि ने इस वर्ष श्रवण मास कावड़ मेले का आयोजन न करने को लेकर पुरोहित समाज, नाविकों, होटल स्वामियों, दुकानदारों व स्थानीय लोगों के साथ एक बैठक की। बैठक में बताया गया कि कोरोना के चलते इस वर्ष श्रावण मास में आयोजित होने वाला मेला नहीं हो पाएगा और घाट पर पूजा पाठ, मुण्डन संस्कार आदि कार्यक्रम भी नहीं होंगे। बैठक में विनय मिश्रा, कपिल नागर,ओम प्रकाश, पीके शर्मा आदि मौजूद रहे।

कुख्यात सुंदर भाटी व उसके सहयोगी की सात करोड़ की संपत्ति जब्त

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के बाद पुलिस ने कुख्यात बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कुख्यात सुंदर भाटी व उसके सहयोगी सतवीर बंसल की सात करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली है।

पुलिस बल ने शनिवार को सुंदर भाटी के गांव में पहुंचकर तालाब की जमीन पर किए जा रहे अवैध निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त करा दिया। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई,लेकिन भारी संख्या में पुलिस बल देख कोई विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस का कहना है कि आगे भी कार्रवाई जारी रहेगा। घंघौला गांव का रहने वाला कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी वर्तमान में हमीरपुर जेल में बंद है। दिल्ली एनसीआर में उसका नेटवर्क आज भी सक्रिय है। गिरोह का काम सुपारी लेकर हत्या व रंगदारी वसूलना है। अब पुलिस के रडार पर रणदीप व अनिल दुजाना गिरोह है। डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बदमाशों की संपत्ति जब्त की जा रही है। कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दबंग ने किया स्कूल प्रबंधक पर जानलेवा हमला

लोनी (एसएनबी)। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की परमहंस विहार कॉलोनी में एक दबंग परिवार के सदस्य ने स्कूल प्रबंधक पर गोली चलाकर दहशत फैला दी। इसमें स्कूल प्रबंधक बाल-बाल बच गए। गोली चलाने के बाद तीनों वहां से फरार हो गए। इस मामले में तीनों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज करायी गई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर परिवार के मुखिया को हमले में प्रयुक्त अवैध पिस्टल सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि मां-बेटा फरार बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, परमहंस विहार कॉलोनी में मास्टर शोभाराम पंवार सपरिवार रहते हैं जो बाबा मोहन राम पब्लिक स्कूल के प्रबंधक हैं। उनके अनुसार शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे सत्ते बंसल अपने पुत्र प्रिंस बंसल के साथ अवैध पिस्टल हाथ में लिये हुए स्कूल में आये और उनके साथ गाली-गलौच करने लगे।

अवैध तमंचे के साथ धरा गया

बेटा व पत्नी फरार

इसी बीच सत्ते की पत्नी अनिता भी अवैध तमंचे के साथ वहां पहुंची और वह भी उनके साथ गाली-गलौच करने लगी। आरोप है इन्होंने स्कूल प्रबंधक पर गोली चला दी। हालांकि वह बाल-बाल बच गये। गोली चलाने के बाद तीनों हमलावर फरार हो गये। जांच में कॉलोनी के कुछ लोगों का कहना है कि सत्ते पहले से ही आपराधिक प्रवृत्ति का है। वह आये दिन कॉलोनी में हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाता रहता है और हथियारों के बल पर प्लॉटों पर भी कब्जा करता रहता है।

थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर बोध ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन हमलावरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। एक आरोपी सत्ते को दबिश देकर अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य दोनों हमलावरों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

हाइटेंशन लाइन में करंट आने से फुंके घरेलू उपकरण महिला समेत चार झुलसे

रबूपुरा (एसएनबी)। एरिया के भाईपुर गांव में शनिवार को बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हाईटेंशन लाइन का करंट घरों में दौड़ गया। इससे ग्रामीणों के घरों की वायरिंग में आग लग गई और लाखों के घरेलू उपकरण फुंक गए, वहीं करंट की चपेट में आकर एक महिला सहित चार लोग झुलस गए। घायलों को एरिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

एरिया के भाईपुर गांव के ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में लगाई गई हाईटेंशन लाइन काफी समय से जर्जर है। शनिवार सुबह ग्रामीणों के घरों में अचानक हाईवोल्टेज का करंट दौड़ने लगा। इससे घरों की वायरिंग में आग लग गई और घरों में लगे सबर्मिसल पंप, टीवी, वॉशिंग मशीन, फिज व इनवर्टर आदि उपकरण फुंक गए। वहीं करंट की चपेट में आकर मोहन, तन्नू, बबली व चंद्रवती झुलस गई। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के बाद घायलों को छुट्टी दे दी गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ऐसे हादसे आए दिन होते रहते हैं। कई बार विभाग के उच्चाधिकारियों से शिकायत की है। बावजूद इसके उनकी शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया है। अधिकारियों की मनमानी के कारण ही एरिया में आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं।

सरकार के खिलाफ 'आप' का प्रदर्शन

गाजियाबाद (एसएनबी)। एक ही दिन में यूपी के कानपुर, प्रयागराज सहित अन्य शहरों में 20 हत्याओं को लेकर आप पार्टी ने प्रदर्शन कर यूपी सरकार से इस्तीफे की मांग की है। पार्टी के प्रदेश सचिव नवाब सोनी ने कहा कि प्रदेश में कानपुर जैसी घटना 35 वर्षों के बाद हुई है। इसमें पूर्व दिवंगत दस्यु डकैत रही सांसद फूलन देवी के बाद यह पहली घटना पुलिस के साथ घटी है। उन्होंने प्रदेश के हालात को लेकर यूपी सरकार से इस्तीफे की मांग की है। इस मौके पर चेतन त्यागी, भूपेन्द्र, नत्थू प्रधान, आमिर, हरेन्द्र शर्मा सहित कई उपस्थित थे।

शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। कानपुर में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए आठ पुलिसकर्मियों को शनिवार को सूरजपुर स्थित पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखा। गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने बताया कि जनपद के पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा शहीद हुए पुलिसकर्मियों के परिवार को एक दिन का वेतन स्वेच्छा से देने का निर्णय लिया गया है, जिससे कि पुलिसकर्मियों के परिवारों को आर्थिक मदद मिल सके। इस मौके पर ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर अखिलेश मीणा, डीसीपी हेडक्वार्टर नितिन तिवारी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

मोदीनगर। कानपुर में बदमाशों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए पुलिस जवानों की याद में यहां देवेंद्र पुरी में एक कार्यक्रम में सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। ज्ञात हो इस मुठभेड़ में देवेंद्र पुरी कॉलोनी का रहने वाला कांस्टेबल राहुल कुमार भी शहीद हुआ है। पालिका सभासद आशीष त्यागी के नेतृत्व में देवेंद्रपुरी यूथ क्लब से जुड़े युवा व अन्य लोगों ने शहीद हुए सभी पुलिसकर्मियों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। वहीं सभासद ने कहा कि शहीद कांस्टेबल राहुल की याद में देवेंद्रपुरी के छोटे पार्क का नाम बदलकर राहुल दिवाकर स्मारक पार्क रखवाया जाएगा।

कोरोना की चपेट में आए सीएमओ आइसोलेशन वार्ड में भर्ती

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। एसडीएम जेवर के बाद जिले के सीएमओ डॉ.दीपक ओहरी खुद कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। उन्हें उपचार के लिए आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। सीएमओ की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। सीएमओ का कार्यभार एसीएमओ डॉ.नेपाल सिंह को सौंपा गया है।

जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ.सुनील दोहरे ने बताया कि गौतमबुद्धनगर के सीएमओ डॉ. दीपक ओहरी को आईएलआईके लक्षण थे, जिसके उपरांत उनका कोविड-19 टेस्ट किया गया था। सीएमओ की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कोरोना की पुष्टि होने के बाद उन्हें आईसोलेशन वार्ड में उपचार के लिए भर्ती करा दिया गया है,उनका स्वास्थ्य फिलहाल स्थिर है। जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि सीएमओ की अनुपस्थिति में एडिशनल सीएमओ डॉ.नेपाल सिंह उनके स्थान पर कार्य करेंगे। सीएमओ कार्यालय का सेनिटाइजेशन कराया जा रहा है। कार्यालय को 24 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है।

कार लूटकर बदमाश फरार

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में जैतपुर गोल चक्कर के पास शुक्रवार रात बदमाशों ने एक युवक से उसकी स्विफ्ट डिजायर कार लूट ली। युवक ने टॉयलेट करने के लिए कार रोकी थी। पीड़ित युवक ने कार एक निजी कंपनी में लगा रखी है। पीड़ित ने घटना की शिकायत कोतवाली में की है। मगर पुलिस लूट की घटना से इंकार कर रही है। पुलिस का कहना है कि युवक शराब के नशे में गाड़ी कहीं खड़ी करने के बाद भूल गया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के तिलपता गांव के रहने वाले अमरीश भाटी ने एक कंपनी के स्टॉफ को लाने ले जाने के लिए अपनी कार लगा रखी है। शुक्रवार देर शाम शहर के सेक्टर पी-3 में स्टॉफ को छोड़कर लौट रहा था। रास्ते में जैतपुर गांव के पास टॉयलेट करने के लिए कार रोकी। आरोप है कि तभी वहां कुछ बदमाश आ गए और कार लूटकर फरार हो गए। पीड़ित अमरीश भाटी बाइक सवार एक व्यक्ति से लिफ्ट लेकर घर पहुंचा और लूट की तहरीर देकर चौकी में दी है। आरोप है कि पुलिस ने अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। इस मामले में सूरजपुर कोतवाली प्रभारी प्रदीप त्रिपाठी का कहना है कि पीड़ित नशे में अपनी कार कहीं खड़ी कर भूल गया है। यह घटना लूट की नहीं है। मामले की जांच की जा रही है।

18 अपराधियों पर की गैंगस्टर की कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (एसएनबी)। गढ़ पुलिस ने संगठित गिरोह बनाकर अवैध धन अर्जित करने वाले 18 अपराधियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है।

गढ़ कोतवाली प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र में विभिन्न अपराधों में शामिल रहने और गिरोह बंद होकर अवैध धन अर्जित करने वाले 18 अपराधियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है।

हरी सब्जियों के दाम चरम पर

पिलखुवा (एसएनबी)। कोरोना संक्रमण, लॉकडाउन और यातायात बंद होने से जब सब्जियों के भाव औंधे मुंह गिर रहे थे, तब किसानों को लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था, मगर आज आलम यह कि वही सब्जियां आज इतनी महंगी होती जा रही हैं कि वह गरीब की थाली से गायब होती जा रही है। अनवरपुर के किसान लाकेश सैनी व नरेश सैनी ने बताया कि कि सब्जी का उत्पादन बढ़ने के साथ ही सब्जियों के दामों में जोरदार उछाल आया है। गली मौहल्लों में सब्जी बेचने वाले का कहना है टमाटर जो अप्रैल में आठ-दस रुपए था, आज वही टमाटर 50-60 रुपए हो रहा है। टिंडा साठ रुपए, तौरी तीस, अरबी 40-50 किलो , गोभी अस्सी रुपए, घिया बीस रुपए व आलू 30-35 में बिक रहा है। उधर किसानों का कहना है। अगले दो महीने तक सब्जियों के भावों में कमी आने की कोई सम्भावना नजर नहीं आ रही है। अगर क्षेत्र में ठीक से बारिश हो गई तो सब्जियों के भावो मे और भी उछाल आ सकता है।

नाले पर स्लैब डालकर सफाई बाधित करने वाली 24 फर्मों को नोटिस

गाजियाबाद (एसएनबी)। कवर किए नाले का स्लैब तोड़कर पांच दिन में नाले की सफाई सुनिश्चित कराएं संबंधित फर्में, अन्यथा नगर निगम यह कार्रवाई करेगा और इसके लिए हर्जा-खर्चा भी वसूल करेगा। यह आदेश नगर निगम के मुख्य अभियन्ता (निर्माण) ने देते हुए संबंधित 24 फर्मों को नोटिस जारी किए हैं। नगर निगम ने यह कार्रवाई एनजीटी के आदेश के अनुपालन के लिए की है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष विचाराधीन एक वाद में अधिकरण ने साहिबाबाद ड्रेन संख्या-1 में नालों को कवर कर औद्योगिक ईकाइयों द्वारा औद्योगिक अपशिष्ट साहिबाबाद ड्रेन में डाले जाने तथा लिंक रोड पर कवर किये गये नालों से अमोनिया, हाईड्रोजन सल्फाइड, सोलिड वेस्ट, कार्बनिक वेस्ट तथा सीवरेज को बहाये जाने को क्षेत्र के लोगों के लिए हानिकारक मानते हुए साहिबाबाद ड्रेन संख्या-1 को नैचुरल ड्रेन में विकसित कर औद्योगिक क्षेत्र में एसटीपी लगाने के आदेश दिए थे। आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम के मुख्य अभियन्ता (निर्माण) ने सम्बन्धित 24 फर्मों को नोटिस जारी कर निर्देशित किया कि यदि 5 दिन के अन्दर कवर किये गये नाले के स्लैब को तोड़ कर नाले की समुचित सफाई सुनिश्चित नहीं की जाती है तो निर्धारित अवधि के उपरान्त नगर निगम नालों के स्लैब तोड़ कर नाले की सफाई करायगा। इसका हर्जा-खर्चा भी सम्बन्धित फर्म से वसूल करते हुए अनुबन्ध के निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी।

मुठभेड़ में धरा गया 25 हजार का इनामी

दादरी (एसएनबी)। कोतवाली क्षेत्र के ईस्टर्न पैरीफेरल एक्सप्रेस वे सर्विस रोड पर गांव आनंदपुर मोड़ के पास शुक्रवार रात 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश इरशाद और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। जिसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से तमंचा, कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की है। अभियुक्त पर लूट व डकैती के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। इरशाद मूलरूप से जनपद एटा का रहने वाला है। वर्तमान में कस्बा सूरजपुर में रहता है। यह जानकारी डीसीपी ग्रेटर नोएडा राजेश कुमार सिंह ने दी।

पेट्रोल-डीजल मूल्यवृद्धि को लेकर कांग्रेसियों का प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। पेट्रोल व डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का धरना प्रदर्शन जारी है। शनिवार को युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बिसरख ब्लॉक मुख्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव दीपक भाटी चोटीवाला ने किया। जबकि युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर विरोध करना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है। आम जनता की आवाज उठा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर सरकार झूठे मुकदमें लिखकर जेल भेजने का काम कर रही है। कांग्रेस के नोएडा महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान का नाम लेकर सरकार हमें भ्रमा नहीं सकती है। इस मौके पर पूर्व महानगर अध्यक्ष कृपाराम शर्मा, ललित उपाध्यक्ष ललित अवाना, शाहिद खान, अशोक शर्मा, रिजवान खान, रवि भाटी, अनुराग भाटी, रूपेश भाटी आदि मौजूद थे।

मुरादनगर। केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर की जा रही पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उ.प्र. प्रियंका गांधी व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू विधायक के निर्देशानुसार कांग्रेसियों ने ब्लॉक परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र यादव, नगर अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, चौ. विरेन्द्र सिंह व अभय त्यागी राजू, विनित त्यागी, जिला महासचिव जनार्दन नीमी द्वारा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन खंड अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि लॉकडाउन में पिछले तीन माह के दौरान पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क और कीमतों में बार-बार की गई बढ़ोतरी ने भारत के नागरिकों को असीम पीड़ा व परेशानियां दी है। जहां एक तरफ देश स्वास्थ्य व आर्थिक महामारी से लड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार पेट्रोल व डीजल की कीमतों व उत्पाद शुल्क को बार-बार बढ़ाकर मुनाफाखोरी कर रही है।

युवक गिरफ्तार, भेजा जेल

नोएडा (एसएनबी)। छात्रा का फेसबुक प्रोफाइल हैक कर उसकी निजी फोटो अपलोड कर परेशान करने के मामले में कोतवाली सेक्टर 20 पुलिस ने शनिवार को युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, एक युवती निजी कालेज से एमबीए की पढ़ाई कर रही है। आरोप है कि करीब एक माह पहले एक युवक ने उसकी फेसबुक आईडी हैक कर उसकी निजी फोटो अपलोड की और आपत्तिजनक कमेंट करने लगा। इसकी जानकारी आरोपी की मां को हुई। उसने आपत्ति जताई। पीड़िता ने मामले की शिकायत करीब 25 दिन पहले कोतवाली में की। पुलिस ने आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की, तो पता चला कि आरोपी एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। पुलिस ने शनिवार को सेक्टर 27 से आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

नरोत्तम कुमार गर्ग कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

मेरठ। वरिष्ठ अधिवक्ता नरोत्तम कुमार गर्ग को अधिवक्ता परिषद उत्तर प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नरोत्तम कुमार गर्ग यहां कचहरी में सिविल की वकालत करते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से इनका तथा इनके परिवार का पुराना नाता है। नरोत्तम कुमार गर्ग को बधाई देने वालों में क्षेत्रीय मंत्री चरण सिंह त्यागी, प्रदेश कार्यकारी महामंत्री अश्वनी त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, सूर्यप्रकाश सिंह, अजय कुमार पांडेय, गौरीशकर पांडेय, घनयाम किशोर वाजपई, नीरज कुमार सिंह, अभयनन्दन त्रिपाठी, सर्वेश कुमार, राखी शर्मा, गौरव कुमार, ब्रजेन्द्र सिंह, महेंद्र नाथ शुक्ल व अन्य अधिवक्ता शामिल रहे।

सीएम का कार्यक्रम रद्द

मवाना। महाभारत काल में हस्तिनापुर को मिला पांडव पत्नी द्रोपदी का श्राप फिर देखने को मिला, महज 24 घंटे पहले निरस्त हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पौधरोपण कार्यक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि आज भी द्रोपदी के श्राप से हस्तिनापुर नगरी शापित है। अब कार्यक्रम में वन मंत्री दारा सिंह चौहान एवं प्रभारी मंत्री श्रीकांत शर्मा शामिल होंगे। वन महोत्सव के तहत 5 जुलाई को मुख्यमंत्री के हाथों हस्तिनापुर स्थित राजकीय पशुधन एवं कृषि क्षेत्र की भूमि पर पौधरोपण किया जाना था।

सपा सांसद, चार विधायकों समेत कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

मुरादाबाद (वार्ता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाने के लिए नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में सपा के एक सांसद, चार विधायक समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पुलिस अधीक्षक अमित आनंद ने शनिवार को बताया कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव का 47वां जन्मदिन मनाने के लिए चक्कर के मिलक स्थित सपा कार्यालय पर एक जुलाई को सपा सांसद, विधायक और कार्यकर्ता इकट्ठा हुए थे। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन हुआ था। पुलिस की ओर से मुरादाबाद के सपा सांसद एसटी हसन के अलावा, सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह, विधायक हाजी इकराम कुरैशी, विधायक हाजी रिजवान, पूर्व विधायक हाजी यूसुफ अंसारी, नवाब जान, फईम इरफान, बाबर खां, वसीम कुरैशी, राजेंद्र सिंह, सुशील ठाकुर, हाजी मन्नु कुरैशी, महेंद्र सिंह, जिग्री मलिक, जुबैर अहमद, मोहसिन खान, लालू परवेज, वजूद खान, डीपी यादव और 20 से 25 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पब्जी गेम खेलते छात्र ने खुद को गोली मारी, मौत

बुलंदशहर (एसएनबी)। पब्जी गेम खेलते समय छात्र इतना तनाव में आ गया कि उसने स्वयं को गोली मार ली। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम जटापुर निवासी अशोक कुमार का 18 वर्षीय पुत्र निशांत उर्फ जानी नगर के एक इंटर कालेज में कक्षा 11 का छात्र था। परिजन शनिवार सुबह खेत पर गए थे। निशांत घर में अकेला पब्जी गेम खेल रहा था। बताया जाता है कि निशांत गेम खेलते समय इतना तनाव में आ गया कि उसने स्वयं को गोली मार ली।

मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसके परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर अधीनस्थों के साथ पहुंचे कोतवाल सुधीर कुमार त्यागी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली। कोतवाल ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है। एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि युवक का मोबाइल कब्जे में लिया गया है जिसमें पब्जी गेम डाउनलोड पाया गया है।

जबरदस्त मर्दाना ताकत के लिये
हजारों मरीजो पर आजमाया हुआ
एस.एस.
तेल व पाउडर
सैक्स टाइम बढ़ायें
मर्द एक्स्ट्रा टाइम वटी
9219632232
9050205100

मथुरा : शहीद कांस्टेबल के पार्थिव शरीर को कंधा देते विधायक कारिंदा सिंह, पूरन प्रकाश, आईजी ए. सतीश गणेश, डीएम सर्वज्ञराम मिश्र, एसएसपी गौरव ग्रोवर आदि। फोटो : एसएनबी

शहीद जितेन्द्र का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

कानपुर में अपराधियों से हुई मुठभेड़ में हुए थे शहीद

छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

मथुरा (एसएनबी)। कानपुर में बृहस्पतिवार को अपराधियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए जनपद के कांस्टेबल जितेन्द्र सिंह का पार्थिव शरीर शुक्रवार रात मथुरा पहुंचा। यहां पैतृक गांव बरारी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। यहां पुलिस प्रशासन के तमाम अधिकारी और राजनेताओं के अलावा सैंकड़ों की तादात में ग्रामीणों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कानपुर मुठभेड़ कांड में सीओ सतिह 10 पुलिसकर्मी शहीद हुए हैं। इसमें जनपद के थाना रिफाइनरी के ग्राम बरारी निवासी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह भी बदमाशों की गोली से शहीद हो गए। शहीद जितेंद्र का पार्थिव शरीर शुक्रवार देर रात ग्राम बरारी पहुंचा। यहां सैकड़ों की संख्या में एकत्रित लोग जितेंद्र के पार्थिव शरीर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। शहीद कांस्टेबल के पार्थिव शरीर को पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पचक्र से श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं उन्होंने शहीद की अर्थी को कंधा देकर अंतिम सलामी दी। इस दौरान जितेंद्र के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। जितेंद्र का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह गांव के श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया गया। अपने जांबाज सिपाही की शहादत को सलाम करने आगरा रेंज के आईजी ए. सतीश गणेश भी बरारी पहुंचे। उन्होंने शहीद को श्रद्धांजलि व पुष्पचक्र अर्पित कर पार्थिव शरीर को कंधा दिया।

इस दौरान जिलाधिकारी सर्वज्ञराम मिश्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने भी शहीद को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और पार्थिव शरीर को कंधा दिया। इस दौरान गोवर्धन के विधायक ठा. कारिंदा सिंह, बलदेव के विधायक पूरन प्रकाश व अन्य राजनैतिक पार्टियों के राजनेता भी उपस्थित रहे। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित कर सिपाही को अंतिम सलामी दी। इस दौरान गांव व क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने गगनभेदी नारों के साथ नम आंखों से जितेन्द्र को विदाई दी। इस दौरान जितेंद्र के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि उसके छोटे भाई ज्योति कुमार द्वारा दी गई।

राज्यमंत्री धर्मसिंह सैनी कोरोना पॉजिटिव

सहारनपुर (एसएनबी)। प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. धर्मसिंह सैनी की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने से जिला प्रशासन में हड़कम्प मच गया। आनन-फानन में उन्हें राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जबकि उनके परिजनों को होम क्वारंटाइन किया गया। जनपद में कोरोना वायरस के संक्रमण का कहर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जनपद में दिन प्रतिदिन कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के मिलने से एक ओर जहां स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन में हड़कम्प मचा हुआ है। उधर शनिवार को उपचार के दौरान राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती 40 वर्षीय शिवकुमार की मौत हो गई। बताया जाता है कि शिवकुमार सांस का रोगी था जिसमें कोरोना के लक्षण मिलने के चलते उसे राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था।

प. उप्र में कोरोना संक्रमितों का मीटर

जिला	नए मामले	कुल मामले	एक्टिव केस	मृतकों की संख्या
मेरठ	53	1116	275	69
बुलंदशहर	22	682	172	22
बिजनौर	15	327	83	6
आगरा	14	1267	137	90
मुजफ्फरनगर	-	303	47	10
मथुरा	7	392	143	13
अलीगढ़	8	562	204	24
फिरोजाबाद	-	-	-	-
बागपत	16	318	-	-
शामली	3	157	28	2
सहारनपुर	10	427	78	-

राज्यमंत्री कपिलदेव ने पुलिस के कामकाज पर उठाए सवाल

चोरी के वाहनों के खुलेआम चल रहे धंधे पर जताई नाराजगी, कार्रवाई के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर (एसएनबी)। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने अपनी ही सरकार में पुलिस के कामकाज पर सवाल उठाते हुए जनपद में खालापार चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। राज्यमंत्री ने शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरी के वाहनों के धंधे पर कोई रोक टोक नहीं होने पर एसएसपी को इसके लिए जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

भोपा रोड गांधीनगर स्थित अपने आवास पर मीडिया कर्मियों से वार्ता करते हुए सदर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने खालापार चौकी पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए मीनाक्षी चौक पर चोरी के वाहनों के खुलेआम चल रहे धंधे पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस बातचीत में थाना शाहपुर पुलिस द्वारा बाइक चोर गैंग को गिरफ्तार करते हुए चोरी के वाहनों की बड़ी संख्या में बरामदगी करने के मामले में शाहपुर थाना प्रभारी और उनकी टीम की सराहना की है। वहीं थाना कोतवाली नगर की पुलिस पर कई गंभीर सवाल उठाते हुए पुलिस को कठघरे में खड़ा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नगर कोतवाली थाना क्षेत्र में मीनाक्षी चौक के समीप बड़े स्तर पर चोरी के वाहनों की कटिंग कर उनको बेचा जाता है और खालापार चौकी पुलिस कई बार इन चोरी के वाहनों की कटिंग करने वालों को गिरफ्तार भी कर चुकी है, लेकिन यह धंधा फिर भी बिना रोक टोक के जारी है और आज तक बंद नहीं हुआ। उनका कहना है कि मीनाक्षी चौक पर पुलिस पिकेट हर समय तैनात रहती है और इसके बावजूद वहीं पर कई दुकानों पर वाहनों की कटिंग का काम होता रहता है, इनमें अधिकांश वाहन चोरी के होते हैं। पुलिस ने इस गोरखधंधे से अपनी मिलीभगत के चलते आंखें मूंद रखी है। इस मामले पर राज्यमंत्री ने एसएसपी को निर्देशित किया है कि इन चोरी के वाहनों को खरीद कर काटने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शहर के बीच में ही चोरी के वाहनों की खरीद फरोख्त का धंधा चलने के कारण शासन और सरकार की छवि को धूमिल किया जा रहा है।

विकास दुबे को ब्राह्मणों का शेर बताने वाला वीडियो वायरल

एसएसपी ने दिए कार्रवाई के आदेश

आगरा (एसएनबी)। कानपुर के थाना शिवराजपुर क्षेत्र में पुलिस के ऊपर हमला करने वाले आतंकी विकास दुबे को एक अधिवक्ता ने फेसबुक पर पोस्ट कर उसको ब्राह्मणों का शेर बताया है। तेजी से वायरल हुई इस पोस्ट को अधिकारियों ने संज्ञान में लेने के बाद अधिवक्ता के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं।

शनिवार दोपहर अधिवक्ता शिवम दुबे ने अपनी फेसबुक को अकाउंट पर एक पोस्ट डाल कर पुलिस को भी खुली चुनौती दे दी है। इस पोस्ट में अधिवक्ता शिवम दुबे ने आठ पुलिसकर्मियों के हत्यारे कुख्यात बदमाश विकास दुबे को ब्राह्मणों का शेर बताया है। तेजी से वायरल हुई इस पोस्ट को देख अधिकारी हैरत में पड़ गए हैं। आगरा एसएसपी बबलू कुमार ने फेसबुक अकाउंट के बारे में जानकारी करने के बाद अपने अधीनस्थ अधिकारियों को अधिवक्ता शिवम दुबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त से सख्त कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए हैं। एसएसपी बबलू कुमार ने बताया कि जानकारी मिली है कि इस तरह की अधिवक्ता शिवम दुबे ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट वायरल की है। इस पूरे मामले को साइबर सेल विभाग को दे दिया गया है।

अधिवक्ता शिवम दुबे और कुख्यात बदमाश विकास दुबे के संबंधों के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। उन्होंने ऐसी पोस्ट डालने वाले की निंदा करते हुए उनको समाज का दुश्मन भी बताया है। एसएसपी बबलू कुमार ने इस पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए उच्चाधिकारियों तक सूचना पहुंचा दी है। वहीं उन्होंने पोस्ट को वायरल करने को लेकर कार्रवाई के आदेश भी दिए हैं।

शहीदों के परिवार को आगरा पुलिस देगी एक दिन का वेतन

आगरा (एसएनबी)। कानपुर की थाना शिवराजपुर क्षेत्र में बदमाशों के साथ मुठभेड़ करते हुए शहीद हुए आठ पुलिसकर्मियों को आगरा पुलिस ने अपना एक दिन का वेतन देने का निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी शनिवार दोपहर एसएसपी बबलू कुमार ने दी।

बृहस्पतिवार की देर रात कानपुर के शिवराजपुर में दबिश देने गई पुलिस टीम पर कुख्यात विकास दुबे व उसके साथियों ने ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार कर हमला बोल दिया। इसमें डीएसपी सहित आठ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। शहीद हुए पुलिसकर्मियों में से आगरा के थाना फतेहाबाद क्षेत्र स्थित गांव पोखर पांडे निवासी सिपाही बबलू कुमार भी शामिल थे। शनिवार दोपहर एसएसपी बबलू कुमार ने बताया कि कानपुर में शहीद हुए आठ पुलिसकर्मियों के परिजनों को आगरा पुलिस अपना एक दिन का वेतन देगी। साथ ही उन्होंने बताया कि इस मिशन में आगरा जोन व रेंज की अधिकारी भी अपना एक दिन का वेतन शहीदों के परिजनों के नाम करेंगे।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

बाल गृह अधीक्षिका को कोरोना वायरस से संबंधित जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए

मुजफ्फरनगर (एसएनबी)। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने शनिवार को जनपद में सरकारी व गैर सरकारी बाल संरक्षण संस्थाओं एवं राजकीय जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने गांधी कालोनी स्थित बादर्श बाल गृह (शिशु) का निरीक्षण किया। आदर्श बाल गृह (शिशु) मुजफ्फरनगर में दो बच्चे आवासित हैं, उन बच्चों से वर्ता की गई। उन्होंने बाल गृह की अधीक्षिका को कोरोना वायरस से संबंधित केंद्र सरकार, प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए भी निर्देश दिए।

बाल गृह का निरीक्षण करने के उपरांत जिला चिकित्सालय, मुजफ्फरनगर के सभी वार्डो का निरीक्षण किया। उन्होंने कोविड-19 से बचाव हेतु अस्पताल प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यो की समीक्षा भी की। वहीं जिला पंचायत सभागार, कलक्ट्रेट, मुजफ्फरनगर में बाल अधिकारों के संरक्षण व पुनर्वासन से संबंधित प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना वायरस से बचाव के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं संचारी रोग नियंत्रण की अध्ययन स्थिति की समीक्षा बैठक हुई।

समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक अपराध दुर्गेश कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकीम अहमद, जिला विद्यालय निरीक्षक गजेन्द्र सिंह, चाइल्ड लाइन की निदेशक पूनम शर्मा, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्या बीना शर्मा, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष कमलेश वर्मा आदि के साथ बैठक की।

कोर्ट के आदेश पर दस के खिलाफ मुकदमा

बड़गांव/सहारनपुर (एसएनबी)। थाना क्षेत्र के गांव शिमलाना निवासी जितेन्द्र कुमार पुत्र श्रीपाल सिंह ने दस लोगों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, जानलेवा हमला करने का कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। जितेन्द्र कुमार ने बताया कि 12 अप्रैल को वह अपने भाई गौरव के साथ मकान में बैठा था। तभी हमारे गांव के ही विनोद उर्फ रिंकू, पंकज, राममुकुट, अरविन्द, प्रवीण उर्फ मंगलू, शिवम, दयान्नद व दयाराम, तरसेम व दीपक ने लाठी डंडे, फावड़ा सरिया व देशी तमंचा लेकर घर में घुस आए। यह लोग गाली गलौज कर जानलेवा हमला कर मारपीट करने लगे। एक ने फायर भी किया। पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

FOR SALE

vehicles of the High Commission is for sale. Details are as follows:

TOYOTA COROLLA Camry
(Make in japan) Petrol 2362 CC
(Model 2010) Colour Black

Vehicle can be inspected in High Commission between office hours (Mon-Friday). Sealed offers/ bids are invited till 19th July 2020 (1400 hours). High Commission reserves the right to reject any offer.

HIGH COMMISSION FOR PAKISTAN
2/50-G,Shantipath, Chanakyapuri
New Delhi-21. Ph. 011-26874358

निरोगी बनने को भारतीय जीवन शैली अपनाएं : प्रो. नीलू जैन

कुलपति स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान के दूसरे दिन हुई 65 लोगों की जांच

मेरठ (एसएनबी)। चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय में कुलपति स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान के तीसरे दिन 65 लोगों का चिकित्सीय परीक्षण किया गया जिसमें चार लोगों का आक्सीजन लेवल कम पाया गया। उन चार लोगों को डॉक्टर से मिलने की सलाह दी गई। इस मौके पर कुलपति स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान की संयोजिका प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता ने परीक्षण कराने आए लोगों से मिलकर उनकी काउंसलिंग की। उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन शैली को अपनाएं और रोगों से निजात पाएं। प्रत्येक दिन प्राणायाम जरूर करें। उन्होंने चार्ट के माध्यम से सभी को भारतीय जीवन शैली के बारे में विस्तार से बताया। प्रोफेसर नील जैन गुप्ता ने जिन लोगों का आक्सीजन लेवल कम आया, उन्हें प्रतिदिन आधा घंटा धूप में बैठने, प्रतिदिन प्राणयाम करने की सलाह दी है। चंद्रपाल शर्मा, अनुष्का गुप्ता, साम्यादास, अंजुला, कुसुम, अदिति चौधरी, शीबा ने परीक्षण किया। कुलपति स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान को सफल बनाने के लिए प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता के नेतृत्व में एमबीए एचए के छात्रों ने परीक्षण का पूरा जिम्मा संभाल रखा है। वॉलंटियर के रूप में छात्र प्रत्येक दिन आने वाले लोगों का परीक्षण करने में सहयोग कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर एके चौबे, प्रोफेसर बिंदु शर्मा, लैब टेक्नीशियन रमेश छवि भी मौजूद रहे।

विकास दुबे को दी जाए फांसी : डॉ. शेख

आगरा (एसएनबी)। कानपुर में हुई पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में शनिवार को मथुरा के केंद्रीय कार्यालय पर वंचित समाज इंसाफ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय महासचिव ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर शहीद हुए आठ पुलिसकर्मियों के लिए दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने विकास दुबे को आतंकी घोषित करते हुए फांसी की मांग की। उन्होंने कहा कि विकास दुबे एक खतरनाक आतंकवादी है। उसके ऊपर 65 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं वह एक मंत्री की भी हत्या कर चुका है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से विकास दुबे ने कानपुर में घटना को अंजाम दिया है उसकी कोई माफी नहीं है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार से विकास दुबे की फांसी की मांग करते हुए अपील की है।

मृत समझ जिस बच्चे को दफनाने पहुंचे वह जीवित निकला

बागपत (एसएनबी)। खट्टा प्रह्लादपुर गांव में मृत शिशु को दफनाते समय बच्चा जीवित हो उठा। ग्रामीण इसे चमत्कार मान रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो ऐसा डाक्टरी चूक से हो सकता है। खट्टा प्रह्लादपुर निवासी सोनू पुत्र धर्मपाल की पत्नी भारती देवी ने छह माह में ही मेरठ के एक अस्पताल में लड़के को जन्म दिया। बच्चा कमजोर होने के कारण डाक्टरों ने उसे नर्सरी में रखा, लेकिन परिजन उसे माता सहित छुट्टी कराकर घर ले आए। शनिवार सुबह बच्चे के शरीर में कोई हरकत न होने के कारण परिजन उसे डाक्टर के पास ले गए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने श्मशान घाट के समीप गड्ढा खोदकर उसे दफनाने की तैयारी की और उसे दफनाने ले गए। बताया जाता है कि जैसे ही बच्चे को दफनाया जाने लगा, तो बच्चे ने हाथ पैर हिलाने शुरू कर दिए जिसे देख परिजन खुश हो उठे और खुशी खुशी बच्चे को घर ले आए। ग्रामीण इसे चमत्कार मान रहे हैं।

एडीएम ने ईओ को लगाई फटकार

अमरोहा (एसएनबी)। एडीएम विनय कुमार ने शनिवार को हसनपुर नगर पालिका का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में नगर पालिका गेट पर कुछ व्यक्ति बिना मास्क लगाए घूमते हुए दिखाई दिए। जिस पर एडीएम द्वारा चालान कर जुर्माना वसूला गया। पालिका परिसर में मिली खामियों पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। ईओ को फटकार लगाते हुए कहा कि कोरोना से बचाव के लिए शासन द्वारा अनेक निर्देश दिए गए हैं लेकिन फिर भी कार्यालय व परिसर की सफाई नहीं की जा रही है। निरीक्षण में ओवरहेड टैंक से पानी बहता हुआ मिला जिस कारण कई जगह जलभराव हो गया था। डस्टबिन भी कई दिनों से साफ नहीं की गई थी। उन्होंने पाया कि पालिका द्वारा डस्टबिन खरीद कर केवल रख लिया गया है वितरण नहीं कराया गया है। जिस पर नाराजगी व्यक्त कर तीन दिन के अंदर पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा।

आत्मनिर्भर भारत के लिए हस्ताक्षर अभियान

सम्भल (एसएनबी)। विश्व हिंदू परिषद की ओर से कार्यकर्ताओं ने दुर्गा कॉलोनी में एक बैठक कर आत्मनिर्भर भारत का संकल्प दिला कर डिजिटल हस्ताक्षर हेतु एक ई फॉर्म भराया। बैठक उपरांत कार्यकर्ताओं ने घर घर पहुंच कर आत्मनिर्भर भारत के लिए डिजिटल हस्ताक्षर अभियान चलाया।

वर्तमान समय भारतीय शिक्षा जगत के लिए संकट का : प्रो. शर्मा

मेरठ (एसएनबी)। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर चन्द्रप्रकाश शर्मा ने यहां चल रही ‘शोध की भारतीय व समकालीन दृष्टि’ विषयक सात-दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में चौथे दिन कहा कि वर्तमान समय भारतीय शिक्षा जगत के लिए संकट का है ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि हमने अपनी भारतीय ज्ञान परंपरा एवं चिंतन की परंपरा को भुला दिया है। उस पर अनुसंधान कार्य नहीं किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ व राजनीति विज्ञान विभाग चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विवि बरेली और प्रज्ञा प्रवाह पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में हो रही इस कार्यशाला में प्रोफेसर चन्द्रप्रकाश शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रतिष्ठित एवं पुनर्व्याख्यायित करने के लिए हमें प्राथमिक माध्यमिक व उच्च शिक्षा के प्रतिमाओं में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा तभी हम भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय जीवन मूल्यों से प्रत्यक्ष रूप से साक्षात्कार कर सकेंगे और उनका प्रयोग व्यावहारिक रूप में कर सकेंगे। वर्तमान समय में शोधार्थी को यह ज्ञात होना चाहिए कि वह किस विषय पर अनुसंधान कार्य कर रहा है, क्यों और इससे समाज को क्या लाभ होगा। नीति निर्माण में इसकी क्या भूमिका होगी लेकिन वर्तमान में भारत में जो अनुसंधान कार्य हो रहे हैं उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की नहीं है जो भारतीय शिक्षण जगत के लिए चिंतन एवं मनन करने का विषय है। कार्यशाला को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी की संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उमा रानी त्रिपाठी, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र के पूर्व कुलपति प्रोफेसर विश्वमित्र गिरीवर मिश्र, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष व पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में राजनीति विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. राजेंद्र कुमार पांडेय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विवि बरेली के समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी, प्रज्ञा प्रवाह पउप्र के क्षेत्रीय संयोजक भगवती प्रसाद राघव, डॉ. भूपेंद्र प्रताप, डॉ. देवेंद्र उज्ज्वल, मितेंद्र गुप्ता, संतोष त्यागी व नितिन त्यागी भी मौजूद रहे।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बोगी एवं व्हील, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये एकल पैकेट प्रणाली आधारित खुली निविदा सूचना सं. एमसीएफ/आरबीएल/टेण्डर/बोगी फ्रेम मशीनिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन/2020–21/सी445 दिनांक:02.07.2020 आईआरईपीएस के पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं – **कार्य का नाम:** कार्यक्षेत्र के अनुसार आइआर फिएट बोगी के लिए बोगी फ्रेम का मशीनिंग एवं ट्रांसपोर्टेशन। **कार्य की अनुमानित लागत:** (₹) 49,98,000.00 **अमानत राशि:** (₹) 1,00,000.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** (₹) 3,000.00 मात्र **कार्य की मात्रा:** 75 कोच सेट। **कार्य समापन की अवधि:** 06 माह या पहले। **निविदा जमा करने की अवधि:** दिनांक 10.07.2020 से 24.07.2020 तक। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 24.07.2020 को 11.45 बजे। **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 24.07.2020 को 12.00 बजे। निविदा सूचना, एलीजीबिलिटी क्राईटेरिया, टर्म्स एवं कंडीशन IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बोगी एवं व्हील

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/शेल, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये एकल पैकेट प्रणाली आधारित खुली निविदा सूचना सं.– एमसीएफ/आरबीएल/टेण्डर/रोबोटिक शेल असेंबली लाइन (आर एच)/2020–21/ सी 368 दिनांक: 03.07.2020 आईआरईपीएस के पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं – **कार्य का नाम:** कार्यक्षेत्र के अनुसार पूर्ण रोबोटिक शेल असेंबली लाइन (आर एच) का संचालन। **कार्य की अनुमानित लागत:** (₹) 88,81,600.00 **अमानत राशि:** (₹) 1,77,600.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** (₹) 5,000.00 मात्र **कार्य की मात्रा:** 200 शैल। **कार्य समापन की अवधि:** 09 माह या पहले। **निविदा जमा करने की अवधि:** दिनांक 13.07.2020 से 27.07.2020 तक। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 27.07.2020 को 11.45 बजे। **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 27.07.2020 को 12.00 बजे। निविदा सूचना, एलीजीबिलिटी क्राईटेरिया, टर्म्स एवं कंडीशन IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/शेल

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप वरिष्ठ यांत्रिक अभियंता/सुरक्षा एवं प्रशिक्षण, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा सूचना सं. एम–300/एमसीएफ/आइएसओ/सामान्य/013, दिनांक: 02.07.2020 के माध्यम से एकल पैकेट प्रणाली पर आधारित खुली ई पोर्टल के रेल भारतीय निविदा www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं – **कार्य का नाम:** स्कोप ऑफ वर्क (अनुलग्नक 01 से 08) के अनुसार, सभी आईएसओ मानकों के सभी क्रियाओं के प्रबन्धन हेतु 01 वर्ष ए.एम.सी. के साथ आईएसओ प्रबंधन सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** (₹) 4,98,550.00 **अमानत राशि:** (₹) 9,980.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** (₹) 1,000.00 मात्र। **कार्य समापन की अवधि:** 17 माह। **निविदा प्रपत्र जमा करने की अवधि:** दिनांक 14.07.2020 से 12.08.2020 तक। **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 12.08.2020 को 15.15 बजे तक। **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 12.08.2020 को 15.30 बजे तक। निविदा सूचना, एलीजीबिलिटी क्राईटेरिया, टर्म्स एवं कंडीशन इंडियन रेलवेज IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

नोट:- 1. निविदाकार अपनी मूल/संशोधित निविदा को निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा कर सकता है। इस निविदा के लिए पूर्व प्रचलित मैनुअल आफर प्रक्रिया अनुमेय नहीं है और यदि कोई मैनुअल ऑफर प्राप्त होता है तो उस ऑफर पर विचार नहीं किया जाएगा। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं धरोहर राशि का भुगतान अलग–अलग केवल ऑनलाइन नेट बैंकिंग द्वारा मुख्य लेखाधिकारी/आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के पक्ष में अथवा IREPS पोर्टल पर उपलब्ध गेटवे भुगतान प्रक्रिया के द्वारा स्वीकार किया जाएगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीद एवं फिक्स्ड डिपाजिट रसीद इत्यादि द्वारा भुगतान मान्य नहीं है।

उप वरिष्ठ यांत्रिक अभियंता/सुरक्षा एवं प्रशिक्षण

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नजरिया

उपेन्द्र राय

पीएम के उत्साहवर्धक भाषण ने हमें याद दिलाया कि गलवान में शहीद हुए हमारे जवान मध्ययुगीन शासन के समय के योद्धा नहीं हैं। वे ऐसे नहीं जिनको याद करना पड़े क्योंकि उनको कभी भुलाया ही नहीं जा सकता।
आनंद रंगनाथ, लेखक @ARanganathan72

विस्तारवाद पर ग्लोबल प्रहार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी तमाम खूबियों के साथ ही आउट ऑफ द बॉक्स सोच के लिए भी जाने जाते हैं। इस सोच से सांप भी मर जाता है और लाठी की सेहत पर भी कोई असर नहीं पड़ता। लद्दाख की सीमा से उनकी ललकार के मायने कुछ इसी तरह से निकाले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने नाम लिये बिना बेहद सख्त अंदाज में चीन को भारत के मन की बात बता दी। वैसे यह काम दिल्ली की चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच बैठे-बैठे भी हो सकता था, लेकिन युद्ध की आशंका की आहट से पहले मोर्चे पर पहुंचकर जो कुछ हुआ है तो उसके पीछे का संदेश बेहद खास है। यह दुश्मन की चौखट पर पहुंचकर, उसका दरवाजा खुलवाकर, उसकी आंख में आंख डालकर समझाने जैसा है कि अब उसकी कोई भी गलती माफी के काबिल नहीं होगी, और किसी भी ऐसी-वैसी गुस्ताखी की बड़ी कीमत चुकानी होगी। ठीक उसी तरह जैसे बंसी बजाने वाले कृष्ण जरूरत पड़ने पर सुदर्शन चक्र चलाकर दुश्मन का संहार करना भी जानते हैं। शांति को चुनौती देने वाले ऐसे खतरे का अलर्ट प्रधानमंत्री ने पिछले साल सितम्बर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए भी दिया था। तब प्रधानमंत्री ने दुनिया को बुद्ध और युद्ध का दर्शन समझाया था।

उस संदेश में भी एक परोक्ष चेतावनी थी पाकिस्तान के लिए, कि भारत बुद्ध को मानता जरूर है, लेकिन सीमा पर शांति खतरे में पड़ेगी तो हम युद्ध से भी पीछे नहीं हटेंगे। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने जिस नीमू बेस कैंप का दौरा किया वो चीनी सीमा के साथ ही पाकिस्तानी बॉर्डर से भी ज्यादा दूर नहीं है पूर्व में एलएसी, पश्चिम में एलओसी यानी एक तीर से दो शिकार। नीमू बेस कैम्प से जवानों का हौसला बढ़ाने के बीच प्रधानमंत्री ने चीन के विस्तारवाद को लेकर ठीक ही कहा है कि जब विस्तारवाद जुनून बन जाए तो वह विश्व शांति के लिए खतरा बन जाता है। हमारे लिए तो चीन तभी से खतरा है, जब उसने तिब्बत पर धोखे से कब्जा जमा लिया था। तब चीन की उस हरकत को डॉ. राम मनोहर लोहिया ने 'शिशु हत्या' बताते हुए तत्कालीन सरकार को चीन से सावधान रहने की सलाह दी थी। डॉ. लोहिया की सात दशक पुरानी वो सलाह आज दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए सबक बन चुकी है। अपनी विस्तारवादी नीतियों के कारण चीन आज पूरी दुनिया के लिए खतरा बन गया है।

जमीनी और समुद्री सरहदों को लेकर चीन इस वक्त कम-से-कम 23 देशों का सिरदर्द बना हुआ है। चीन में शामिल 41 लाख वर्ग किलोमीटर का इलाका उसने दूसरे देशों से हथियाया है। यह चीन के मौजूदा क्षेत्रफल का 43 फीसद हिस्सा है, यानी करीब-करीब आधा चीन दूसरे देशों से हड़पी गई जमीन को मिलाकर बना है। जमीन हथियाने की उसकी यह नीति साल 1949 से चली आ रही है जब वहां कम्युनिस्ट शासन की स्थापना हुई थी। तुर्किस्तान इस नीति का पहला शिकार हुआ जब चीन ने उसका पूर्वी हिस्सा हड़प लिया। आगे चलकर मंगोलिया, हांगकांग, मकाऊ सब उसी सिलसिले की कड़ियां बनते गए। चीन की सरहद से 14 देश जुड़े हैं और हर देश की सरहद खतरे में है यहां तक कि रूस और उत्तरी कोरिया भी दोस्ती के बावजूद चीन को भरोसे के काबिल नहीं समझते हैं। चीन की विस्तारवादी जिद जमीनी सीमाएं पार करने के साथ ही समुद्र को भी लांघ चुकी हैं। चारों ओर से समुद्र से घिरे ताइवान पर चीन की लंबे समय से नजर है। दक्षिण चीन सागर में ताइवान के अलावा चीन छह और देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, वियतनाम और ब्रुनेई में भी घुसपैठ की फिराक में रहता है। वैसे दावा तो वह दक्षिण चीन सागर के 90 फीसद इलाके पर करता है। यही हाल जापान के आठ द्वीपों का भी है।

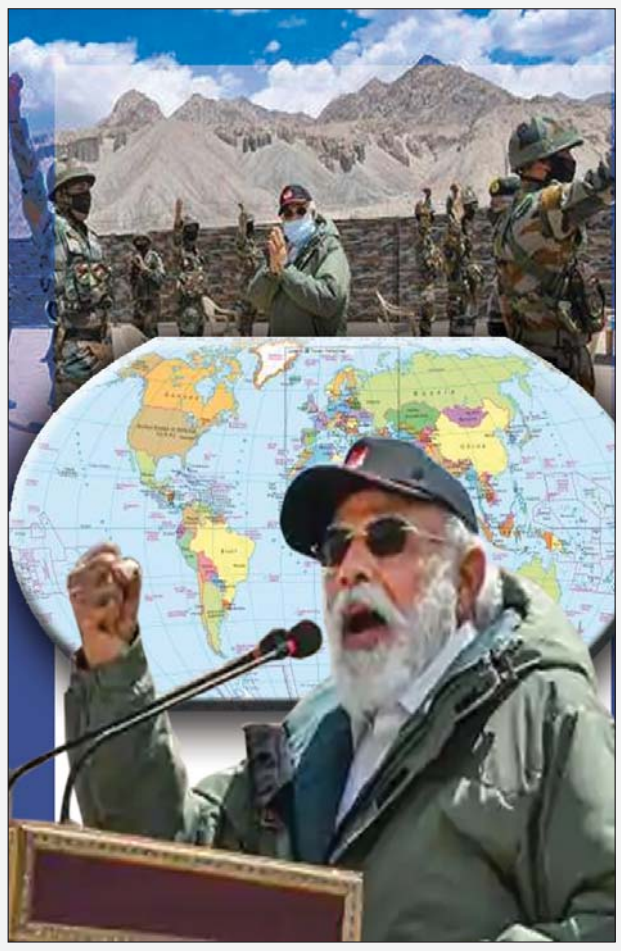

दिलचस्प बात यह है कि हमारे देश में इस पर बहुत कम बात हुई है कि चीन स्वाभाविक रूप से हमारा पड़ोसी नहीं है, बल्कि वो जबरन हमारे पड़ोस में आकर बैठ गया है। 50 के दशक में उसने तिब्बत पर कब्जा जमाया, जहां से वो सिक्किम को मान्यता देने के बावजूद घुसपैठ से बाज नहीं आता है। यही हाल उत्तराखंड का है, जहां नक्शे में अदला-बदली करके वो हमारे क्षेत्र पर दावा ठोकता रहता है, लेकिन गलवान घाटी में चीन की ताजा हिमाकत उसके विस्तारवादी मंसूबों के अंत की शुरुआत बन सकती है। चीन के 59 ऐप्स पर डिजिटल स्ट्राइक, अरबों रुपये के करार तोड़ने और चीन को पाकिस्तान के साथ 'प्रायर रेफरेंस कंट्री' की लिस्ट में डालकर मोदी सरकार ने बिल्ली के गले में जो घंटी बांधी है, उसके असर से भारत की अगुवाई में चीन के खिलाफ एक ग्लोबल गठबंधन बड़ी तेजी से आकार लेने लगा है। चीनी कंपनियों को दुनिया भर से बुरी खबरें मिलनी शुरू हो गई हैं। ट्रंप सरकार ने हुआवे और जेडटीई को सुरक्षा वजहों से अमेरिका से अपना कारोबार समेटने का फरमान सुना दिया है। कनाडा ने तो हुआवे के एक अधिकारी को गिरफ्तार भी कर लिया था। हांगकांग, ताइवान, फिलीपींस से चीन का झगड़ा भी आक्रामक होता जा रहा है।

इन सबके बीच चीन का ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम से भी छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। अमेरिका तो अब चीन से सीधे-सीधे टकराव के मूड में दिख रहा है। ट्रेड वॉर और कोरोना के कारण दोनों देशों के रिश्ते पहले से खराब चल रहे थे, वो और बिगड़कर शीत युद्ध वाले दौर के समान हो गए हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए खतरा बन चुके चीन के कदम को रोकने के लिए अमेरिका यूरोप से अपनी सेना कम करके दूसरी जगहों पर नये सिरे से सैन्य जमावट कर रहा है। हालांकि अमेरिका की इस तैयारी को एक तीर से दो शिकार की कोशिश भी कहा जा सकता है जिसमें चीन पर निशाना लगाने के साथ ही वो हिंद महासागर में अपने हितों पर भी नजर रख सकता है।

बहरहाल मौजूदा हालात में हमारे लिए संदेश बेहद साफ है। चीन एलएसी के साथ ही पीओके, नेपाल, भूटान और तिब्बत की सीमाओं के करीब सड़क और रेल का जो नेटवर्क तैयार कर रहा है, उसका मकसद केवल आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देना भर नहीं है। यह हमारे लिए पहले से ज्यादा सावधान हो जाने का संकेत है। हालांकि प्रधानमंत्री के सिंहनाद के बाद चीन ने जिस मिमियाने वाले अंदाज में दोनों ओर से संयम बरतने की अपील की है, वो तो यही बताता है कि कूटनीतिक स्तर पर सक्रियता और सैन्य जमावट में आक्रामकता बढ़ाकर सरकार ने लंबे समय के लिए बेशक नहीं, लेकिन फिलहाल तो चीन पर नकेल कसने में कामयाबी जरूर हासिल कर ली है।

(लेखक सहारा न्यूज नेटवर्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं एडिटर इन चीफ हैं)

दिलचस्प बात यह है कि हमारे देश में इस पर बहुत कम बात हुई है कि चीन स्वाभाविक रूप से हमारा पड़ोसी नहीं है, बल्कि वो जबरन हमारे पड़ोस में आकर बैठ गया है। 50 के दशक में उसने तिब्बत पर कब्जा जमाया, जहां से वो सिक्किम को मान्यता देने के बावजूद घुसपैठ से बाज नहीं आता है। यही हाल उत्तराखंड का है, जहां नक्शे में अदला-बदली करके वो हमारे क्षेत्र पर दावा ठोकता रहता है, लेकिन गलवान घाटी में चीन की ताजा हिमाकत उसके विस्तारवादी मंसूबों के अंत की शुरुआत बन सकती है

'टिक टॉक' से 'चिन्गारी' तक

मीडिया

सुधीश पचौरी

जब तक 'टिक टॉक' रहा अपने युवा जन बड़े ही मस्त थे। करोड़ों युवा अपनी अपनी नाना लीलाएं उसमें रिकार्ड कर दिखाया करते और अपने-अपने फोलोअर्स की संख्या पर इतराया करते कि मेरे इतने फोलोअर हैं, कि मेरे इतने चाहने वाले हैं, कि मुझे इतने लोग लाइक कर रहे हैं। 'टिक टॉक' के माध्यम से बहुत से युवा रातोंरात हीरो-हीरोइन बने। बहुत से सेलीब्रिटी बने। बहुत से लोगों को इसके जरिए अपनी कला को निखारने का अवसर मिला।

भारत के ग्यारह लाख लोग इसका उपयोग करते थे। यह कोई मामूली संख्या नहीं थी। यह युवाओं का एक भरा पूरा बाजार था, जिसे कोई भी पटाना चाहता! 'टिक टॉक' था भी ऐसा ऐप जो फ्री में उपलब्ध था। आपको अपने मोबाइल पर उसे 'डाउनलोड' करना भर था। उसके बाद आप दुनिया भर के हीरो या हीरोइन हो सकते थे। आपको अपनी लीलाएं दिखाने के लिए यह आपको एक ग्लोबल साइबर मंच देता था। आपको लाइव इवेंट दिखानी है तो दिखाएं। आपको अपने खेल दिखाने हैं तो दिखाएं और चमत्कारी कारनामे दिखाने हैं तो दिखाएं और बदले में कुछ पैसे भी कमाएं। बरसों से लोग इसका इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन बहुतों को यह न मालूम था कि यह 'चीनी ऐप' है! और अगर ऐसा मालूम भी होता तो भी किसी को कोई आपत्ति नहीं होने वाली थी क्योंकि यह एकदम फ्री था और युवाओं की जरूरतों को देखकर ही बनाया गया था। उसका उपयोग करके आप कुछ भी कर सकते थे।

सबसे बड़ी बात कि आप अपने व्यक्तित्व और कृतित्व को दुनिया को दिखा सकते थे और अपने फोलोअर्स, अपने ग्राहक और अपना 'निषे मारकेट' बना सकते थे। अपनी 'ब्रांडिंग' कर सकते थे। अपने मोबाइल से ही छोटी-छोटी फिल्में बनाकर आप फिल्मकार बन सकते थे और अपने नाच गाने रिकार्ड कर सकते थे। और सिर्फ यह एक ऐप ही नहीं था, जो हमारी जिदंगी के लिए जरूरी बन चला था और भी ऐप था जो हमारी जिंदगी को आसान किए थे, जैसे पेटीएम, स्नैपडील, ओला, बीबो और ऐसे ही कई ऐप!

हमारे ऐपों की दुनिया पर चीन ने मानो कब्जा ही कर रखा था। हमारा दैनिक जीवन बहुत कुछ उन पर निर्भर हो चला था! चीन हमारे अंदर कहां-कहां घुसा हुआ है, यह हमें कभी न महसूस होता अगर चीन ने गलवान घाटी में 'लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल' को पार कर आगे बढ़ने की आक्रामक कोशिश न की होती और उसके जबाव में हमारे बीस दिलेर सैनिकों ने अपनी जान की बाजी लगाकर जैसे उसके चालीस-पचास सैनिकों को न मारा होता और बाकी को न खदेड़ा होता!

इस घटना के चीन के प्रति हमारा सोच को एकदम बदल दिया। इस घटना के तुरंत बाद हमारे मीडिया ने जैसे ही चीन की इन 'विस्तारवादी साम्राज्यवादी' हरकतों का विरोध करते हुए 'चीन के बॉयकाट' का नारा दिया वैसे ही देश में चीन विरोधी भावनाएं बढ़ने लगीं। यों भी सन 1962 में चीन द्वारा धोखे से हमारी जमीन पर किए गए कब्जे की बात जनता नहीं भूली थी, गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा की गई इस ताजा हमलावर हरकत ने 1962 की चीन की धेखाधड़ी की याद एक बार फिर ताजा कर दी। लोग कहने लगे और विदेश नीति के एक्सपर्ट भी बताने लगे कि चीन की किसी भी बात का विश्वास नहीं किया जा सकता! चीन फिर भी अपनी हरकतों से बाज न आया! ऐसे में सरकार को भी सोचना पड़ा और चीन को सबक सिखाने के लिए चीन के 'टिक टॉक' समेत 59 ऐप्स पर पाबंदी लगा दी।

सरकार को महसूस हुआ कि इतने ऐपों के माध्यम से वह हमारी जनता को अपने पक्ष मे बरगला सकता है और हमारे लोगों के डाटा का विलेषण करके हमारे दिमाग व भावनाओं तक पर कब्जा कर सकता है। ध्यान रहे कि आज के युद्ध साइबर स्पेस और उसके जरिए लोगों के दिमागों के भीतर जगह बनाकर भी लड़े और जीते जाते हैं। इतने सारे ऐप्स का ऐसा मकड़जाल चीन ने भविष्य की रणनीति सोचकर ही बनाया होगा। शायद इसलिए ही इनको बैन करना पड़ा। इससे 'टिक टॉक' का उपयोग करने वालों को 'बैन' से कुछ मायूसी अवश्य हुई लेकिन 'बैन' ने एक वैकल्पिक रास्ता भी दिखा दिया जो अन्यथा नहीं दिखता। 'टिक टॉक' के बैन होते ही बहुत से 'टिक टॉकिओं' ने 'चिन्गारी' नामक एक देसी 'ऐप' को अपना लिया और यहां आकर सब वही-वही कर रहे हैं, जो 'टिक टॉक' पर किया करते थे। इस घटना से साफ है कि इस बैन ने हमें आत्मनिर्भर होना भी सिखाया और यह भी सिखाया कि उधर का जीवन उधर की सुविधाएं हमें गुलाम ही बना सकती है!

ध्यान रहे कि आज के युद्ध साइबर स्पेस और उसके जरिए लोगों के दिमागों के भीतर जगह बनाकर भी लड़े और जीते जाते हैं। इतने सारे ऐप्स का ऐसा मकड़जाल चीन ने भविष्य की रणनीति सोचकर ही बनाया होगा। शायद इसलिए ही इनको बैन करना पड़ा

नेपाल का ओली संकट

वैश्विकी

डॉ. दिलीप चौबे

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली भारत के भूभाग को नेपाल के मानचित्र में शामिल करने की कवायद में इतने मशगूल हो गए कि उन्हें यह पता ही नहीं लगा कि उनके पांव के नीचे उनकी राजनीतिक जमीन खिसक रही है। पिछले संसदीय चुनाव के बाद एकीकृत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को राष्ट्रीय पंचायत (संसद) में करीब दो तिहाई बहुमत मिला था। और यह आशा की जा रही थी कि देश में राजनीतिक स्थिरता कायम होगी। अभूतपूर्व बहुमत के बावजूद नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच मनमुटाव और राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा के कारण हालात एकदम बदल गए हैं। नेपाल में सत्ता परिवर्तन की पूरी संभावना है।

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का गठन के.पी. शर्मा ओली की पार्टी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचण्ड की पार्टी माओवादी सेंटर के विलय से हुआ था। विलय के समय सरकार और पार्टी के संचालन के लिए आपसी सहमति बनी थी। कालांतर में इन नेताओं की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा और हठधर्मिता के कारण यह सहमति बिखर गई। पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में चार वरिष्ठ नेताओं प्रचण्ड, माधव कुमार नेपाल, झालानाथ खनाल और वामदेव गौतम ने पार्टी प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से ओली के त्यागपत्र की मांग की। ओली ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया और वे ऐन-केन-प्रकारेण अपनी गद्दी बचाने के लिए जोड़-तोड़ करने लगे। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के बीच सत्ता की रस्साकसी के पहले ओली ने नेपाली राष्ट्रवाद का कार्ड खेला था।

उन्होंने उत्तराखंड में स्थित भारत के भूभाग कालापानी, लिपूलेख और लिम्पयाधुरा को नेपाल के मानचित्र में शामिल करने की पहल की थी। इस राष्ट्रवादी मुहिम का देश की कोई भी पार्टी विरोध नहीं कर सकती थी। परिणामस्वरूप भारतीय भूभाग को नेपाल के रजनीतिक नक्शे में शामिल कर लिया गया। ओली की इस तिकड़म से उन्हें तात्कालिक राहत जरूर मिली, लेकिन इससे वह सरकार और पार्टी के स्तर पर अपनी असफलताओं को नहीं छुपा सके। मानचित्र को वैधानिक स्वरूप मिलने के तुरंत बाद उनके खिलाफ बगावत ने जोर पकड़ लिया। इस पूरे घटनाक्रम में महत्त्वपूर्ण बात यह है कि ओली की पुरानी पार्टी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल भी ओली के विरुद्ध हो गए। पार्टी में अब प्रचण्ड, माधव नेपाल और ओली विरोधी अन्य नेताओं का शक्तिशाली खेमा तैयार हो गया है। ओली का राजनीतिक भविष्य तय करने के लिए पार्टी की स्थायी समिति की बैठक को टाला जा रहा है, लेकिन जब भी यह बैठक होगी तब ओली बैठक में अल्पमत में रहेंगे।

इस बीच ओली ने वर्तमान राजनीतिक समीकरण से अलग हटकर अपनी गद्दी बचाने की मुहिम शुरू कर दी है। उनका प्रयास है कि पार्टी का विभाजन हो जाए और वह विपक्षी नेपाली कांग्रेस का समर्थन हासिल करके प्रधानमंत्री बने रहें, लेकिन पार्टी विभाजन के रास्ते में एक संवैधानिक बाधा है। विभाजन के लिए जरूरी है कि पार्टी निकाय और संसदीय दल के 40 प्रतिशत सदस्यों की सहमति प्राप्त हो। मौजूदा राजनीतिक समीकरण में यह संभव नहीं है। ओली का प्रयास है कि वह अध्यादेश के जरिये इस अड़चन को दूर करे। इस काम में देश की राष्ट्रपति विद्या भंडारी की भूमिका पर सबकी नजर है। भंडारी ओली की पुरानी सहयोगी रही हैं। पूरी संभावना है कि वह अध्यादेश जारी करने से इनकार नहीं करेंगी। इस बीच ओली की सलाह पर भंडारी ने संसद का सत्रावसान कर दिया है। इस कारण सदन में ओली हार का सामना करने से बच गए हैं।

अपनी गद्दी डांवाडोल होते देख ओली ने यह आरोप लगाया है कि उन्हें हटाने के लिए भारत में साजिश चल रही है। उनका आरोप है कि भारत देश के नये मानचित्र को लेकर उनसे बदला लेना चाहता है। ओली के इन आरोपों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। स्थायी समिति की पिछली बैठक में प्रचण्ड ने साफ शब्दों में कहा कि 'भारत नहीं बल्कि मैं पार्टी प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से आपके इस्तीफे की मांग करता हूं।' नेपाल के पूरे घटनाक्रम का संदेश यह है कि सुशासन और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति का कोई विकल्प नहीं है। दूसरे देशों पर आरोप लगाने अथवा अपनी गद्दी बचाने के लिए बाहरी ताकतों का सहयोग हासिल करने की कोशिश सफल नहीं हो सकती।

नेपाल के पूरे घटनाक्रम का संदेश यह है कि सुशासन और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति का कोई विकल्प नहीं है। दूसरे देशों पर आरोप लगाने अथवा अपनी गद्दी बचाने के लिए बाहरी ताकतों का सहयोग हासिल करने की कोशिश सफल नहीं हो सकती

महिला फ्रंटलाइन वर्कर्स की सेहत का सवाल

सरोकार

माशा

महिला फ्रंटलाइन वर्कर्स की सेहत और सुरक्षा का भी सवाल है। लाखों स्वास्थ्यकर्मियों की स्थिति बदतर है, जो कोरोना वायरस की लड़ाई में फ्रंटलाइन वर्कर्स के तौर पर काम कर रही हैं। उन्हें न तो मुनासिब मेहनताना मिलता है और न ही उचित सुरक्षात्मक उपकरण। भेदभाव और हिंसा का शिकार भी होना पड़ता है। ये आशा वर्कर्स यानी एक्रेडेटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट्स हैं। 2005 से भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का हिस्सा हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है।

सरकार के कहने पर आशा वर्कर्स की पैदल-सेना ने खुद को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में झोंक दिया है। ये घर-घर जाती हैं। कोरोना के खिलाफ लोगों को जागरूक करती हैं। लोगों की सेहत और यात्रा का रिकॉर्ड रखती हैं। कोरोना के दौरान आशा वर्कर्स का एक काम और बढ़ गया। इस दौरान घरेलू हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई। इंडिया स्पेड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नगालैंड, मेघालय और असम में सक्रिय महिला अधिकार संगठन-नॉर्थ ईस्ट नेटवर्क (एनईएन) ने घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं की मदद के लिए आशा वर्कर्स का सहारा लिया क्योंकि संगठन के लोग लॉकडाउन के दौरान बाहर नहीं निकल सकते थे। फिलहाल, आशा वर्कर्स की अखिल भारतीय समन्वय समिति ने केंद्र सरकार से बेहतर सुविधाओं की मांग की है, सरकार को जानकारी दी है कि उनसे कहा जाता है कि अपने पैसों से हैंड सैनिटाइजर और मास्क खरीदें।

समन्वय समिति पांच लाख आशा वर्कर्स का प्रतिनिधित्व करती है। दुखद है कि कोरोना के खिलाफ इतनी अहम भूमिका निभाने के बावजूद उन्हें 'अवैतनिक स्वयंसेवक' माना जाता है और बहुत कम मेहनताना मिलता है। यूं हर राज्य का मेहनताना अलग-अलग है। आंध्र प्रदेश में उन्हें हर महीने 10 हजार रुपये मिलते हैं, जो पूरे देश में इन्हें मिलने वाली सबसे अधिक रकम है। कर्नाटक में छह हजार और महाराष्ट्र में दो हजार रुपये मिलते हैं। इसके अलावा टीकाकरण और दूसरी देखभाल के लिए उन्हें अलग से धनराशि मिलती है, लेकिन कई बार यह भुगतान समय पर नहीं दिया जाता या बिना किसी स्पष्टीकरण के इसमें कटौती कर दी जाती है। अप्रैल में केंद्र सरकार ने कहा था कि आशा वर्कर्स को जनवरी और जून के दौरान कोरोना संबंधी काम के लिए अतिरिक्त एक हजार रुपये मिलेंगे और अगर वे कोविड-19 संक्रमित होती है तो उनका बीमा भी कराया जाएगा, लेकिन अधिकतर राज्य सरकारों ने इस निर्देश का पालन नहीं किया। आशा वर्कर्स न्यूनतम वेतन यानी 18 हजार रुपये प्रति माह की मांग कर रही हैं और यह भी मांग कर रही हैं कि उन्हें पूर्ण सरकारी कर्मचारी के रूप में पहचान मिले। क्योंकि इसी से उनके साथ बदसलूकी को कम किया जा सकता है और उन पर लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। कुछ महीने पहले बेंगलुरू और हैदराबाद में आशा वर्कर्स पर हमले हुए। क्योंकि लोगों को लग रहा था कि वे उन्हें परेशान करने आई हैं। हम जब स्वास्थ्यकर्मियों की बात करते हैं तो अक्सर डॉक्टर और नर्सों की तस्वीर जेहन में आती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में नर्सिंग का काम संभाल रही हैं आशा वर्कर्स और एएनएम वर्कर्स। एएनएम वर्कर्स यानी ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ। ये आशा वर्कर्स की सुपरवाइजर के तौर पर काम करती है। आशा वर्कर्स की कहां जरूरत है, दरअसल ये एएनएम ही तय करती हैं। क्या सरकारें इन महिलाओं की सेहत और सुरक्षा का भी ख्याल रखेगी?

चीन, कोरोना और ईश्वर-अल्लाह

बतंगड़ बेतुक

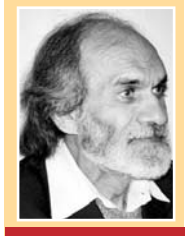

विभांशु दिव्याल

झल्लन आजकल न बहकता था न चहकता था। बस आते ही मुंह लटका लेता था, गर्दन झुका लेता था। वह आया तो हमने उसे अपने पास बिठाया और समझाया, 'देख झल्लन, जब हालात काबू से बाहर हो जायें, न हम कुछ जान पायें न कर पायें तो बेहतर यही होता है कि हम खुद को ज्यादा न उलझाएं, खुद को समझाएं और मन के लिए थोड़ी शांति पायें।' झल्लन झुंझलाता-सा बोला, 'ददाजू, आप किस मिट्टी के बने हो जो ऐसी बात कर ले रहे हो, चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है और आप शांति का प्रवचन दे रहे हो। इधर कोरोना ने हमें झकझोर डाला है, चीन ने दुत्कार डाला है, हर देशभक्त इंसानियत का पुजारी खुद को मायूस और लाचार पा रहा है और आपको शांति का शुगूफा याद आ रहा है।' हमने कहा, 'तो बता, तू क्या करना चाहता है, अपनी परेशानी का क्या हल चाहता है?' वह बोला, 'हल होता तो हम यूं हलकान नहीं हो रहे होते और मुंह लटकाए इस तरह नहीं रो रहे होते। सच कहें ददाजू, अब तो हमें लगने लगा है कि न तो हम कोरोना को हरा पाएंगे और न चीन को डरा पाएंगे, लाखों लोग मौत के मुंह में समा जाएंगे और हम सिर्फ मातम मनाएंगे। लगता है हम कहीं के नहीं रहेंगे और अब हमारी रक्षा ईश्वर-अल्ला ही करेंगे।'

हमने कहा, 'जितनी जल्दी हो अपनी गलतफहमी दूर कर ले और अपने दिमाग के ढांचे को दुरुस्त कर ले। ईश्वर-अल्ला कमजारों की हिफाजत कभी नहीं करते हैं, ये हमेशा ताकतवर के साथ रहते हैं। जब तक कोरोना ताकतवर रहेगा तब तक ये कोरोना के साथ रहेंगे और जब तक चीन ताकतवर रहेगा ये चीन के साथ रहेंगे।' झल्लन बोला, 'ददाजू, क्यों उल्टा पाठ पढ़ा रहे हो, जो हम अपनी पैदाइश के साथ सुनते-सीखते आये हैं उसे फूंक से उड़ा रहे हो। हर कोई जानता है कि जब कमजोर की कोई नहीं सुनता तब अल्ला सुनता है, उस पर करम करता है। जब गरीब को भूख लगती है और कोई रोटी नहीं देता तो ईश्वर देता है, हर गरीब का पेट भरता है।' हमने कहा, 'यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा जमाया हुआ झूठ है जो लगातार चला आ रहा है और अब तक करोड़ों करोड़ लोगों को भरमा रहा है। सच बात यह है कि जो कमजोर होता है वह तब तक सहता है जब तक सह पाता है, नहीं तो टूटकर बिखर जाता है। जीने की कोशिश में जितना जी पाता है उतना जी पाता है, नहीं तो निपट जाता है, उसके जीने और निपटने के बीच न ईश्वर आता है न अल्ला आता है।' झल्लन बोला, 'तो फिर गरीब और कमजोर की रक्षा कौन करता है, कौन उन्हें बचाता है और कौन उनकी जिंदगी चलाता है?'

हमने कहा, 'गरीब और कमजोर की न कोई रक्षा करता है, न कोई उन्हें बचाता है। मतलब यह कि जिसकी रक्षा नहीं होती और जिसे ताकत नहीं मिलती वही गरीब और कमजोर रह जाता है।' झल्लन बोला, 'ददाजू, जब भी आपके मुंह से ऐसी कोई बात निकल कर आती है तो हमारी खोपड़ी उलट जाती है। गरीब के नाम पर इतने दान-पुण्य होते हैं, इतने काम-धंधे चलते हैं, सरकार की योजनाएं बनती हैं, कानून बनते हैं, लोग दुआ-प्रार्थना करते हैं तो ये सब काहे करते हैं? गरीब के लिए नहीं करते तो किसके लिए करते हैं?' हमने कहा, 'देख झल्लन, गरीब के नाम पर जो ये सब करते हैं वो सिर्फ और सिर्फ पाखंड रचते हैं। एक इंसान गरीब और कमजोर होता ही इसलिए है कि दूसरा इंसान अमीर और ताकतवर होता है। गरीब तो ताउम्र अपने कंधों पर अमीर ताकतवर का बोझ ढोता है। जब तक आप एक की अमीरी और ताकतवरी को अपराध नहीं ठहरा सकते तब तक आप गरीब की मदद नहीं कर सकते, गरीबी नहीं मिटा सकते। लेकिन ईश्वर-अल्ला वाले इतने धूर्त और पाखंडी होते हैं कि यहां भी ईश्वर-अल्ला को घसीट लाते हैं। जो गरीब निपट जाते हैं उनको ईश्वर-अल्ला की सजा बताते हैं और जो बच जाते हैं उन्हें ईश्वर-अल्ला की कृपा बताते हैं। बेचारे कमजोर लोग हर बार उनके बनाए जाल में फंस जाते हैं। कहीं भी देख ले ईश्वर-अल्ला वाले अमीर और ताकतवर के पक्ष में खड़े नजर आते हैं।'

झल्लन बोला, 'लेकिन ददाजू, अगर यही सच्चाई है तो इंसान जान क्यों नहीं पाता, इसे मान क्यों नहीं पाता?' हमने कहा, 'जो लोग ईश्वर-अल्ला की असलियत जानते हैं, इनकी सच्चाई को पहचानते हैं वे चीन की तरह ईश्वर-अल्ला को किनारे लगा देते हैं, इन्हें रास्ते से हटा देते हैं और खुद को ताकतवर बना लेते हैं। सच बात यह है कि मूर्ख और कमजोर लोग ईश्वर-अल्ला से डरते हैं और उनसे प्यार करते हैं, धूर्त लोग उन्हें बेचते हैं और उनका व्यापार करते हैं और ताकतवर लोग या तो अपनी ताकत के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं या चीन की तरह ताकतवर बनने के लिए उन्हें अपनी जिंदगी से निकाल बाहर करते हैं।'

हमने प्रवचन देकर झल्लन की ओर देखा तो वह उठ लिया और उठते-उठते बोला, 'हमें नहीं पता ददाजू कि कितना दिमाग से खिसक लिया और कितना हमने समझ लिया।'

हर कोई जानता है कि जब कमजोर की कोई नहीं सुनता तब अल्ला सुनता है, उस पर करम करता है। जब गरीब को भूख लगती है और कोई रोटी नहीं देता तो ईश्वर देता है, हर गरीब का पेट भरता है।' हमने कहा, 'यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा जमाया हुआ झूठ है जो लगातार चला आ रहा है और अब तक करोड़ों करोड़ लोगों को भरमा रहा है। सच बात यह है कि जो कमजोर होता है वह तब तक सहता है जब तक सह पाता है, नहीं तो टूटकर बिखर जाता है। जीने की कोशिश में जितना जी पाता है उतना जी पाता है, नहीं तो निपट जाता है, उसके जीने और निपटने के बीच न ईश्वर आता है न अल्ला आता है।' झल्लन बोला, 'तो फिर गरीब और कमजोर की रक्षा कौन करता है, कौन उन्हें बचाता है और कौन उनकी जिंदगी चलाता है

हमें गर्व है हम भारतीय हैं

राष्ट्रीय सहारा

सहारा इण्डिया मास कम्युनिकेशन के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उपेन्द्र राय द्वारा सहारा इंडिया मास कम्युनिकेशन प्रेस, सी-2,3,4, सेक्टर-11, नोएडा में मुद्रित तथा 705-706, सातवां तल, नवरंग हाउस, 21 के.जी. मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित।
। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं एडिटर इन चीफ- उपेन्द्र राय। समूह संपादक - मनोज तोमर। स्थानीय संपादक - रत्नेश मिश्र* ।
दूरभाष - दिल्ली कार्यालय - 23352368, 23352369, 23352371, 23352372, फैक्स - 23352370, दूरभाष - नोएडा प्रेस 0120-2444755, 2444756 फैक्स - 2550750

वर्ष-29, अंक 10492 आर.एन.आई. सं. 53469/91, पंजीकरण संख्या UP/BR /GZB- 38/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों के लिए उत्तरदायी

भारत को अब चीन की नाराजगी की परवाह किए बिना तिब्बत की निर्वासित सरकार को आधिकारिक रूप से मान्यता दे देनी चाहिए।

योगेन्द्र यादव, अध्यक्ष, स्वराज इंडिया @_YogendraYadav

कहानी

डी. के. गर्ग

करो न दादी

कोरोना जैसी वैश्विक संक्रमण महामारी की कल्पना शायद, किसी ने कभी नहीं की थी, कि अचानक इसके आने से आम आदमी की जिंदगी उथल-पुथल हो जाएगी। कुछ को तो, अपनों से मिला देगी और कुछ को अपनों से ही मिलने को वंचित कर देगी। कुछ दिन पहले जिन स्थानों पर चहल-पहल थी, भीड़-भाड़ थी, जनता की धक्का-मुक्की रहती थी, वहां अब कोरोना के डर से चहुं ओर सन्नाटा पसरा हुआ है। जनमानस को सिर्फ एक ही डर ने सताया हुआ है, कि किसी तरह से वो कोरोना की चपेट में ना आ जाएं। इसी प्राण रक्षा की भाग-दौड़ में शहर से गांव की ओर, विदेशों से देश की ओर पलायन तेजी से जारी हो गया। इस भाग-दौड़ का सिर्फ एक ही मकसद था, किसी तरह अपने घर पहुंचें और अपनों के बीच रहकर कुछ समय एकाकी जीवन बिताएं। मानव के जीवन में यह एक नया अध्याय शुरू हो चुका था, जिसकी ना कोई रूपरेखा और ना ही कोई पटकथा पहले लिखी गई। अपने सामान की चिंता, जो अपनी हर सुख-सुविधा को छोड़ बस मस्तिष्क में सिर्फ एक ही विचार कि...'जान है तो जहान है', रूखा-सूखा खा लेंगे परंतु परिवार के साथ ही रहेंगे। कोरोना के कारण यहां हजारों परिवार उजड़े, ठीक इसके विपरीत बहुत से परिवारों को अप्रत्याशित ढंग से बसा भी दिया और भूले-बिसरे भाई-बंधुओं को एक साथ लाकर एक घर में मिला दिया।

जनमानस में सिर्फ एक ही विचार-'ये अंतिम मौका है, अपनों से मिल लो, अब समझ लो कि परिवार क्या है? किसी घमंड में ना रहें, कोरोना भगवान का यमदूत है, पता नहीं कब किसको उठा ले जाए। ईश्वर की लाठी में आवाज नहीं है इसलिए अब समय है कि 'मैं' का त्याग करते हुए। सबका साथ सबका विकास की विचारधारा पर चलते हुए अल्प आय में भी प्रसन्नतापूर्वक संतुष्टि से परिवार के साथ रहकर गुजारा करें'। कोरोना के भय से तरह तरह के संदेश स्वतः ही दुनिया के सामने अनकहे शब्दों की भांति सुनाई पड़ रहा थे। 'ऐसे जो समझे तो अच्छा है और जो ना समझे वो समय के चक्र की परख कर ले'। समय बड़ा बलवान है-जैसे कोरोना काल का यह समय। विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई बंद कर दी गई और इसके लिए एक नई तकनीक शुरू हुई, जिसके अनुसार बच्चों को मोबाइल पर ऑनलाइन क्लास द्वारा पढ़ाया जाने लगा जिसके द्वारा स्कूल-कॉलेज से कोसों दूर बैठे विद्यार्थियों को विद्यालय आने से मुक्ति मिल गई। बच्चों की पढ़ाई की खातिर मां-बाप ने उनके लिए उच्च स्तर के मोबाइल और इंटरनेट की व्यवस्था की है। बच्चे बहुत खुश हैं, सुबह-सुबह उठकर नहाने, स्कूल ड्रेस में सजने से मुक्ति मिल गई है और जहां उन्हें मोबाइल छूने की भी अनुमति नहीं थी, वहां अब वे मोबाइल के स्वामी बन गए हैं। मित्रों से बिछुड़ने का उन्हें दुःख ज्यादा नहीं है क्योंकि उनके पास मोबाइल है और इसमें वीडियो कॉल की सुविधा भी, गपशप का बहाना भी।

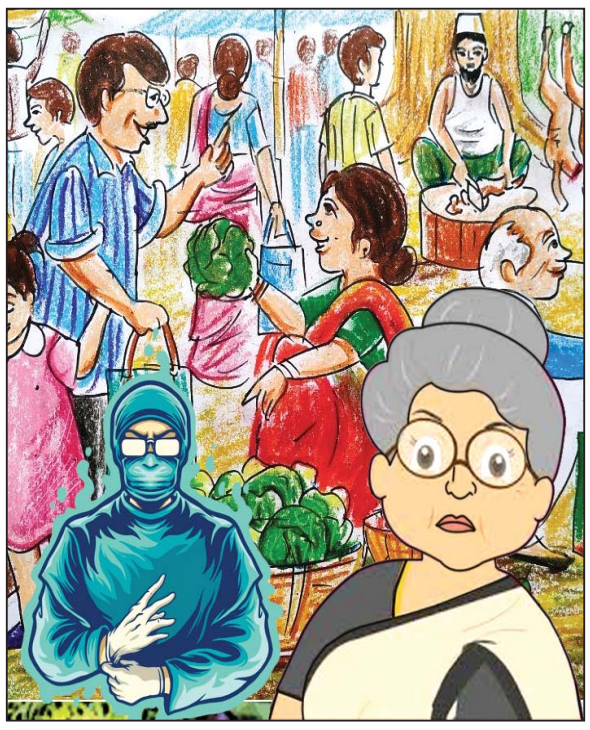

मध्य प्रदेश के दमोह का रहने वाला इसरार बहुत खुश है। वह शहर में सब्जी की ठेली लगाता है और सुबह को बकरियों का दूध बेचता है, बच्चों को पढ़ा-लिखा कर अफसर बनाना चाहता है। इसलिए बच्चों को हर सुविधा देने के साथ-साथ उनकी हर गतिविधि पर भी उसकी पैनी नजर है। उसका लड़का अब मोबाइल, इंटरनेट चलाना जान गया है और समय-समय पर देश-विदेश की तस्वीरें, वीडियो उसे दिखाता रहता है, पाकिस्तानी शायरी सुनवाता है। मोबाइल के प्रयोग को एक बार जब मौलवी ने हराम करार दे दिया था तब भी उसने बच्चे को मोबाइल लाकर दिया कि वह इंटरनेट द्वारा देश-दुनिया की जानकारी अर्जित कर सके। इसी शहर के एक बनिया परिवार, जिसको वह सब्जी बेचता था, अक्सर उसके बच्चे आलिम का हाल-चाल जानता रहता थे और समय-समय पर उसको किताबें और मार्गदर्शन से मदद करता रहता था।

इसरार के घर में उसकी 90 साल की बुआ है। उम्र नब्बे की तो ज्यादा है परंतु शरीर से अभी तक तंदरुस्त है और सत्तर से ज्यादा नहीं लगती। कुछ दांत बेशक, गिर गए हैं, चेहरे को सलवटों ने ढंक दिया है। हां...पैरों में दर्द रहने लगा है। इसलिए अब थोड़ा बहुत चलकर आराम करने बैठ जाती है।

बुआ को 'अच्छन बुआ' कहते हैं। ये इस परिवार में चालीस साल से हैं। ये इसरार के मरहूम अब्बा मियां कासिम को दमोह बस अड्डे पर बेहोशी की अवस्था में मिली थीं। सिर पर चोट लगने के कारण अपनी याददाश्त खो बैठी थीं। यह औरत अपने पति के साथ बुखार के इलाज के लिए शहर जाने के लिए निकली थी। जिला अस्पताल जाने के लिए दस किलोमीटर के बाद दूसरी बस लेनी पड़ती थी। एक माह से इसका मलेरिया उतर नहीं रहा था। दूसरी बस पकड़ने के लिए जब बस स्टैंड पहुंचे तो...अचानक बस स्टैंड पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और सब जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे और अपनी जान-माल की रक्षा के लिए इधर-उधर छिप गए। इसी भागदौड़ में यह वृद्धा नीचे गिर पड़ी और मधुमक्खियों ने इसे घायल कर दिया। इसका पति भी भागकर दूर चला गया था और यहां यह गिरी थी, उस जगह को ठीक से नहीं पहचान पाया। उसने काफी देर तक इधर-उधर भागदौड़ की, चारों तरफ भी देखा परंतु उसको कहीं भी नहीं मिली। उसने सोचा कि शायद किसी गांव वाले के साथ गांव को वापस चली गई है। यह सोचकर वह गांव वापस चला आया। गांव में जब आकर देखा तो उसे वहां भी यह नहीं मिली।

सर्दियों का मौसम था, दिन जल्दी ही छिप गया था। धीरे-धीरे बस अड्डा खाली होना शुरू हो गया था। आखिरी बस महाराष्ट्र के नागपुर को जाने के लिए तैयार थी। अचानक नागपुर के रहने वाले कासिम का ध्यान वहां एक कोने से आ रही आवाज की तरफ गया। किसी के कराहने की आवाज आ रही थी। उसने उस तरफ ध्यान से देखा तो पाया कि एक वृद्ध औरत घायल अवस्था में पड़ी है और इसका कोई सहारा भी नहीं है। इस वृद्धा को बस स्टैंड से अभी तक किसी की कोई मदद नहीं मिली है। शायद किसी ने घायल अवस्था में खिसका कर इसको यहां एक कोने में लाकर डाल दिया होगा और यह तभी से बेसुध पड़ी हुई है। कासिम का ह्दय इसको इस अवस्था में देख कर पिघला। उसके इंसानी हृदय ने उसे आवाज दी-'कासिम इस महिला को ऊपर वाले ने तुझसे मिलवाया है और तू इसे खुदा का हुकम मानकर अपने घर ले जा और इसकी सेवा कर, तुझे बरक्कत होगी'। कासिम इसे अपने घर ले आया। उसकी कोई बहन नहीं थी। तो उसने इसे बहन मानकर घर में आश्रय दे दिया। कासिम की पत्नी हसीना भी काफी मिलनसार और अच्छे विचारों की थी, उसको मेहमाननवाजी पसंद थी। उसने इसकी खूब सेवा की जिसके कारण धीरे-धीरे उसका स्वास्थ्य ठीक हुआ परंतु उसकी याददाश्त वापस नहीं आई। बार-बार पूछने के बाद भी उसे अपना नाम, परिवार और गांव का नाम याद नहीं आया। कासिम ने बहुत कोशिश की परंतु सफलता नहीं मिली। इसका एक मुख्य कारण और भी था कि उसको हिंदी नहीं आती थी। वह आदिवासी क्षेत्र से थी जिसकी अपनी ही भाषा थी।

इधर गांव में इसके लापता होने पर गांव वालों ने उसकी चारों ओर तलाश की। आदिवासी समाज में बहुत आक्रोश था कि शायद उनकी महिला को प्रतिद्वंद्वी आदिवासी गांव द्वारा अपहरण कर लिया गया है। इसलिए गांव के लोग छोटे-छोटे समूह बनाकर दूसरे गावों में भी गए। भेष बदल कर भी चारों ओर पता लगाने की कोशिश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसकी खोज के लिए इनाम भी रखा, पुलिस में भी रिपोर्ट कराई, अखबार में भी इश्तहार दिया परंतु सब व्यर्थ गया। गांव वालों का शक दूसरे आदिवासी गांव पर था कि उन्होंने अपहरण कर लिया है और बुढ़िया को कहीं छुपा कर रखा है। कई बार सभी आदिवासी नेताओं की ओर सभी गांवों की महापंचायत भी हुई लेकिन कोई परिणाम ना निकला। इसके बाद इस गांव ने दूसरे गांव से सदा के लिए रोटी-बेटी का रिश्ता तोड़ लिया और एक-दूसरे के दुश्मन हो गए। इसके बाद इनके आपस में छूट- पुट झगड़े शुरू हो गए। इसका पति दबूआ भी इसकी तलाश में कई साल तक इधर-उधर भटकता रहा परंतु पता नहीं लगा पाया और इसी दुःख में बीमार भी हो गया और एक दिन उसका इंतकाल हो गया। उस समय इसके बेटे की शादी को दो वर्ष ही हुए थे परंतु अपने पोते का मुंह नहीं देखा था। पिता की मृत्यु के बाद पुत्रों ने भी मां की तलाश जारी रखी परंतु समय बीतने के साथ-साथ सभी उम्मीदें खत्म होती गईं। रह गईं सिर्फ इसकी एक-दो तस्वीरें और अखबार की कटिंग जिसमें इसका फोटो भी छपा था- 'गुमशुदा की तलाश, बताने वाले को इनाम'।

बुआ को 'अच्छन बुआ' कहते हैं। ये इस परिवार में चालीस साल से हैं। ये इसरार के मरहूम अब्बा मियां कासिम को दमोह बस अड्डे पर बेहोशी की अवस्था में मिली थीं। सिर पर चोट लगने के कारण अपनी याददाश्त खो बैठी थीं। यह औरत अपने पति के साथ बुखार के इलाज के लिए शहर जाने के लिए निकली थी। जिला अस्पताल जाने के लिए दस किलोमीटर के बाद दूसरी बस लेनी पड़ती थी। एक माह से इसका मलेरिया उतर नहीं रहा था। दूसरी बस पकड़ने के लिए जब बस स्टैंड पहुंचे तो...अचानक बस स्टैंड पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और सब जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे और अपनी जान-माल की रक्षा के लिए इधर-उधर छिप गए

जारी...

मध्यम वर्ग की कौन सुनेगा?

विश्लेषण

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

उपभोक्ता बाजार के बढ़ते रुतबे से बदलती स्थितियों में भारत की अर्थव्यवस्था ने नित नये आयाम स्थापित किए हैं। बीते कुछ दशक में भारत की पहचान दुनिया की तेजी से बढ़ती हुईं अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और उपभोक्ता बाजार की इस वृद्धि के प्रमुख कारणों में तेजी से बढ़ता हुआ वह मध्यम वर्ग माना जाता है, जिसने देश में बढ़ती आबादी के साथ तेज शहरीकरण को बढ़ावा देते हुए बाजार की गतिशीलता को बढ़ाने में भी अपना बेहतरीन योगदान दिया है।

दरअसल, भारत मिश्रित और कृषि अर्थव्यवस्था की परंपरागत पहचान के बाद उद्यम, कारोबार और सेवा के क्षेत्र में जो पहचान बनाने में सफल रहा है, उसमें मध्यम वर्ग की अहम भूमिका रही है। देखा गया है कि 20वीं सदी के अंतिम दशक से शुरू हुए आर्थिक सुधारों के बाद देश में मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या और क्रय क्षमता काफी बढ़ी है। परंपरागत भारत के आधुनिक विश्व से कदमताल मिलाने और सबसे आगे रहने की मध्यम वर्ग की बेचैनी और कड़ी मेहनत का ही परिणाम हुआ कि दुनिया के विकसित और विकासशील देशों के उद्यमी और कारोबारी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत का बाजार अमेरिका और चीन के बाद तीसरे नंबर पर होगा। इस तीसरे सबसे बड़े बाजार का आकार तब लगभग 420 लाख करोड़ रुपये का होगा, जो अभी लगभग 105 लाख करोड़ रुपये का है। वर्ष 2030 तक 14 करोड़ लोग मध्यम वर्ग में शामिल होंगे और दो करोड़ लोग मध्यम वर्ग से उच्च आय वर्ग में जाएंगे। ये लोग खाने-पीने, कपड़े, पर्सनल केयर, गैजेट, ट्रांसपोर्ट और हाउसिंग पर दो से ढाई गुना ज्यादा खर्च करेंगे। यह भी दिलचस्प है कि यह विश्वास किया गया है कि 2030 में मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या बढ़कर 80 फीसदी हो जाएगी, तब कुल खर्च में 75 फीसदी हिस्सेदारी इस वर्ग की होगी। भारत का उपभोक्ता बाजार दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उसके बढ़ने का एक बड़ा कारण ई-कॉमर्स का तेजी से बढ़ना भी है, मध्यम वर्ग ने ही ई-कॉमर्स को बढ़ावा दिया है। जाहिर है कि भारतीय समाज का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग मध्यम वर्ग है, जो शिक्षित होकर विकास के साथ हमकदम होता हुआ आर्थिक दृष्टि से संपन्नता की ओर बढ़ने को बेकरार है। भारत में आबादी का पांचवा हिस्सा मध्यम वर्ग है और इसकी भूमिका सामाजिक ताने-बाने से लेकर राजनीतिक बदलावों तक में देखी जाती है। भारत के मध्यम वर्ग की देश के विकास में सकारात्मक भूमिका का ही प्रभाव है कि महामहिम राष्ट्रपति ने साल 2019 में देश भर के विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के बीच साफ कहा था कि 'हमारे ये सभी संसाधन अच्छा कार्य कर रहे हैं, लेकिन हमें इन्हें और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, ऐसे में हमें वैश्विक स्तर की दक्षता हासिल करने की जरूरत है जो विश्व में सबसे बढ़िया और बेहतर हो। हम गरीबी उन्मूलन के लिए प्रयासरत हैं और मध्यम आय वर्ग वाला देश बनना चाहते हैं।'

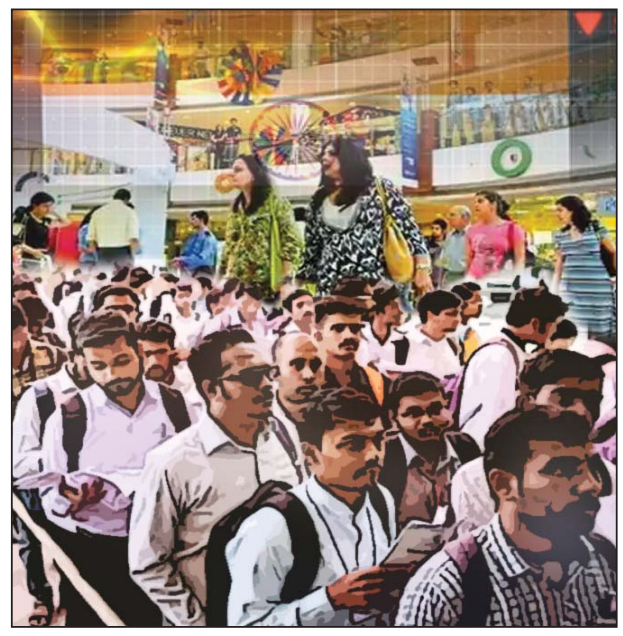

इन सबके बीच सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर विचार किया जाए तो उससे उच्च और पूंजीपति वर्ग लाभान्वित होता नजर आता है, वहीं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की बेहतरी की योजनाएं बड़े पैमाने पर लागू करने की ओर ध्यान दिया जाता है। साल 2019 और 20 के बजट की ही बात की जाए तो सरकार ने अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए कई कदम उठाए और उनमें मध्यम आय वर्ग हेतु सस्ते घरों के लिए मदद की भी घोषणा की जिसमें कुछ लाख लोगों के लाभान्वित होने का दावा भी किया गया। हमारे देश में लगभग सवा तीन सौ मिलियन लोग मध्यम वर्ग में आते हैं और वे बाजार की बेहतरी की कोशिश में अक्सर दूसरे इलाकों में जाकर अपनी सेवाओं और कौशल से योगदान देते हैं। कर को लेकर मध्यम वर्ग का बेहद सकारात्मक दृष्टिकोण होता है, जहां उच्च वर्ग कर बचाने को लेकर कृत संकल्पित नजर आता है, वहीं मध्यम वर्ग प्रतिबद्धता से कर अदायगी को अपना कर्त्तव्य समझता है। पिछले दो-तीन सालों में देश में मंदी का असर रहा है, अर्थव्यवस्था नीचे जा रही है और इसका असर निजी क्षेत्र में काम करने वाले उन कामगारों पर हुआ है, जिन्हें मध्यम वर्ग की रीढ़ माना जाता है।

मंदी के बाद कंपनियों ने छंटनी करते हुए अपने यहां से कर्मचारियों की संख्या में भारी कमी की है और इस प्रकार लाखों नौकरियां खत्म होने से नौजवान हताश, परेशान और आशंकित हैं। वहीं कोरोना काल में घर की चार दीवारी में कैद रहने की उनकी मजबूरियां बेबसी को बढ़ाने वाली हैं। कई राज्यों में सरकारी नौकरियों की भर्ती को रोक दिया गया है और इस प्रकार पढ़े-लिखे वर्ग के सामने यह संकट समस्याओं को बढ़ाने वाला है। इन संकटों से रूबरू मध्यम वर्ग को न तो नोटबंदी से कुछ हासिल हुआ और न ही इनके खातों में सरकार की ओर से पैसे जमा कराए जाते हैं। कोरोना काल में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में कोविड-19 के बाद आर्थिक पैकेज या सामाजिक सुरक्षा की मदद के 246 कार्यक्रम शुरू हुए हैं। दुनिया में जितने भी पैकेज दिए गए हैं, उनसे से 30.7 प्रतिशत कैश ट्रांसफर वाली योजनाएं हैं। अन्य देशों में मध्यम वर्ग को इसका सीधा लाभ मिलेगा लेकिन भारत में मध्यम वर्ग मुफ्त अनाज और मुफ्त घर के लिए न तो योग्य माना जाता है और न ही सरकार की ओर से ऐसा विचार किया जाता है। मंदी के साथ कोरोना महामारी के चलते विशाल असंगठित मध्यम वर्ग विकट आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन उसका दर्द समझने की कोई असरदार कोशिश नहीं हुई है। इन परिवारों को घर चलाने के लिए सामान भी खरीदना है, गाड़ी में महंगा पेट्रोल भी डलवाना है और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते हुए बच्चों की एजुकेशन भी करवानी है। बहरहाल, 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में विशेष योगदान देने वाला मध्यम वर्ग इस समय बेहद संकट में है। यदि इन हालात और चुनौतियों से उसे तुरंत उबारा नहीं गया तो भारत के उपभोक्ता बाजारों की रौनक खत्म हो जाएगी और यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए आत्मघाती हो सकता है। ■

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में कोविड-19 के बाद आर्थिक पैकेज या सामाजिक सुरक्षा की मदद के 246 कार्यक्रम शुरू हुए हैं। दुनिया में जितने भी पैकेज दिए गए हैं, उनसे से 30.7 प्रतिशत कैश ट्रांसफर वाली योजनाएं हैं। अन्य देशों में मध्यम वर्ग को इसका सीधा लाभ मिलेगा लेकिन भारत में मध्यम वर्ग मुफ्त अनाज और मुफ्त घर के लिए न तो योग्य माना जाता है और न ही सरकार की ओर से ऐसा विचार किया जाता है। मंदी के साथ कोरोना महामारी के चलते विशाल असंगठित मध्यम वर्ग विकट आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन उसका दर्द समझने की कोई असरदार कोशिश नहीं हुई है। इन परिवारों को घर चलाने के लिए सामान भी खरीदना है, गाड़ी में महंगा पेट्रोल भी डलवाना है

कला रंग | रवीन्द्र त्रिपाठी

राष्ट्रीय कलाकार नीति चाहिए

इस कोरोना समय में समाज के जिन वर्गों को और भी अधिक सीमांत की तरफ धकेला है, उनमें कलाकार भी हैं। हर विधा के कलाकार-चाहे वे रंगकर्मी हों, पेंटर हों, मूर्तिशिल्पी हों, गायक हों, वादक हों, नर्तक या नृत्यांगना हों या लोक कलाकार हों या फिल्मों में काम करने वाले हों। देश के बड़े-बड़े शहरों से जो खबरें (गावों से भी) आ रही हैं, वे तो यही बता रही हैं कि युवा और संघर्षशील कलाकारों की जान पर बन आई है। सरकारों की तरफ से भी, चाहे वो राज्य सरकारें हों या केंद्र सरकार, ऐसे कलाकारों के लिए ठोस योजना या नीति नहीं है। और न ही इस तरह की योजना या नीति निर्माण की जरूरत महसूस की जा रही है। मुंबई से जो खबरें मिल रही हैं, उनके मुताबिक तो कई कलाकारों-जिनमें फिल्मों में काम करने वाले संघर्षशील कलाकारों से लेकर रंगकर्मी भी शामिल हैं-को खाने के लाले पड़े हुए हैं। अगर वे मुंबई के बाहर के रहने वाले हैं तो ऐसे ज्यादातर कलाकार गुरुद्वारों में भोजन कर रहे हैं।

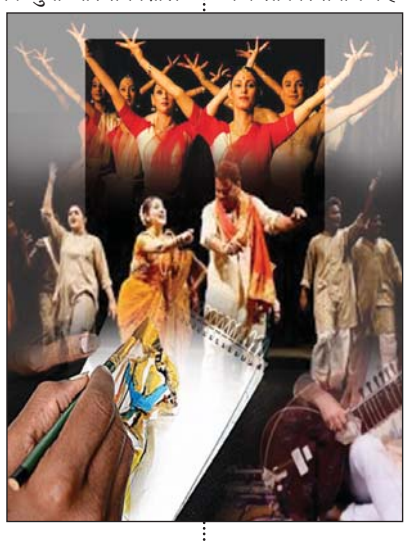

सवाल उठना चाहिए, लेकिन सामूहिक रूप से उठ नहीं रहा है, कि जब कलाकार ही नहीं रहेंगे तो कला कैसे बचेगी? हां, कुछ कलाकार या रंगकर्मी या फिल्म से जुड़े निर्माता-निर्देशक-अभिनेता आदि हैं, जिनके पास पर्याप्त धन और संपदा है, वे तो अपने-अपने घरों में चैन से हैं। लेकिन देश में हर विधा से जुड़े कलाकारों में उनकी ही बहुतायत है, जो दैनंदिन के संघर्ष से ही रोजी-रोटी कमाते हैं।

लाखों, शायद करोड़ों की संख्या में, ऐसे लोक कलाकार हैं, जिनका जीवन ही सरकारी, गैर-सरकारी कार्यक्रमों में शरीक होने के बाद मिलने वाले मेहनताने से चलता रहा है। वे सब अपने-अपने घरों में हैं। वैसे तो देश के किसान और मजदूर भी संकट में हैं और उनका संकट भी गहरा है। लेकिन उनके साथ कम से कम इतना तो होता है कि देश के नीति-निर्माताओं का ध्यान उनकी तरफ जाता है और राष्ट्रीय संपदा का एक बेहद छोटा हिस्सा ही सही, उनको मिलता है। और अलग से कहने की जरूरत नहीं कि यह अत्यंत अपर्याप्त होता है। लेकिन कलाकारों के साथ तो यह भी नहीं होता है। वे न तो सरकारों के नीति-निर्माताओं के संज्ञान में होते हैं और न ही टीवी मीडिया के। ये कलाकार समाज में हैं पर अदृश्य से हैं। जो कलाकार-पेंटर या रंगकर्मी निजी स्कूलों में अध्यापन का काम करते हैं, वे इन दिनों या तो हटा दिए गए हैं, या उनके वेतन इतने कम कर दिए गए हैं कि जीवन में बदहाली आ गई है। सिर्फ सरकारी नौकरियों में लगे कलाकार-जिनकी संख्या बहुत कम है, ही बिना किसी तनाव के हैं पर उनकी संख्या भी कम ही है। क्या कलाकारों की इस गहरी और गंभीर समस्या के प्रति समाज और सरकार का ध्यान नहीं खींचा जाना चाहिए?

वैसे यह मांग तो बरसों से है कि देश में कोई संस्कृति नहीं है पर आज जो हालात हैं, उनमें यह मांग ज्यादा जरूरी और अहमियत वाली है कि कलाकारों के लेकर कोई नीति होनी चाहिए। क्या ऐसे कलाकारों का कोई संघ या संगठन नहीं होना चाहिए? जिनके पास कोई नौकरी जैसी सामाजिक सुरक्षा नहीं है और उनके लिए क्या किया जाए? हां, कुछ नाट्य दल जैसे हैं, जिनको सरकारी अनुदान मिलते हैं। हालांकि उनमें भी कई तरह की समस्याएं हैं पर उनकी संख्या भी बहुत कम है। इसलिए जिन कलाकारों को कहीं से अनुदान नहीं मिलते, उनके लिए सोचने का वक्त यही है। क्या 'प्रधानमंत्री केयर फंड' से ऐसे कलाकारों को मदद नहीं मिलनी चाहिए? अगर कलाकार ही जीवित नहीं रहेगा तो कला कैसे बचेगी? फिलहाल तो देश में संस्कृति नीति से अधिक कलाकार-नीति की जरूरत है। ■

लय-सुर-ताल | रवीन्द्र मिश्र

सुरों के रंग बिखेरतीं सुमन

हिंदुस्तानी संगीत में गजल गायकी का उद्गम मध्य काल में सामंती राज्य में हुआ। शुरू में भावप्रधान गजल को तरन्नुम से गाया जाता था। इसकी कोई खास शैली नहीं थी। संगीत के शौकीन नवाब वाजिद अली शाह के शासनकाल में उपशास्त्रीय संगीत में ठुमरी, कजरी, दादरा, होरी आदि के साथ गजल भी शामिल हुई और एक बड़ी सीमा तक इस गायकी की रूहानियत ने लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ीं। इसकी वजह थी इसके गाने का शोखीभरा अंदाज। गजल गायन को समृद्ध करने में असली मोड़ तब आया जब गजल-ए-मलिका बेगम अख्तर ने इसे शास्त्रीय संगीत की रंगत दी और इसे अपनी कूवत से लोकप्रियता की बुलंदी पर पहुंचा दिया।

उन्होंने गजलों को बड़ी सूझबूझ से रागों में निबद्ध किया और विविधतापूर्ण भावों को उभारने और सुरों में पिरो कर पेश करने में जो अनोखा अंदाज दिया वह संगीत की दुनिया में एक उपलब्धि थी और उससे शास्त्रीय गजल गाने में नया द्वार खुला। अपने अनूठे और जादुई गायन से वे चार दशक तक गजल गायकी में छाई रहीं। उनको गुजरे तकरीबन 30 साल हो गए हैं पर अभी भी उनके गाने की छाप पुराने संगीत रसिकों के दिलों पर है। दरअसल, वे अपनी गायकी की एक बड़ी विरासत छोड़ गई हैं, जिसे उनके कुछ शागिर्द और उनकी गायन शैली का अनुकरण करने वाली गायिकाएं संभाले हुए हैं। उनमें एक नाम है सुमन देवगन। पूरब अंग की गायकी में ठुमरी, कजरी, चैती, दादरा, होरी, झूला और सुगम संगीत के गीतों को गाने के अलावा गजल गाने में सुमन देवगन अपना अलग मुकाम रखती हैं। शास्त्रीय अंदाज से गजल गाने में वे बेगम अख्तर की अनुगामी हैं।

तकरीबन 40 सालों से वे खुली, खनकती और शोखभरी आवाज से गजल गाने में अपनी मुक्कमल जगह हासिल कर चुकी हैं। उन्होंने संगीत की छोटी महफिलों से लेकर बड़े समारोहों में गजल गाने में दस्तक दी और अपने सुरों के रंग बिखेरे हैं। हालांकि गजल गाने में अब पुरानी रवायत खत्म होती जा रही है पर सुमन देवगन ने इस रिवायत को जिन्दा रखने में पूरी तरह सक्रिय होने का परिचय दिया है। गजल के साथ सूफी गायन में भी उनकी खासी पकड़ है। सुमन ऑल इंडिया रेडियो, संगीत नाटक अकादमी और दूरदर्शन की-ग्रेड कलाकार हैं। अपने प्रभावी गायन से उन्होंने देश और विदेश के संगीत रसिकों से खासी सराहना अर्जित की है। कोरोना के प्रकोप में वे भी अपने घर में कैद हैं। इस खाली समय में संगीत की साधना के साथ लोगों के मन को सुकून और आनंद देने के लिए ऑनलाइन के माध्यम से अपने सरस गजल गायन को प्रस्तुत कर रही हैं। उनमें कुछ गजलें-'जो दिल के आईने में सच न देख पायेगा, वह दोस्ती का फर्ज कैसे निभाएगा', 'शहरे जिंदगी तन्हा, घर के बामो-दर तन्हा', 'तुमको हम दिल में बसा लेंगे, तुम आओ तो सही' आदि गजल को सुन कर सुनने वाले इतने मोहित हुए कि बार-बार सुनने की फरमाइश करने लगे। गजल गायन में पाकिस्तान के मेहंदी हसन बड़ी हस्ती थे। उनकी शौहरत दुनियाभर में थी। उन्होंने अपने अनूठे और विलक्षण गायन से जो रंग भरा उसने गजल गायकी में एक इतिहास रच दिया। सुमन देवगन भी मेहंदी हसन के गाने की कायल हैं और मेहंदी हसन के गायकी के अंदाज को सुमन ने अपने गायन में भी उतारा है। ■

गुरुग्राम में कोरोना के 130 नए मामले, तीन की मौत

गुरुग्राम (एसएनबी)। जिला में शनिवार को आए 130 नए कोरोना पॉजिटिव केसों के साथ जनपद में संक्रमितों का आंकड़ा 5829 हो गया। अब तक जिला में कोरोना से 99 लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को तीन की मौत हुई। जिले में कुल ठीक होने वालों की संख्या 4496 हो गई है।

कोरोना की शुरुआत में 17 मार्च 2020 को 1486 यात्रियों, संदिगध केसों की पहचान की गई थी। अब तक 3 महीने 17 दिन में गुरुग्राम जिला में कोरोना के केसों की संख्या 5829 हो गई है। अब यहां कोरोना पॉजिटिव एक्टिव केसों की संख्या 1234 रह गई है। अब तक 47311 लोगों को सर्विलांस पर रखा गया है, जिनमें से 28758 ने अपना यह पीरियड पूरा कर लिया है। कुल 41461 के सेंपल जांच को भेजे गए, जिनमें से 32992 की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। शनिवार को यहां 3 मौतों के साथ आंकड़ा 99 तक पहुंच गया है।

शिमला : उपायुक्तों एवं विकास खंड अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करते हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर। *फोटो : एसएनबी*

लाभार्थियों से संपर्क को बनानी होगी प्रणाली : जयराम

शिमला (एसएनबी)। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि हमें लगातार विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने व लगातार सम्पर्क में रहने के लिए एक प्रणाली बनानी चाहिए। इसके साथ ही इस कार्य के लिए तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सीएम ने खण्ड विकास अधिकारियों को पंचायत स्तर पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों का डाटा तैयार करने के निर्देश दिए ताकि इन सभी की त्वरित जानकारी उपलब्ध हो सके। यह बात उन्होंने शनिवार को वीडियो कॉन्फेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों एवं विकास खण्ड अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने हमें और अधिक प्रतिबद्धता व अलग रणनीतियों के साथ काम करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य की सभी विकासात्मक गतिविधियां मुश्किल के इस समय में भी निर्बाध चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान भारत और हिमकेयर, उज्ज्वला योजना और गृहिणी सुविधा योजना, आवास योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास

> **सीएम ने दिए खंड विकास अधिकारियों को पंचायत स्तर पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों का डाटा तैयार करने का निर्देश**

योजना तथा भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अधीन पंजीकृत कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों, सहारा योजना और जन-धन योजना के लाभार्थियों को प्रथम चरण में सूचीबद्ध किया जाएगा।

बजट कार्यों को समय सीमा में पूरा करने का निर्देश : मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने अधिकारियों को बजट आश्वासनों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए ताकि इन योजनाओं का लाभ लक्षित समूहों तक पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां वर्ष 2020-21 के लिए बजट प्राथमिकताओं पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्ण जयंती ज्ञानोदय क्लस्टर श्रेष्ठ विद्यालय योजना शुरू की जा रही है और इस योजना के तहत प्रदेश के सौ विद्यालयों का गुणात्तमक बदलाव तथा छात्र-शिक्षकों का उचित अनुपात सुनिश्चित कर सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 15 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 12 महाविद्यालयों में स्नातक स्तर के व्यावसायिक पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स भी शुरू किए गए हैं ।

संक्षिप्त खबरें

हादसे में कार सवार तीन लोगों की गई जान

चंडीगढ़ (भाषा)। सोनीपत में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को एक वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी जिससे कार में सवार दिल्ली के तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह हुई दुर्घटना में कार दिल्ली से सोनीपत के मुरथल की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में एक महिला शामिल है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि कार में सवार लोग दिल्ली के रहने वाले थे। मामला दर्ज किया गया है।

गौरव टोंक के नए जिला कलक्टर और ओमप्रकाश होंगे एसपी

टोंक। जिला कलक्टर केके शर्मा एवं जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंधू का तबादला किया गया है। आईएएस गौरव अग्रवाल को अजमेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त पद से स्थानान्तरित करके टोंक में जिला कलक्टर के पद पर लगाया गया है। टोंक के जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंधू का तबादला कर जयपुर में पुलिस उपायुक्त यातायात में लगाया गया है। उनकी जगह पुलिस अधीक्षक सीआईडी (मानवाधिकार) ओमप्रकाश को टोंक में जिला पुलिस अधीक्षक लगाया है।

पंजाब में पवित्र ग्रंथ चोरी करने के सात आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़ (आईएएनएस)। सिखों के पवित्र ग्रंथ-गुरु ग्रंथ साहिब की चोरी से जुड़े पांच साल पुराने जघन्य अपराध में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जालंधर रेंज के उप महानिरीक्षक रणबीर सिंह खटरा के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल ने पंजाब के फरीदकोट जिले से डेरा सच्चा सौदा के सात अनुयायियों को शनिवार को गिरफ्तार किया। इन लोगों को बुर्ज जवाहर सिंह वाला गांव से गुरु ग्रंथ साहिब की 'बिर' चोरी करने के लिए गिरफ्तार किया गया है।

हिप्र में कोरोना से नौवीं मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कोरोना के कारण नौवीं मौत हुई है। यह मौत जिला हमीरपुर में हुई है तथा उपचार के लिए नेरचौक मेडीकल कॉलेज में भर्ती थे। उधर राज्य में कोरोना पॉजिटिव के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 1041 हो गई है। प्रदेश में शनिवार को कोरोना के आठ नए मामले आए। जिला हमीरपुर से 7 तथा कांगड़ा से एक नया मामला आया है। इसके तहत जिला बिलासपुर में एक, कांगड़ा में 2, मण्डी में एक, सोलन में 5, शिमला में 5 व सिरमौर में एक संक्रमित स्वस्थ हुआ है। इसी के साथ प्रदेश में कोरोना संक्रमण से ठीक होने वालों की संख्या 686 हो गई है।

करंट से बिजलीकर्मी की मौत

महेंद्रगढ़। उन्हाणी निवासी बिजली बोर्ड कनीना में डीसी रेट पर कार्यरत कर्मचारी प्रदीप (31) की काम करते समय करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई की शिकायत पर संबंधित लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का शनिवार को महेंद्रगढ़ के उप नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक के चचेरे भाई संदीप कुमार ने दी शिकायत में बताया कि वह गांव उन्हानी का रहने वाला है।

सिरसा और हिसार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतरेंगे लड़ाकू विमान

सिरसा (वार्ता)। भारत के पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण सम्बंधों के चलते भारतीय वायु सेना ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं और ऐसे में उसने हरियाणा के सिरसा और हिसार जिलों से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-नौ पर दो हवाई पट्टियां बनाने का फैसला लिया है।

हरियाणा में सिरसा स्थित वायु सेना केंद्र देश के अहम केंद्रों में से एक है ऐसे में हवाईपट्टी की व्यस्तता के समय वायुसेना ने आपात स्थिति में लड़ाकू विमानों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतारने का निर्णय लिया है। इस सम्बंध में सिरसा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-नौ पर साहुवाला और पन्नीवाला मोटा गांवों के निकट पांच किलोमीटर लम्बी हवाई पट्टी बनाई जाएगी।

वायु सेना के इस सम्बंध में प्रस्ताव पर अमल करते हुये भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इसकी प्रक्रिया आरम्भ कर दिया है। प्राधिकरण के अभियंता कालू राम ने बताया कि फिलहाल यह मार्ग 17 मीटर चौड़ा है जिसे बढ़ाकर 60 मीटर किया जाएगा वहीं मार्ग को तारकोल के बजाय आरसीसी कंकरीट में परिवर्तित किया जाएगा। सड़क के दोनों ओर पेड़ों और बिजली के खंबों को हटाने की प्रक्रिया प्रशासनिक तौर पर आरम्भ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सड़क पर दोनों ओर की हाई टेंशन बिजली लाईनों को हटाने पर चार करोड़ रूपये ज्यादा का खर्च आएगा जिसका अनुमान विद्युत विभाग ने दे दिया है जबकि अन्य औपचारिकताएं एनएचएआई द्वारा पूरी की जा रही हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत

गुरुग्राम (एसएनबी)। पटौदी कस्बे के जनौला गांव में शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को कुचल दिया। हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने शनिवार को इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। दोनों युवक पालम एयरपोर्ट पर काम करते थे। पटौदी थाना पुलिस ने मृतक के भाई के बयान पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पटौदी थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

झज्जर के पटौदा गांव निवासी उदय सिंह (50) और महनियावास निवासी मुंशीलाल (57) दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर काम करते थे। शुक्रवार देर रात दोनों ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। बाइक उदयसिंह चला रहा था जबकि मुंशीलाल बाइक पर पीछे बैठा हुआ था। देर रात जनौला बस स्टैंड के निकट तेज रफ्तार में सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार दी थी उदयसिंह ट्रक के टायर के नीचे आ गया जिसकी मौके पर ही मौत हो गई जबकि मुंशीलाल को गम्भीर चोटें लगी।

हादसे के बाद आरोपी ट्रक लेकर फरार हो गया। हादसे की सूचना के बाद लोगों की मदद से मुंशीलाल को गुरुग्राम स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां शनिवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चालक की पहचान की कोशिश कर रही है। शनिवार को पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौप दिया।

रणदीप सुरजेवाला ने महंत रामभज के निधन पर जताया शोक

कैथल (एसएनबी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला गांव सांगन के श्रृंगी ऋषि आश्रम शोक व्यक्त करने पहुंचे और महंत के हत्यारों को सजा दिलाने की इस लड़ाई में साथ खड़े रहने की बात कही। पिछले दिनों गांव सांगन के श्रृंगी ऋषि आश्रम के महंत रामभज की कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी। ग्यारह दिन बीतने के बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

महंत रामभज की हत्या से समस्त गांव सांगन व श्रद्धालु दुखी व गहरे सदमे में हैं। उन का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के कारण महंत के हत्यारों को नहीं पकड़ा जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश सरकार के शासन में हरियाणा का हर नागरिक भय व डर के साए में जी रहा है। अब तो साधु संतों को भी मौत के घाट उतारा जा रहा है।

पावर ग्रिड ने सौंपी दो एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस

गुरुग्राम (एसएनबी)। कोविड-19 के संक्रमण से निपटने में हरियाणा सरकार को सहायता पहुंचाने में पावर ग्रिड कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा अग्रणी भूमिका निभाई गयी है। इसी क्रम में कंपनी के निदेशक (कार्मिक) विनोद कुमार सिंह ने आयुक्त अशोक सांगवान और उपायुक्त अमित खत्री की उपस्थिति में अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा और सीईओ जीएमडीए वीएस कुंडू को दो लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की चाबी सौंपी।

पावरग्रिड ने सीएसआर के तहत हरियाणा के सरकारी अस्पतालों को अब तक कुल आठ लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस प्रदान किए हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों ने कोविड -19 महामारी से लड़ने में हरियाणा सरकार को पावर ग्रिड द्वारा दी जा रही मदद की सराहना की। इस कार्यक्रम में श्री गौरव सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं क्षेत्रीय प्रमुख-एचसीएसआरएबी (गुरुग्राम) और श्री एके दीक्षित, वरिष्ठ महाप्रबंधक, सीएसआर, पावरग्रिड भी उपस्थित थे। कोविड-19 के प्रकोप से निबटने की तैयारियों के तहत पूरे देश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पावरग्रिड के सभी सब-स्टेशनों के प्रचालन एवं अनुरक्षण की एक बैक अप योजना तैयार की गई है और देश भर में 247 बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

निजी ट्रेनों के संचालन को जयपुर बनेगा कलस्टर

■ श्याम सुंदर शर्मा

जयपुर। एसएनबी

रेलवे द्वारा वर्ष 2023 से शुरू होने वाली निजी ट्रेनो में 20 ट्रेनें जयपुर, जोधपुर, कोटा और अजमेर से चलेंगी। इनमें जयपुर को आठ, जोधपुर को छह, अजमेर को चार और कोटा को दो निजी ट्रेने मिलेंगी। रेलवे ने देश में 12 कलस्टर बनाए है जिसमें से प्रदेश के लिए जयपुर कलस्टर बनाया है। इसमें 18 ट्रेन जयपुर कलस्टर को मिलेंगी और दो ट्रेन दिल्ली कलस्टर से जोड़ी जाएंगी।

रेलवे ने राजस्थान कलस्टर से खुद के लिए 2,329 करोड़ कमाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए निजी ऑपरेटर को मनचाहा किराया वसूलने की छूट दी गई है। यात्री से पसंद की सीट, लगेज, बैगेज व स्टेशन परिसर के उपयोग का भी शुल्क वसूल सकेगा। रेवले बोर्ड द्वारा निजी ट्रेन संचालन की वित्तीय बोलियां आगामी नवंबर तक मंगा ली जाएंगी।

> **जयपुर कलस्टर को मिलेगी 18 निजी ट्रेन और दो ट्रेनें जुड़ेंगी दिल्ली कलस्टर से**

प्राइवेट कंपनियों को रेलवे की बुनियादी सुविधाओं, बिजली, स्टेशन व रेलमार्ग इत्यादि के उपयोग का शुल्क भी देना होगा। निजी ऑपरेटर की ट्रेन को भी यात्री मिले, इसके लिए रेलवे अपनी ट्रेनों को निजी ट्रेन से एक घंटे के अंतराल में चलाएगा। इन ट्रेनों के टिकट रेलवे के मौजूदा सिस्टम से ही बुक होंगे। भविष्य में चलने वाली निजी ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को समय बचत और सुविधाए अधिक देने का प्रावधान करने का प्रस्ताव है। अब प्रस्तावित रूट में अजमेर से मुंबई तक यात्रा साढ़े सत्रह घंटे की जगह साढ़े पंद्रह घंटे रहेगा।

जयपुर से मुंबई 17.55 घंटे की जगह 15.35 घंटे और अजमेर से दिल्ली आठ घंटे की जगह 6.25 घंटे, जयपुर से वैष्णोदेवी 24.25 घंटे की जगह 17.15 घंटे,जयपुर से जैसलमेर 12.30 घंटे की जगह 11.50 घंटे,कोटा से जयपुर 7 घंटे की जगह 6.10 घंटे,जोधपुर से साबरमती 8.55 घंटे की जगह 8.40 घंटे और जोधपुर से दिल्ली 10.55 घंटे की जगह 10.30 घंटे प्रस्तावित किया हैं।

कोर्ट कैम्पस में पेड़ से लटका मिला सेशन गार्ड

टोंक (एसएनबी)। जिला एवं सेशन न्यायालय कैम्पस में शनिवार को सेशन गार्ड का शव पेड़ से लटका मिला। इसकी सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक चन्द्रसिंह रावत व जिला एवं सेशन न्यायाधीश अजय शर्मा भी घटना स्थल पर पहुंच गए। मृतक कांस्टेबल प्रेमचन्द गुर्जर के शव का सआदत अस्पताल टोंक में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन शर्मा ने बताया कि टोंक जिले की टोडारायसिंह तहसील का बरवास निवासी कांस्टेबल प्रेमचन्द गुर्जर पुत्र राधाकिशन गुर्जर जिला न्यायालय टोंक के डबल लॉक मालखाना में सेशन गार्ड के पद पर तैनात था। शनिवार तड़के करीबन एक बजे कोतवाली पुलिस थानाधिकारी किशन लाल यादव नाइट ड्यूटी में गश्त करने के लिए आये थे उस वक्त प्रेमचन्द गुर्जर ड्यूटी पर था। करीब चार बजे अन्य गार्ड को चार्ज देने के बाद नीचे आ गया था ,जिसके बाद कांस्टेबल प्रेमचन्द गुर्जर का शव कोर्ट की मुख्य बिल्डिंग के पीछे स्थित अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश कोर्ट के कैम्पस में पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने प्रारम्भिक रूप से आत्महत्या का मामला दर्ज किया है वहीं एसएफएल ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

राजस्थान भाजपा के सेवा कार्यों की पीएम ने प्रशंसा की

जयपुर (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लाकडाउन में की गई सेवा के लिए राजस्थान की जनता और भाजपा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के साथ कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रचनात्मक सहयोग कैसे दिया जाता है, जनता के सुखदुख में कैसे शामिल होते हैं, यह राजस्थान की जनता ने सीखना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लॉकडाउन में किए गए सेवाकार्यो की समीक्षा के दौरान पीएम मोदी ने यह बात कही।

केंद्रीय भाजपा संगठन द्वारा शनिवार को सेवा ही संगठन नाम के कार्यक्रम में जयपुर से जुड़कर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने लॉकडाउन में किए कामों का प्रस्तुतिकरण पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में के रखा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने 1.90 करोड़ लोगों को भोजन पहुंचाया है।

प्रदेश के 52 हजार बूथों से संवाद कर 24 लाख कार्यकर्ता और जनता से जोड़ने का काम किया । उन्होंने बताया कि 2.65 लाख लोगों से पीएम केयर्स फंड में सहयोग प्राप्त किया। भाजपा संगठन ने 91 लाख मास्क दने का काम किया। 5 लाख प्रवासियों को कार्यकर्ताओं भोजन और चरण पादुका वितरित की। इसके अलावा भाजपा नेताओं ने 285 परिवारों को अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार भेजा और भाजयुमो ने 11736 यूनिट रक्तदान औरप्रदेश में 3 लाख से ज्यादा परिंडे लगाए। पूनियां ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार द्वारा राशन सामग्री वितरण में भेदभाव का मामला उठाया।

जयपुर एयरपोर्ट से 14 बंदी 31.99 किलो सोना बरामद

जयपुर (एसएनबी)। यहां एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तस्कर करीब 31.99 किलो सोना दो चार्टर विमानों के जरिए यूएई और सउदी अरब से लाए थे। इसकी कीमत करीब 15.67 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये सभी लोग इमरजेंसी लाइट की बैटरी में सोना भरकर लाए थे। सोना बिस्किट के रूप में है। जिसका वजन करीब 900 ग्राम है।

पहली फ्लाइट स्पाइसजेट की एजी-9055 यूएई के रस अल खेमाह से जयपुर पहुंची थी। इस फ्लाइट में तीन तस्करों से 9.30 किलो सोना बरामद किया गया। इसकी अनुमानित कीमत करीब 4.60 करोड़ रुपए थी। जिसके बाद देर रात स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-9647 रियाद से जयपुर पहुंची। इसमें 11 यात्रियों से 22.652 किलो सोना पकड़ा गया। इसकी अनुमानित कीमत 11.3 करोड़ रुपए है।

मेडिकल कॉलेज खुलने से लोगों को मिलेगा लाभ : कमलेश

कैथल (एसएनबी)। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि जिले में बनने वाला मेडिकल कॉलेज की सौगात से जिला के लोगों को काफी लाभ होगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा की सेहत को बेहतर करने के लिए 22 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। मेडिकल कॉलेज खोलने की शुरुआत अलग-अलग जिलों में शुरू हो गई है। जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने से जनता को भटकना नहीं पड़ेगा, साथ में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कलायत, राजौंद एवं कैथल ब्लॉक के सरपंच प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री द्वारा दी गई जिला में मेडिकल कॉलेज की सौगात देने पर राज्य मंत्री कमलेश ढांडा का विशेष तौर पर धन्यवाद किया।

राज्यमंत्री ने कहा कि मनोहर लाल ने सबका साथ-सबका विकास के पथ पर चलते हुए बगैर किसी भेदभाव के पारदर्शी तरीके से हरियाणा का विकास कर रहे हैं। वो हरियाणा एक-हरियाणवी एक के नारे को धरातल पर सफल भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास रहेगा कि कैथल जिले की सभी मौलिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास किया जाए और समाज के सभी वर्गो के हितों को ध्यान में रखकर नीतियों को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाए।

टीचरों ने किया प्रदर्शन। सरकार द्वारा हटाए गए पीटीआई टीचरों ने अपनी मांगों को लेकर कैथल में राज्यमंत्री कमलेश ढांडा के निवास पर प्रदर्शन किया। हटाए गए टीचरों का कहना है कि वे अपनी मांगों का ज्ञापन देने पूर्व सूचना के अनुसार राज्य मंत्री के निवास पर पहुंचे थे लेकिन पुलिस ने राज्य मंत्री के निवास को चारों ओर से घेर लिया और उन्हें ज्ञापन नहीं देने दिया।

नारनौल में पुलिस गश्त बढ़ी

नारनौल (एसएनबी)। लाकडाउन में छूट के बाद अब कई जगहों पर बाइक चोरी व अन्य चोरी की वारदात होने पर पुलिस अधीक्षक सुलोचना गजरात ने जिले की गश्त को बढ़ा दिया है। सभी बारी-बारी से 6 से 11 बजे तक व 11 से 4 बजे तक गश्त करेंगे। पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार ने शनिवार को बताया चार इंस्पेक्टर को अलग से गश्त पर लगाया गया हैं। अब ये इंस्पेक्टर सायं 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक बारी बारी से जिले में गश्त करेंगे।

कांवड़ियों पर बैन : पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते केस को देखते हुए उतराखंड सरकार ने कांवड़ियों के लिए कांवड़ लाने के लिए बैन लगा दिया है। इसकी जानकारी उत्तराखंड सरकार ने सभी राज्यों को दी है।

एसओजी के एडीजी के नाम पर मांगी दो करोड़ रिश्वत, केस दर्ज

जयपुर (एसएनबी)। प्रदेश में एसओजी-एटीएस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल पालीवाल के नाम पर एक एडिशनल एसपी द्वारा दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रिश्वत की यह रकम एक क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के संचालकों से मांगी गई थी। यह मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय तक पहुंचा। एसीबी शिकायत के सत्यापन के दौरान सामने आया कि एडिशनल एसपी सत्यपाल मिड्डा ने एडीजी अनिल पालीवाल के नाम पर मांगी गई रिश्वत में पहली किश्त के रूप में 30 लाख रुपए मांगे हैं। इस शिकायत का सत्यापन होने पर एसीबी ने एएसपी सत्यपाल मिड्ढा व अन्य के खिलाफ अभियोग संख्या 108/2020 धारा 7, 7 ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं धारा 120 बी आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस संबंध में परिवादी ने एसीबी में शिकायत दर्ज करवाई कि उनकी एक क्रेडिटी कपरेटिव सोसायटी है। यह सोसायटी अपने सदस्यों से डिपोजिट लेने और ऋण देने का काम करती है। सोसायटी के खिलाफ एक शिकायत की जांच एसओजी में पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु खत्री एवं एडिशनल एसपी सत्यपाल मिड्डा द्वारा की जा रही थी।

कोरोना की रोजाना जांच की क्षमता हुई 41 हजार से ज्यादा : डॉ. रघु शर्मा

जयपुर (एसएनबी)। राजस्थान ने कोरोना के 41 हजार से ज्यादा टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता विकसित कर ली है, जल्द ही राज्य में 50 हजार से ज्यादा जांचें भी होने लगेंगी। प्रदेश के 20 जिलों में कोरोना टेस्टिंग की भी सुविधा शुरू हो चुकी है, शेष बचे जिलों में भी शीघ्र ही कोरोना की जांच होने लगेंगी। चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि जब प्रदेश में जब पहला कोरोना का मामला सामने आया था तब कोरोना के सैंपल पुणे की लैब में जांचने के लिए भेजे जाते थे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रतिदिन 41450 से ज्यादा जांचें प्रतिदिन करने की क्षमता विकसित कर ली है। उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रदेश 50 हजार से ज्यादा जांच करने की भी क्षमता हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना से मुकाबले के लिए सभी इंतजाम कर रखे हैं। कहीं किसी चीज की कोई कमी नहीं है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि यह सरकार के बेहतर इंतजामों की ही बानगी है कि प्रदेश में कोरोना पॉजीटिव से निगेटिव होने वाले वालों का रिकवरी रेशो 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है। प्रदेश में कुल 19256 केसेज में से 15352 लोग स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बनाए संस्थागत क्वारंटाइन सेंटर्स और होम क्वारंटाइन के जरिए लोग जल्दी स्वस्थ हो रहे हैं। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि तेजी से जांच की सुविधा बढाने से रिकवरी में फायदा मिला है। उन्होंने बताया कि हाई रिस्क लोगों और बुजुर्गों को हॉटस्पाट के तौर पर चिन्हित किया गया, साथ ही उनपर पूरी निगरानी रखी गई। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक लगभग 9 लाख लोगों का सैंपल लिया जा चुका है।

सिंचाई के लिए बनाए गए राजवाहों में पानी न आने से किसानों में रोष

कैथल (एसएनबी)। फसल सिंचाई के लिए बनाए गए राजवाहे सूखे पड़े हैं। किसान पानी के इंतजार में बैठे हैं लेकिन संबंधित विभाग द्वारा आज तक नहरी पानी नहीं छोड़े जाने से किसानों में सरकार के प्रति गुस्सा है। जाजनपुर के खेतों से निकल रहे राजवाहे में पानी नहीं छोड़े जाने से वहां के किसान काफी चिंतित हैं।

किसान रमेश कुमार, दीदार सिंह, बीरा राम, गुरप्रीत सिंह, नरेश कुमार, कृष्ण कुमार, राजीव कुमार, बलवान सिंह ने बताया कि 15 जून से धान की रोपाई का काम शुरू हो चुका है। लेकिन सिंचाई विभाग द्वारा रजवाहे में पानी नहीं छोड़े जाने से धान की रोपाई काफी प्रभावित हो रही है। इस बारे में नहर विभाग के एसडीओ अनुभव भानपुर ने बताया कि हर वर्ष 25 जून को नहर नहरी पानी सिंचाई के लिए छोड़ दिया जाता था। लेकिन इस बार बरसात न होने के कारण पीछे से पानी की समस्या आ रही है। उम्मीद है कि अगले चार दिनों तक नहरी पानी कृषि सिंचाई के लिए छोड़ दिया जाएगा।

समय से पहले तैयार होगा लॉजिस्टिक हब : दुष्यंत

सिरसा (एसएनबी)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि नारनौल में तय समय सीमा से पहले ही इंटीग्रेटिड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब बनकर तैयार होगा। हब 886.78 एकड़ भूमि पर बनेगा जबकि 393.22 एकड़ हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं ढांचागत विकास निगम के लिए दक्षिण हरियाणा में सड़क तंत्र विकसित करने के लिए है। उन्होंने कहा कि इसमें से 700 एकड़ भूमि हब के लिए उपलब्ध हो चुकी है जबकि 170 एकड़ अतिरिक्त भूमि उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वह शनिवार को बरनाला रोड स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हब में आयात, निर्यात, डोमेस्टिक कंटेनर यार्ड, कार्गो कंटेनर के स्टोरेज व ढुलाई के लिए कंटेनर फ्रंट स्टेशन, ऑटो जोन, वाणिज्यिक क्षेत्र और बिजली सब-स्टेशन, वाटर टैंकस एवं पाइप्स, सुरक्षा और ट्रकों की पार्किंग आदि के लिए सांझा क्षेत्र निर्धारित किया गया है। यह परियोजना हरियाणा-राजस्थान सीमा के लगते नांगल चौधरी के तीन गांवों बशीरपुर, घाटासेर तथा तालोट के बीच होगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से निपटने को प्रदेश सरकार ने मजबूत कदम उठाए हैं, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। उत्तरप्रदेश व हरियाणा के 9 जिलों की कोविड को लेकर बैठक भी हुई थी। उन्होंने कहा कि कोविड से प्रदेश के 4 जिले ज्यादा प्रभावित हैं। यहां टेस्टिंग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना को हराने के लिए प्रदेश में एंटी बॉडी टेस्टिंग भी शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग में सभी को मजबूती से लड़ने की जरूरत है तभी इसे हराया जा सकता है। पंचायती राज चुनाव को लेकर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में समय पर ही चुनाव होंगे। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बरोदा उपचुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि इसके लिए गठबंधन तैयार है। भाजपा व जजपा द्वारा मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा और जीत भी हासिल की जाएगी। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला के बरोदा उपचुनाव जीतने के दावे पर उन्होंने कहा कि उनकी बात पर वे कभी प्रतिक्रिया नहीं देते।

आज का दिन और पंचांग

पं. कृष्ण गोपाल मिश्र

रविवार, 5 जुलाई, 2020

4 | शु.2 | बु.सू.रा.3 | 5 | 1 | 6 | मं.12 | 7 | चं.वृ.के.9 | 11 | 8 | श.10

दैनिक सूर्योदय : दिल्ली-प्रातः 05:28, काशी-प्रातः 05:12, कानपुर-प्रातः 05:21, पटना-प्रातः 05:013 देहरादून-प्रातः 05:21, गोरखपुर-प्रातः 05:08, लखनऊ-प्रातः 05:17 बजे। **दैनिक सूर्यास्त :** दिल्ली-रात्रि 07:22, काशी-सायं 06.52, कानपुर-रात्रि 07:05, पटना-सायं 06:44, देहरादून-रात्रि 07:23, गोरखपुर-सायं 06:54, लखनऊ-रात्रि 07:03 बजे। **दैनिक चंद्रोदय :** दिल्ली-रात्रि 07:44, काशी-रात्रि 07:12, कानपुर-रात्रि 07:26, पटना-रात्रि 07:04, देहरादून-रात्रि 07:45, गोरखपुर-रात्रि 07:14, लखनऊ-रात्रि 07:25 बजे। **दैनिक चंद्रास्त :** दिल्ली-प्रातः 05:17, काशी-प्रातः 05:01, कानपुर-प्रातः 05:10, पटना-प्रातः 04:52, देहरादून-प्रातः 05:10, गोरखपुर-प्रातः 04:56, लखनऊ-प्रातः 05:06 बजे। राहुकाल 04:30 बजे से 06:00 बजे तक। राष्ट्रीय आषाढ़ 14, शक् संवत् 1940। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, संवत् 2077, सौर (मिथुन) आषाढ़ मास की 22, प्रविष्टें। जिल्काद 13, हिजरी 1441 (मुस्लिम)। ग्रीष्म ऋतु। आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा प्रातः 10:14 बजे तक तदन्तर श्रवण कृष्ण प्रतिपदा तिथि शुरु। पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:01 बजे तक तदन्तर उत्तराषाढ़ा नक्षत्र शुरु। ऐन्द्र योग रात्रि 11:01 बजे तक तदन्तर वैधृति योग शुरु। चन्द्रमा धनु राशि का पूर्ण भोगकर अर्द्धरात्रियोत्तर 05:01 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा। स्नानदान की परम पुण्यता आषाढ़ी पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, ब्यास पूजा, मन्वादि15, गुरु व्यास पूजा, कोकिला व्रत, कोकिला रुपिणी शिवा का पूजन, कनखल में तीर्थ स्नान, सारनाथ में बौद्धो का पूजन दिवस, बौद्धभिक्षुओं का वर्षावास ग्रहण।

मौसम : उत्तर के अधिकांश क्षेत्रों में कहीं बदली तो कहीं धूप होगी। उत्तर-मध्य क्षेत्रों में पूर्ववत् दिन की अपेक्षा तापमान में वृद्धि होगी और गर्मी बढ़ेगी। पश्चिमोत्तर पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर वर्षा के आसार हैं।

मेष कार्यक्षेत्र में प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे और सफलताएं अर्जित करेंगे। सगे-संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। पुरानी समस्याएं हल होंगी। धैर्य व वाणी में मधुरता लायें। सोमवार एवं मंगलवार को किसी महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड. सकता है। कोई रोजगार संबंधी यात्रा करनी पड़ सकती है। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में चल रहे प्रयत्न सार्थक होंगे। शुक्रवार एवं शनिवार को किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति निकटता से छबि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। अतः सतर्क रहें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। सामाजिक गतिविधयों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृषभ अच्छी भावनाएं मकसद को सफल करेंगी। जीवन में सुख-दुख दोनों हैं किंतु पूरे विश्वास के साथ विषम स्थितियों में तालमेल बिठाने वाला ही सफल होता है। राजकीय कर्मचारियों को नौकरी का वातावरण सुखद लगेगा। कुछ विशेष सफलताओं के आसार बनेंगे। रविवार एवं सोमवार को आकस्मिक किसी सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार हैं। उत्साह में वृद्धि होगी। आय के साधन सुलभ होंगे। बुधवार एवं शनिवार को किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवराध से चिंतित होंगे। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी परन्तु अपयश व लान्छन से बचें।

मिथुन अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनायें। रोजगार में लाभ से मन उत्साहित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जीवन के अनुकूल चलें। दूसरों में कमी न निकालें बल्कि अपने कर्तव्यों पर केंद्रित हों। निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक बनेंगे। उच्चस्तरीय लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। रविवार एवं सोमवार को समुचित परिश्रम के बावजूद भी मनोवांछित परिणाम न मिलने से चिंता संभव। घरेलू वातावरण में छोटे-मोटे तनाव की आशंका है। विद्यार्थी शिक्षा-प्रतियोगिता में लापरवाही न बरतें, अन्यथा परिणाम बुरे हो सकते हैं। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को मन सुख व उत्साह से प्रभावित रहेगा। योजनाओं को फलीभूत करने में सक्षम होंगे।

कर्क मन को रचनात्मक कार्यों में केंद्रित करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु केंद्रित होंगे। राजनीतिज्ञों को कुछ कठिनाई का एहसास होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। नौकरी में लोकप्रिय होंगे। रविवार एवं मंगलवार को भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। माता अथवा निकट व्यक्ति के प्रति मन में चिंता संभव। अत्याधिक भावुकता कष्टप्रद होगी। किसी संबंधी की छोटी-छोटी बातें कष्ट पहुंचा सकती हैं। शुक्रवार एवं शनिवार को नई आशाएं मन में उत्साह का संचार करेंगी। रोजगार में परिश्रम रंग लाएगा। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं बढ़ेंगी।

सिंह सभी चिंताओं को त्याग कैरियर के प्रति सजग हों। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु चिंतित होंगे। कार्य क्षमता द्वारा प्रगति संभव। संतान संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। राजनीतिज्ञों की सक्रियता उनके प्रयासों को सार्थक करेगी। रविवार एवं सोमवार को दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। विद्यार्थियों के मन में नकारात्मक चिंताएं उत्साह में कमी ला सकती हैं। किसी नये व्यवसाय में पूंजी निवेश से पूर्व जानकार लोगों से सलाह लें। शुक्रवार एवं शनिवार को सुनियोजित कार्य प्रणाली द्वारा कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता मिलेगी। मन अच्छी भावनाओं से ओतप्रोत होगा। रचनात्मक व सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कन्या उच्च मनोबल द्वारा नियोजित परिश्रम कर आय-व्यय में संतुलन बनाते हुए विषम स्थितियों में भी दायित्वों को पूर्ण करने में सफल होंगे। राजकीय कर्मचारियों को नौकरी में कुछ परिवर्तित स्थितियां सुखद लगेंगी। पुरानी सभी समस्याओं पर विजय प्राप्त होगी। सोमवार एवं बुधवार को पुरानी घटनाओं के स्मरण मन को कष्ट संभव। अत्याधिक व्ययवश चिंता संभव। लेन-देन में सावधानी बरतें। किसी नये व्यवसाय में पूंजी निवेश से पूर्व अनुभवी लोगों से सलाह लें। शुक्रवार एवं शनिवार को कुशल नियोजन व नेतृत्व की अदभुत क्षमता से रचनात्मक कार्यों को अंजाम देंगे। मधुर वाणी का प्रयोग कर संबंधों में लोकप्रिय बनें। किसी इच्छित कार्य की पूर्ति अपेक्षित है।

तुला किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति हेतु मन परेशान होगा। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोगसे उत्साहित रहेंगे। परिवार में किसी की अस्वस्तता से चिंता होगी। किसी प्रकार की कानूनी कठिनाइयों की आशंका है। अतः सतर्क रहें। रविवार एवं सोमवार को तमाम जिम्मेदारियों की पूर्ति हेतु धन संचय के लिए मन प्रयत्नशील होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तीव्र होगा। आपका उच्च कल्पनाशील मन नयी सुंदर कल्पनाओं से ओतप्रोत रहेगा। शुक्रवार एवं शनिवार को विपरीतलिंगी संबंधों से निकटतावश लांछन के शिकार हो सकते हैं। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद संभव लेकिन अत्याधिक भावुकता संबंधों में भावनात्मक शोषण का कारण बन सकता है।

वृश्चिक गंभीर स्वभाव रिश्तों में भावनात्मक आदान-प्रदान में कमी लाता है। अतः इसे सुधारें। राजकीय कर्मचारियों के लिए नौकरी का वातावरण अनुकूल होगा। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की सक्रियता से सावधान रहें। रोजगार के अवरोध समाप्त होंगे। उच्चस्तरीय लोगों से निकटता बढ़ेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। रविवार एवं सोमवार को परिजनों की छोटी-छोटी बात का बुरा न माने। आवेश में किये कार्य से कष्ट संभव। लापरवाहीवश असफलताओं का जिम्मेदार स्थितियों को ठहराना ठीक नहीं है। दूसरों में कमियां ढूंढने के बजाय खुद में सुधार लायें। बृहस्पतिवार एवं शनिवार को कुछ नई योजनाओं से मन सिंचित होगा। नये संबंधों के प्रति प्रगाढ़ता से लाभ के आसार बनेंगे।

धनु इस सप्ताह किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य से की गई यात्रा में थोड़ी-बहुत कठिनाइयां संभव। आपका मन रोजगार क्षेत्र में पूर्ण रूप से केंद्रित रहेगा। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। वाणी में मधुरता लायें और रिश्तों में सहज बने। पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त करेंगे। चापलूस लोगों से निकटता आपके लिए हानिकर हो सकती है। किसी नये संबंध के प्रति उत्साहित होंगे। भौतिक आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। रविवार एवं सोमवार को मधुरवाणी से संबंधों को प्रगाढ़ बनाएंगे। शिक्षा-प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम हेतु मन केंद्रित होगा। बृहस्पतिवार एवं शनिवार को विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। नये महत्वपूर्ण दायित्वों के बोझ से मन बोझिल होगा।

मकर इस सप्ताह नकारात्मक चिंताएं परेशान करेंगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद संभव। भावुकता पर नियंत्रण रखें, अन्यथा भावनात्मक शोषण के शिकार हो सकते हैं। शासन-सत्ता में सक्रियता से लोकप्रिय होंगे। अविवाहितों के विवाह तय होने संबंधी गतिविधियां तेज होंगी। राजनीतिज्ञों अथवा राजकीय क्षेत्रों से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सोमवार एवं मंगलवार को नवीन योजनाओं को पूर्ण करने हेतु समुचित उर्जा की अनुभूति होगी। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। खान-पान में सतर्कता अपेक्षित है, अन्यथा उदर विकार की आशंका है।

कुंभ विविध प्रकार की भावनात्मक व मानसिक कठिनाइयां संभव किंतु कुछ ग्रहों की अनुकूलता से स्थिति का सामना कर लेंगे। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु तत्पर होंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में परिजनों की मतानेकता से मन असंतुष्ट होगा। नई आशंकाएं मन को परेशान कर सकती हैं। अपनी क्रियाशीलता बढ़ा प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। मन प्रगतिशील विचारों से प्रभावित होगा। रविवार एवं सोमवार को निकट संबंधों में छोटी-छोटी बातों का बुरा न माने। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को शासन सत्ता के लोगों को लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य हेतु प्रयत्न सार्थक होगा। किसी मित्र की मध्यस्थता से बिगड़े संबंधों में सुधार संभव।

मीन सही दिशा में सकारात्मक प्रयत्न की आवश्यकता है। राजनीतिज्ञों को ग्रहों की अनुकूलता सहायक होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रति आकांक्षी मन उसकी प्राप्ति हेतु लोलुप होगा। कठिनाइयों के दौर से निकलने का समय आ गया है। बचकाना स्वभाव कार्यक्षेत्र में छवि को कुप्रभावित कर सकता है। अतः इसे सुधारें। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की इच्छा प्रबल होगी। रविवार एवं सोमवार को किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। घर-परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन में चिंता संभव। आलस्य का त्याग करें। बृहस्पतिवार एवं शनिवार को विद्यार्थियों को मिली सफलताएं उत्साह में वृद्धि करेंगी। आकस्मिक किसी सुखद घटना से पारिवारिक वातावरण उत्साहित होगा।

टीवी की फिल्में

जी सिनेमा

08.30 प्रातः 'सत्यमेव जयते', 11.20 पूर्वा. 'हम साथ साथ हैं', 02.55 अप. 'एस-3', 05.55 सायं 'डेरिंग बाज', 08.55 रात्रि 'गीता गोविंदा'।

स्टार गोल्ड

06.15 प्रातः 'हाउसफुल-3', 09.10 प्रातः 'स्त्री', 12.00 अप. 'टोटल धमाल', 02.45 अप. 'जय हो', 05.30 सायं 'गुरू', 08.00 रात्रि 'द जंगल बुक'।

जी क्लासिक

08.25 प्रातः 'अभिनेत्री', 11.00 पूर्वा. 'हमजोली', 01.40 अप. 'हम किसी से कम नहीं', 04.25 अप. 'दुश्मन', 07.00 रात्रि 'लव इन टोक्यो'।

बी4यू

07.30 प्रातः 'चायना गेट', 12.00 अप. 'धड़कन', 03.00 अप. 'बादशाह', 06.00 सायं 'परदेसी बाबू', 09.00 रात्रि 'लोहा'।

जी एक्शन

08.05 प्रातः 'कसम सुहाग की', 11.00 पूर्वा. 'दिलजले', 02.05 अप. 'चेन्नई एक्सप्रेस', 05.00 सायं 'लिंगा', 07.45 रात्रि 'साथी'।

छोटे पर्दे के कार्यक्रम

डीडी वन

05.30 वंदेमातरम, 05.31 आराधना, 06.00 योगा : बाबा रामदेव, 07.00 सिने संगीत, 08.00 रंगोली, 09.00 श्रीकृष्णा, 10.00 उपनिषद गंगा, 10.30 चित्राहार, 11.00 ब्योमकेश बख्शी, 12.00 वाह क्या टेस्ट है, 12.30 गोरा, 01.00 चंदामामा, 02.00 तहरीर मुंशी प्रेमचंद्र की, 02.30 हम हैं ना, 03.00 माइलस्टोर स्टोरी, 03.30 टेलीफिल्म, 04.00 श्रीमान श्रीमती, 05.00 चाणक्य, 06.00 तू तोता मैं मैना, 07.00 कोविड19 : अपडेट, 08.00 शक्तिमान, 09.00 श्रीकृष्णा, 10.00 उपनिषद गंगा, 10.30 बुनियाद।

सहारा वन

06.00 हिंदी फीचर फिल्म, 09.00 हिंदी फीचर फिल्म, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फीचर फिल्म, 06.00 हिंदी फीचर फिल्म, 09.00 हिंदी फीचर फिल्म, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फिल्म।

जी टीवी

07.00 कुमकुम भाग्य, 09.00 डांस इंडिया डांस : बैटल ऑफ द चैम्पियन्स, 10.00 अघोरी, 12.00 हिंदी फीचर फिल्म, 03.00 हिंदी फीचर फिल्म, 06.00 डांस इंडिया डांस : बैटल ऑफ द चैम्पियन्स, 09.30 अघोरी, 10.30 डांस इंडिया डांस : बैटल ऑफ द चैम्पियन्स।

स्टार प्लस

07.00 देवों के देव महादेव, 08.00 महाभारत, 09.00 राधा कृष्ण, 10.00 रामायण : रामानंद सागर कृत, 11.00 5 स्टार किचिन, 11.30 महाभारत, 01.00 प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा, 02.00 देवों के देव महादेव, 04.0 तू मेरा हीरो, 05.30 इस प्यार को क्या नाम दूं, 06.30 राधा कृष्ण, 07.30 रामायण : रामानंद सागर कृत, 08.30 महाभारत की महाकथायें, 09.30 देवों के देव महादेव, 10.30 रामायण : रामानंद सागर कृत, 11.30 महाभारत की महाकथायें।

ट्रैवल एंड लिविंग

06.00 से यस टू द ड्रैस, 12.00 डाक्टर पिम्पल पॉपर, 04.00 सिस्टर वाइव्स, 08.00 90 डेज फिनाके : हैपिली एवर ऑफ्टर, 11.00 सिस्टर वाइव्स।

डिस्कवरी चैनल

06.00 फास्ट एंड लाउट, 070.00 ड्युअल सरवाइवल, 08.00 मैन वुमैन वाइल्ड, 09.00 मैन वर्सेस वाइल्ड, 10.00 मैन वर्सेस ट्राइव, 12.00 वाइल्ड फ्रेंक, 05.00 रिवर मॉन्स्टर्स, 07.00 फूड फैक्ट्री।

सप्ताह के व्रत-त्यौहार

6 जुलाई-श्रवण कृष्ण पक्ष शुरु, श्रावण मास में शाक का त्याग करना चाहिए, श्रावण मास में पूरे मास शिवलिंग पर वेलपत्र समर्पण, नक्त व्रत शुरु। **7 जुलाई**-भद्रा शुरु प्रातः 10:10 बजे से, अशून्यशयन व्रत। **8 जुलाई**-पंचक (पचखा) शुरु अप. 12:30 बजे से, भद्रा समाप्त प्रातः 09:14 बजे तक, संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, चंद्रोदय रात्रि 08:04 बजे, कजरी तीज, स्वर्ण गौरी व्रत। **9 जुलाई**-पंचक (पचखा), बुध उदय पूर्व में रात्रि 07:32 बजे। **10 जुलाई**-पंचक (पचखा), नाग पंचमी5 मरुस्थल (बंगाल)। **11 जुलाई**-पंचक (पचखा), भद्रा अप. 01:33 बजे से अर्द्धरात्रियोत्तर 02:40 बजे तक, यायीजय योग अप. 01:33 बजे से अगले दिन सूर्योदय तक। **12 जुलाई**-पंचक (पचखा), शीतला सप्तमी, दुर्गा पूजा, केर पूजा (त्रिपुरा), यायीजय योग सूर्योदय से अप. 03:48 बजे तक।

वर्गीकृत विज्ञापन

सूचना

मै रणबीर सिंह पुत्र श्री करन सिंह निवासी म.नं.-27/ए-5 पॉकेट-ओ दिलशाद गार्डन दिल्ली -95 मैने अपने पुत्र नवीन चौधरी उसकी पत्नी सोनिया को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर पारिवारिक संबंध विच्छेदकर लिए है भविष्य मे किसी भी कृत्य व लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। डी-

मेरे मुवक्किलगण ममता कौर पत्नी परविंदर सिंह व परविंदर सिंह पुत्र स्व. गुरुदेव सिंह निवासी म.नं.-ए-1/9 गुरु नानक गली मौजपुर दिल्ली -53 ने अपने पुत्र करणजीत सिंह को उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर पारिवारिक संबंध विच्छेदकर लिए है भविष्य मे किसी भी कृत्य व लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगा। **आशीष कुमार कश्यप** एडवोकेट डी-

मेरी मुवक्किल सुशीला देवी पत्नी श्री हरिओम गौतम, निवासी सी-9, ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली-110091 ने अपने पुत्र संतोष गौतम उर्फ राकेश गौतम को गलत संगत में रहने व दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेखलकर समस्त संबंध विच्छेद कर लिए हैं। उसके किसी भी कार्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। सी.एस. राठौर (एडवोकेट) एन-

मेरे मुवक्किल ओमपाल सिंह पुत्र स्व. श्री फेरू सिंह निवासी सी-3/206, सबोली विस्तार, दिल्ली-93 ने अपने पुत्र गौरव पांचाल व पुत्रवधू पूनम को इनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर संबंध- विच्छेद कर लिये हैं, उनके किसी भी कृत्य हेतु मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। कुलदीप सांगवान (एडवोकेट) डी-

मेरे मुवक्किल राजू कनौडिया पुत्र श्री पन्नालाल निवासी- 718, गली नं.-5, मिल्ट्री रोड़, पंजाबी बस्ती, आनन्द पर्वत, दिल्ली-110005 ने अपने पुत्र डिम्पी एवं पुत्रवधू डिम्पल को दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर संबंध-विच्छेद कर लिये हैं, उनके किसी कृत्य हेतु मेरा मुवक्किल व उनका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। कपिल गोस्वामी (एडवोकेट) डी-

मेरे मुवक्किल उमरदराज पुत्र श्री इखलाक सैफी पता ए-60, पुरानी सीमापुरी, दिल्ली-95 ने अपने पुत्र पैगाम पुत्रवधू आयशा व इनके पुत्र शादान को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर संबंध- विच्छेद कर लिये हैं, इनके किसी भी कार्य/लेन-देन हेतु मेरा मुवक्किल व उसका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। वसीम खान (एडवोकेट) डी-

मेरे मुवक्किल हमीद खान पुत्र स्व. जहीर ख़ान निवासी सी-124, गली न-9, नोर्थ घोंडा, दिल्ली-110053 ने अपने पुत्र फुरकान व पुत्रवधु सबीना को उनके दुर्व्यवहार के कारण चल-सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उनके किसी भी कार्य हेतु मेरा मुवक्किल व उनका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। **मौहम्मद शाहवाज** एडवोकेट डी-

मेरी मुवक्किला मुनेश देवी पत्नी स्व. समय सिंह निवासी बी-3542, जैन स्थानक ब्लॉक तीर्थांकर नगर, जैन नगर, गांव कारला, दिल्ली ने अपने पुत्र राजेन्द्र पाल व पुत्रवधु सुधा को उनके दुर्व्यवहार के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उनके किसी भी कार्य हेतु मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। **दुर्गेशपाल** एडवोकेट डी-

सूचना

I NIRMALA RANI W/O SATISH R/O-767 JWALA NAGAR, CHURCH ROAD, SHAHDARA, DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO KIRAN. NIRMALA RANI AND KIRAN IS ONE AND SAME PERSON. D-

मेरे मुवक्किल करण सिंह पुत्र श्री राम स्नेही लाल निवासी ई-68, गली न-6, ब्रह्मपुरी, दिल्ली-53 ने अपनी पुत्री मोहिनी को परिवार सहित उसके दुर्व्यवहार के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उसके भी कार्य हेतु मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होगा। **निशांत चौधरी** एडवोकेट डी-

मेरे मुवक्किल राजेश पुत्र किशोरी म. न-380, गली न-8, प्रताप नगर, मंडोली सबोली, दिल्ली-110093 ने अपने पुत्र अर्जुन व पुत्रवधु चीनू को उनके दुर्व्यवहार के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उनके किसी भी कार्य हेतु मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होगा। **अमर सिंह** एडवोकेट डी-

मेरे मुवक्किल मोहरत प्रसाद पुत्र स्व. जयराम एवं इनकी पत्नी अकाली देवी निवासी सी-1/617, गली न-3, दूसरा पुस्ता, सोनिया विहार, सभापुर, दिल्ली-110094 ने अपनी पुत्री कुमारी मीना को उसके गलत चाल-चलन के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उसके किसी भी कार्य हेतु मेरे मुवक्किल व उनका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। **मुकेश शर्मा** एडवोकेट डी-

मेरी मुवक्किला प्रवीण पत्नी स्व. ओमप्रकाश म.न-640, ऋषि नगर, रानी बाग, सरस्वती विहार, दिल्ली-110034 ने अपने पुत्र गोपाल कुमार कुर्रा व पुत्रवधु रूचिका मनचंदा को उनके दुर्व्यवहार के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उनके किसी भी कार्य हेतु मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होगी। **राजेश मित्तल** एडवोकेट डी-

My clients Rajendra Prasad S/o Shiv Nandan Prasad and his wife Durga Devi R/o H-152, Gali No-8, Ganga Vihar, Shahdara, Delhi-110094 have severed relations and debarred their son Nitish Kumar from movable-immovable properties due to his misconduct. Anybody deals with him my clients will not be responsible for his acts. **Ashok Rajput** (Advocate) D-

My client Mohd Farooq R/o M-73/A, Block-M, Abul Fazal Enclave-1, Jamia Delhi-110025 has severed relations and debarred his son Fanoosh Khan and his wife Riswana from movable-immovable properties due to their misconduct. My client will not be responsible for their acts. **Ashish Goswami** (Advocate) D-

मेरे मुवक्किल हरी दत्त पुत्र भगवान सहाय एवं इनकी पत्नी कृष्णा दत्त निवासी बी-288/3, गली न-2, राजवीर कालोनी, घड़ौली एक्सटेंशन, दिल्ली-110096 ने अपने पुत्र योगेश कुमार को उसके दुर्व्यवहार के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध-विच्छेद कर लिए है उसके किसी भी कार्य /लेन-देन हेतु मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। संगीता जैन (एडवोकेट) डी-2000479/एफएमजी

सूचना

मेरी मुवक्किला कांता पत्नी हरचरण सिंह निवासी प्लाट नं.2, खसरा नं.721 अपर ग्राउंड फ्लोर, इलाहाबाद बैंक के पीछे, बुराड़ी दिल्ली ने अपने पुत्र चांद कुमार पुत्रवधु पूजा को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करके अपनी सभी पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिये है इनके किसी भी लेन-देन/ अपराधिक कृत्यों के लिए मेरी मुवक्किला जिम्मेदार नहीं हैं। डी.के. सिंह (एडवोकेट) (बैंक पेमेंट/एफएमजी.)

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल सुनील कुमार व सुमनलता पता म. नं.-9/7388, गली गुरु गोविन्द सिंह, गांधीनगर, ईस्ट दिल्ली-31 ने अपने पुत्र के शराबी होने, गलत आचरण व पिछले दो वर्ष से घर पर नहीं आने तथा अपने दो छोटे बच्चों की देखभाल नहीं करने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखलकर संबंध- विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में उनके किसी भी कृत्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। **जी.एस. सिंह** (एडवोकेट) एफ-215, कडकडडूमा कोर्टस दिल्ली, मो. नं. 9312168538. डी-

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला श्रीमती रजनीबाला पत्नी हरिकिशन निवासी 22/467, त्रिलोकपुरी, दिल्ली-91 ने अपना रिश्ता अपने पुत्र दिपांशु उर्फ राहुल से पुनः स्थापित कर लिया है तथा पूर्व सूचना जोकि विराट वैभव अखबार दिनांक 2/9/2011 व राष्ट्रीय सहारा अखबार दिनांक 9/5/2012 प्रकाशित सम्बन्ध विच्छेद को खंडित कर दिया है। मेरी मुवक्किला म.नं.-22/467, त्रिलोकपुरी, दिल्ली-91 की स्वंय मालिक व काबिज़ है। तथा इस मकान पर उनके पति हरिकिशन का कोई अधिकार ना था ना है। तथा कोई भी व्यक्ति इस मकान के लिए मेरी मुवक्किला के पति से कोई व्यवहार ना करें, नहीं तो उसकी हानि के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **दुर्गेशपाल** (एडवोकेट) डी-

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किलगण शकुन्तला देवी पत्नी हरस्वरूप, संजय कुमार पुत्र हरस्वरूप एवं इनकी पत्नी शशि लता निवासीगण बी-17, गली न-7, शशि गार्डन, मयूर विहार, फेस-1, पटपड़गंज, ईस्ट दिल्ली-110091 ने अपने पौत्र/ पुत्र अक्षित को उसके दुर्व्यवहार व कहना ना मानने, गलत आचरण करने, गन्दे दोस्तों की संगती करने के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। और अपने पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। यदि वह 8 दिन में घर वापस आ जाता है और परिवार के सदस्यों का कहना मानकर उनके अनुसार काम करता है तो वह इस बेदखली को वापस कर सकते है। यदि कोई व्यक्ति उससे आज के बाद सम्बन्ध रखता है या किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे मुवक्किलगण या उनके परिवार के सदस्य नहीं। **राजेन्द्र सिंह** (एडवोकेट) # 9810662806 डी-

सूचना

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल अरुण कुमार शर्मा पुत्र श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा निवासी मकान नं.-157, गली नं.-7, हर्ष विहार मंडोली थाना हर्ष विहार दिल्ली 1100 93 ने अपने पुत्र अंकित कुमार गौड़ व उसकी पत्नी दीपांशी शर्मा से उनके आए दिन के दुर्व्यवहार, गलत आचरण, लड़ाई झगड़ा, अपमानित करने तथा समझाने पर कहना नहीं मानने के कारण तंग व परेशान होकर उक्त दोनों से अपने व अपने परिवार के समस्त सामाजिक एवं पारिवारिक संबंध विच्छेद कर उक्त दोनों को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उक्त दोनों के द्वारा किए गए किसी भी कृत्य लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरे मुवक्किल एवं उसके परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। द्वारा अधिवक्ता **श्रीमती नीलू देवी** (एडवोकेट) चैबर नंबर एफ 408 कड़कड़डूमा कोर्ट शाहदरा दिल्ली डी-

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला सरताज बेगम पत्नी श्री हामिद खान निवासी-म.नं.13, गली न.1, प्रगति विहार पावी सादकपुर, लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने अपने पुत्र अय्यूब खान व उसकी पत्नी लाईजु पता-3158 गली न.2, रघुवरपुरा न.-2, गाँधी नगर, दिल्ली-31 को नियन्त्रण से बाहर होने व अभद्र व्यवहार से दुखी होकर अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करके अपने पारिवारिक सम्बन्ध भी समाप्त कर दिये है और उनके द्वारा किये गये किसी भी दीवानी या फौजदारी कृत्य के लिए मेरी मुवक्किला व परिवार के अन्य सदस्य जिम्मेदार नही होंगे, **मनोज कुमार** (एडवोकेट) डी-

सूचना

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे मुवक्किलगण श्री भगवान सिंह पुत्र स्व. श्री जय सिंह एवं श्रीमती गीता पत्नी श्री भगवान सिंह निवासी एफ.7/302, सुल्तान पुरी, नई दिल्ली-110086 ने अपने पुत्र योगेश एवं पुत्रवधू राधा को उनके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी सभी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखलकर दिया है और उनसे अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिये है यदि कोई भी व्यक्ति भविष्य में उनसे कोई भी लेन-देन करता है तो वह स्वयं इसका जिम्मेदार होगा एवं मेरे मुवक्किलगण का इससे कोई लेना-देना नहीं होगा। **Mohan Kumar** (Advocate) D-

Public Notice

It is declared to the public in large that my client Sh. J.P. Sharma S/o Late Sh. K.R. Shrama R/o B-727 DDA MIG flats Loni Road, Delhi, is having no affable relations rather having continuous frictions with his son Sh. Prashant Sharma for last two year. Since, he does not listen to him owing to his derelict & callous behaviour against my client. therefore, with immediate effect, My client severe his all social, personal, emotional, financial relations from him and further disinherits & disowns him from his assets and isolates himself from all such acts & deeds committed by his son. **Nidhi Kaur** (Advocate)D-2000490/fmg

Public Notice

My Clients Chandrika Prasad S/o Sh. Baru Ram R/o B-2/1, Gali No. 2, Shahbad Dairy, Delhi and his wife Kusum have disowned their daughter Babita from all their movable and immovable properties and has severed all their relations with their daughter Babita due to her disrespectful and intolerable behaviour. That any person dealing with their daughter Babita shall be doing so on their own risks and my clients Chandrika Prasad and his wife Kusum shall not be responsible in any manner whatsoever in future for the acts done by their daughter Babita. **Harit Chhabra** (Advocate) (Bank Payment)

Public Notice

Be it known to General public that my clients Sh.Deepak Malik and Smt. Preeti Malik W/o Sh. Deepak Malik R/o 139-B-4, Shakti Khand-II, Indrapuram, Ghaziabad, U.P., have debarred their son Deepansh Malik and his wife Richa Maindola from their all moveable or immovable properties in all manner and also sever all relations from them. Anybody who deal with them shall be solely responsible and my clients will not be responsible for any act of them in future. **Amit Sisodia** (Advocate) Ch.No. 679, Western Wings, Tis Hazari Court Delhi-54 D-

Public Notice

Be it known to all that, my client Sh. Mohan Singh Bedi S/o Shri Brahm Singh Bedi and his wife Smt. Mahender kaur both R/o flat No.-237, GH-6, Prachin Appartment, Paschim Vihar, Delhi-110087 has ended/severed all relationship and ties with his son namely Manpreet Singh and his wife Smt. Sukhmanjit kaur and has also disowned/ debarred /ousted them from all moveable and immoveable properties due to their misbehaviour and dishonest intention, if any one deals with them in any manner whatsoever my client and his family members shall not responsible for any illegal activities. **Vikram Dua**(Advocate) Delhi High Court En. No. 808/2012, Ch. No. 425,Western Wing,Tis Hazari Courts, Delhi-54, Ph. No. (M) 9810080638, 9212080638, Office: B-1/223,New Moti Nagar, New Delhi-15, Ph. No. 011-32082900. D-2000444/fmg

निविदा सूचना

उ. प्र. पावर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड

ई-निविदा समयवृद्धि सूचना : इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई- निविदा संख्या -08/ 2020-21 जो कि दिनांक 03.07.2020 को खोली जानी थी अपरिहार्य कारणवश अब ई-निविदा के खुलने की तिथि 16.07.2020 की जाती है। शेष नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी। ''राष्ट्र हित में बिजली बचायें''। अधिशासी अभियंता विद्युत पारेणण खण्ड,उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि.,132 के.वी. उपकेन्द्र, भूड, बुलन्दशहर। पत्रांक संख्याः 1071/वि.पा.ख./ बु. शहर/ नोटिस/ दिनांकः03.07.2020.

निविदा सूचना

उ. प्र. पावर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड

ई-निविदा सूचना संख्या-20 ईसीटीसी/ मुरा./ 2020-21: ई-टैण्डर चार माह की वैद्यता हेतु दो भागों में,भाग-1 व भाग-2 अधोलिखित विवरण के अनुसार आमंत्रित किये जाते हैं। क्रमांक : 1. कार्य का नाम : 132 के.वी. उपकेन्द्र अमरोहा पर 01 नग नया सम्प पम्प लगाने के जानपदीय कार्य। प्राप्त होने का दिनांक एवं समय :24.07.2020, 14.00 बजे। खोले जाने की दिनांक एवं समय : 25.07.2020, 14.00 बजे। क्रमांक : 2. कार्य का नाम : 220 के.वी. उपकेन्द्र मोदीपुरम-द्वितीय मेरठ पर सम्पर्क मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावानुसार कार्य। प्राप्त होने का दिनांक एवं समय :11.08.2020, 14.00 बजे। खोले जाने की दिनांक एवं समय : 13.08.2020, 14.00 बजे। क्रमांक : 3. कार्य का नाम : विक्टोरिया पार्क, मेरठ स्थित मुख्य अभियन्ता (पारे.पश्चिम) मुख्यालय भवन (पारेषण भवन) के वार्षिक जानपदीय अनुरक्षण कार्य। प्राप्त होने का दिनांक एवं समय :11.08.2020, 14.00 बजे। खोले जाने की दिनांक एवं समय : 13.08.2020, 14.00 बजे। निविदा प्रपत्र ई- प्रोक्योरमेंट वैबसाईट http://etender.up.nic.in से ही स्वीकार किये जायेंगे। उक्त निविदा से सम्बन्धित विवरण यथा तकनीकी विशिष्टीकरण, कार्यावधि, धरोहर राशि, निविदा प्रपत्र की लागत इत्यादि एवं किसी प्रकार के संशोधन, परिवर्तन, शुद्धि-पत्र हेतु http://etender.up.nic.in अथवा www. upptcl. org पर लॉगिन करें। ''राष्ट्र हित में बिजली बचायें'' अधीक्षण अभियन्ता विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि. मुरादाबाद। पत्रांक : 611/ईसीटीसीएम/टी-2/मुरा./ दिनांकः 04.07.2020.

उ. प्र. पावर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड

निविदा आमंत्रण सूचना : अनुभवी कार्यदायी संस्थाओं/फर्मों से ई-टेण्डर के माध्यम से निम्न कार्यो के निष्पादन हेतु निविदाये आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है तथा अन्य किसी प्रकार के संशोधन/तिथि विस्तार हेतु निविदा खुलने की तिथि तक लॉग ऑन करें। निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार अधिशासी अभियंता विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम गाजियाबाद के पास सुरक्षित रहेगा। ई.-टेण्डर में निविदा शुल्क एवं ई.एम.डी. को आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. माध्यम से सीधे बैंक खाते में जमा कराया जाये एवं जमा कराया जाने का साक्ष्य यथायोज्य यू.टी.आर. संख्या खाते का नाम निर्गतकर्ता बैंक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित एवं निविदादाता द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित पे-इन-स्लिप की स्कैन्ड कॉपी, ई.एम.डी. के लिये बैंक गारण्टी की स्कैण्ड कॉपी जारी कर्ता बैंक के कन्फरमेंशन की प्रति ई.-टेण्डर प्रपत्रों के साथ ऑनलाईन अपलोड की जाये। विस्तृत जानकारी www.etender. up. nic.in पर उक्त निविदा के नोटिस इन्वाईटिंग ई.-निविदा से प्राप्त करें। ई.-निविदा सूचना संख्या-टी-08/2020-21 विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, गाजियाबाद के अन्तर्गत विद्युत पारेषण उपखण्ड तृतीय, साहिबाबाद के अन्तर्गत 132 के.वी. वैशाली पर सैण्ड पिट व सैड सैडो के निर्माण के संबंध में। धरोहर राशि रु. 2000.00, निति 21.07.2020 में 10.00 बजे निशु रु. 590/- निविदा खुलने की दिनांक 22.07.2020 में 11.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कारण बताये एक अथवा सभी निविदाओं को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। ''राष्ट्र हित में बिजली बचाएं'' (अम्बा प्रसाद वशिष्ठ) अधिशासी अभियंता विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, 132 के.वी. उपकेन्द्र बुलन्दशहर रोड लाल कुआं, गाजियाबाद। संख्या : 747 वि.प.ख.प्र./ गा.बाद/ई.निविदा दिनांक : 04.07.2020

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना : अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य/आपूर्ति हेतु अनुभवी एवं प्रतिष्ठित ठेकेदारों जिनका आयकर वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) में पंजीकरण तथा संबंधित निविदा में वर्णित अर्हता को पूर्ण करते हो के द्वारा अलग-अलग निविदायें ई-टेण्डर पोर्टल https://etender.up.nic.in पर दो भागों में आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 20.07.2020 को समय 12.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर भरी जा सकती है तथा निविदा का प्रथम भाग 20.07.2020 को समय 16.00 बजे सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा। यदि उस दिन अवकाश हुआ तो वे निविदाये अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी तथा निविदा का द्वितीय भाग प्रपत्रों की जांचोपरान्त खोला जायेगा। निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि एन.ई.एफ.टी./ आर.टी.जी.एस. के माध्यम से पृथक रूप से आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के खाता सं. 628605500959 (IFSC ICIC0006286) में जमा कराकर बैंक जमा का साक्ष्य यथा योज्य यू.टी.आर. सं. पे-इन-स्लिप की मूल प्रति अन्य आवश्यक प्रपत्रों के साथ निविदा के प्रथम भाग में अपलोड किया जाना आवश्यक है तथा निविदा के द्वितीय भाग में सिर्फ दरे भरी जायेगी। निविदा प्रपत्रों की बिक्री केवल जी.एस.टी. में पंजीकृत फर्मो की ही स्वीकार की जायेंगी। अल्पकालीन ई-निविदा संख्या :- 19/W/2020-21/EUDC-3 GZB निविदा प्रपत्र शुल्क -रु. 1180.00 (जी.एस.टी. सहित) धरोहर राशि- रु. 8000.00 कार्य का विवरणः वि.न.वि.म.-तृतीय गा.बाद के अन्तर्गत सभी खण्डों के कार्यक्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु विभिन्न क्षमता के क्षतिग्रस्त परिवर्तकों को बदलने का कार्य। अधोहस्ताक्षरकर्ता को बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भाग को निरस्त करने का अधिकार होगा। निविदाओं की अर्हता संबंधी विस्तृत सूचना https://etender.up.nic.in तथा निगम की वेबसाईट www. pvvnl.org पर देखी जा सकती है तथा अन्य किसी भी प्रकार के संशोधन/विस्तार के लिये निविदा खुलने की तिथि से पहले तक लॉग ऑन करें। ''राष्ट्रहित में बिजली बचाएं'' एवं विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नम्बर 1800-180-3002 (मेरठ)/1800-180-8752 (लखनऊ) पर दें। अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत नगरीय वितरण मण्डल-तृतीय, गाजियाबाद। पत्रांक : 831/वि.न.वि.मण्डल-तृतीय/गा.बाद दिनांक : 03.07.2020

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

राष्ट्रीय सहारा

वर्गीकृत विज्ञापन बुकिंग केंद्र

दिल्ली

- **तुषार एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** 62/6, तेलीवाड़ा, भोलानाथ नगर रोड, शाहदरा, दिल्ली- 110032। मो.नं. : 9210864883
- **साईं एडवरटाइजिंग** ई-6, नियर गुरुद्वारा प्रताप नगर, दिल्ली। मो.नं. : 9811117748
- **वरुण एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** ए-6, मैन कान्ति नगर, आजाद नगर चौक, कृष्णानगर, दिल्ली। मो.नं. : 9818027231
- **ओसियन कम्युनिकेशन** 341/3ए, शालीमार पार्क, एक्सटेंशन, शाहदरा, दिल्ली। मो.नं. : 9871007194
- **तहसीन एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** सीट नं. : जी- 155, प्रथम तल, जी-ब्लॉक, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली। मो.नं. : 9899289136
- **कर्मा एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** यू.जी.-14, शिवलोक हाउस, द्वितीय, कॉमर्सियल कॉम्प्लेक्स, करमपुरा, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-41427751
- **इकबाल एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** सी-656, द्वितीय तल, जहांगीरपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 9811913196
- **बिन्नी कम्युनिकेशन एण्ड पब्लिकेशन** बी-60, प्रथम तल, महावीर नगर, कृष्णा पार्क एक्टेंशन, नई दिल्ली। मो.नं. : 9911255106, 9968471686
- **श्री शिव शक्ति एडवरटाइजिंग एजेंसी** डी- 620, लॉयर्स चैम्बर्स ब्लॉक, कड़कड़डूमा कोर्ट, नई दिल्ली, मो.नं. : 9250610448
- **एड मास्टर एडवरटाइजर** 2778, पीपल महादेव, हौज काजी, दिल्ली- 110006 फोन नं. : 011-23280716, मो.नं. : 9810716157
- **टू प्रोग्रेस मीडिया एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** 196, गली नं.- 6, मंडोली एक्सटेंशन, बैंक कालोनी रोड, नई दिल्ली-110093, मो.नं. : 9871414767
- **एन.के. चौहान एडवरटाइजिंग** 114 (वाधवा कॉम्प्लेक्स, स्ट्रीट नं. 10, डी- 288, लक्ष्मीनगर, नई दिल्ली, मो.नं. : 9315495617
- **अंश एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग** सी-3, गुरुद्वारा रोड, विकास नगर एक्सटेंशन, मैन संटे बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली। मो.नं. : 9953240249
- **त्रिमूर्ति एडवरटाइजिंग** जी-39, विशाल टॉवर, डिस्ट्रिक सेंटर जनकपुरी, नई दिल्ली। फोन नं. : 011-25530307

नोएडा

- **नोएडा एड एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड** 5वां एवं 6वां तल, ग्रेसेल टावर, सेक्टर-35, नोएडा। फोन नं. : 0120-4716777
- **जय लक्ष्मी एडवरटाइजर** आर.सी.- 214, गली नं. 7, दीपक विहार, लेबर चौक, नियर सिंघल टावर, सेक्टर-58, नोएडा मो.नं. : 9873804757/9810707457

गाजियाबाद

- **अवन्तिका कम्युनिकेशन** 24, सूरज मार्केट, ओम नगर, मोहन नगर, गाजियाबाद। मो.नं. : 9313368021/01204100324
- **आशा एडवरटाइजमेंट** गली नं. 4, हाउस नं. 72, शंकर विहार, अपोजिट रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने, गाजियाबाद। मो.नं. : 9971480036
- **राकेश कुमार एडवरटाइजिंग** शान्ति एन्क्लेव नियर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल अपोजिट सर्वानन्द बिल्डिंग मेटेरियल, टिब्रा रोड, मोदी नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) मो.नं. 07599052228, 09650288737

फरीदाबाद

- **सारांश एड एण्ड मार्केटिंग** 56 प्रथम तल नीलम फ्लाईओवर मार्केटिंग एनआईटी फरीदाबाद। मो.नं. : 9811502088, 9818078183

राष्ट्रीय सहारा
नई दिल्ली। रविवार • 5 जुलाई • 2020
www.rashtriyasahara.com

सरकारी नौकरी ढूंढने के बजाय जॉब क्रिएटर बनें

रेल राज्यमंत्री सुरेश अंगड़ी से सहारा न्यूज नेटवर्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं एडिटर इन चीफ उपेन्द्र राय की खास बातचीत

कोरोना संकट की वजह से रेलवे को काफी नुकसान हुआ है जबकि यह पहले से ही घाटे में चल रहा है। इस संकट के चलते रेलवे को लगभग कितना नुकसान हुआ है और इससे निपटने के लिए क्या सरकार कुछ योजना बना रही है ?

प्रधानमंत्री जी ने 20 लाख करोड़ रुपए का पैकेज जारी किया है। इसमें से कुछ हिस्सा रेलवे को भी मिल सकता है। यदि भारत के 130 करोड़ लोगों ने ठीक से काम किया तो हमारी इंडस्ट्री बच जाएगी। इकोनॉमी बढ़ जाएगी और जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई हो जाएगी। इस दिशा में सभी लोग लगे हुए हैं। मीडिया भी इस दिशा में काम कर रहा है। लोगों को समझाने में आपका भी बहुत बड़ा योगदान है। यदि आपने उद्योग जगत और श्रमिकों को मेक इन इंडिया के महत्व को सही से समझा दिया तो देश प्रगति की राह पर आगे बढ़ने लगेगा।

कोरोना की वजह से निजी और सरकारी सेक्टर बेहाल हैं। रेलवे एकमात्र ऐसा विभाग है जो अलग-अलग जोन के लिए भर्तियां निकाल रहा है। संकट के वक्त में रेलवे की ये पहल सराहनीय है। फिलहाल रेलवे में कितनी वेकैंसी हैं और उन्हें कब तक भरा जाएगा ?

भर्तियां जोन के आधार पर होती हैं। इसके लिए आरआरबी और आरआरसी के जरिए परीक्षा होती है। इसमें पास होने वाले युवाओं को काम दिया जाता है। इसी के साथ मैं सभी देशवासियों से विनती करता हूं कि सिर्फ सरकारी नौकरी ढूंढने के बजाय जॉब क्रिएटर बनें। जॉब सीकर नहीं। हमारे देश में अब पढ़ाई के बाद नौकरी के पीछे भागना जरूरी नहीं है बल्कि काम सीखने की जरूरत है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। जैसे आप लोग टीवी वाले हैं, आपके यहां भी सभी का काम अलग-अलग होता है। देश में अवसर बहुत हैं। मै सभी से विनती करता हूं कि जो भी स्किल आपको पंसद हो, उसके लिए केंद्र और राज्य सरकारें संसाधन मुहैया कराएंगी। हाल ही में गडकरी जी ने पांच साल में पांच करोड़ युवकों को रोजगार देने का ऐलान किया है। अगर देश के सभी लोग इसमें जुट जाएंगे तो प्रधानमंत्री के पांच ट्रिलियन इकोनॉमी के सपने को हम जरूर पूरा करेंगे।

कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बीच रेलवे ने चार राज्यों में बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 204 कोचों की तैनाती की है। साथ ही जरूरत पड़ने पर 5000 और कोच तैयार करने की भी बात सामने आई है। क्या रेलवे यह सब अपने खर्च पर कर रहा है, अगर नहीं तो फिर इसका खर्च कौन उठा रहा है?

देखिए, गृह मंत्री अमित शाह जी ने कहा है कि जिन गांवों में अस्पताल नहीं हैं या स्वास्थ्य विभाग जरूरत पूरी नहीं कर पाता तो वहां रेलवे की मदद ली जाएगी। इसके लिए 5000 कोच तैयार किए हैं। जिस भी प्रदेश में जरूरत होगी वहां लोगों को आइसोलेशन में रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है। इसका खर्च केंद्र सरकार देगी और अगर उसने नहीं दिया तो रेलवे उसका खर्च उठाएगी। हमारे देश के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा जरूरी है। हम इसी दिशा में काम कर रहे हैं। लोगों की सेवा करने में हमारे सभी रेलवे कर्मचारी काम कर रहे हैं उन्हें मैं बधाई देता हूं।

बिल्कुल, सभी बधाई के पात्र हैं। बहुत सराहनीय काम हुआ है। प्रवासी श्रमिकों को उनके घर पहुंचाना एक बड़ा टास्क था जो रेलवे ने बखूबी किया। इसके लिए अभी तक टोटल कितनी ट्रेनें चलाई गईं और कितने मजदूरों को स्पेशल ट्रेन के जरिए घर पहुंचा चुके हैं ?

रेलवे ने 4000 से ज्यादा ट्रेनें चलाकर 67 लाख श्रमिकों को घर पहुंचाया है। इस दरम्यान स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का पूरा खयाल रखा गया। हालांकि एक-दो जगह कुछ दिक्कतें आई होंगी। रेलवे ने जिम्मेदारी के साथ श्रमिकों को उनके राज्य में पहुंचाने का काम किया है। संबंधित राज्यों के अलग-अलग विभागों ने स्टेशन से उन लोगों को गंतव्य तक पहुंचाया। इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री जी को जाना चाहिए। वह गांव और गरीब के बारे में सोचते हैं। उन्होंने रेलवे को निर्देश दिया था कि आपको कितनी भी दिक्कते आएं लेकिन सभी प्रवासी घर पहुंचने चाहिए। पीयूष गोयल जी ने भी कहा कि हमें गरीबों के लिए काम करने का अवसर मिला है। इसके बाद रेलवे बोर्ड के साथ हम दोनों ने मिलकर इस काम को पूरा किया।

प्रवासी मजदूरों को लेकर पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सरकार की ओर से रेलवे पर कई आरोप लगाए गए। ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर संवादहीनता के लिए आप किसे जिम्मेदार मानते हैं ?

इस मामले में पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सियासत कर रहे थे। मैंने महाराष्ट्र और बंगाल सरकार से विनती की कि यह सियासत का समय नहीं है। अमित शाह जी ने भी अपील की। पीयूष गोयल जी के नेतृत्व में हमने राजनीति से ऊपर उठते हुए महाराष्ट्र में सेवाएं दीं। बाद में बंगाल में भी सेवाएं दी गईं। हमारे श्रमिक भाइयों का जीवन ज्यादा जरूरी था लेकिन उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी ने राजनीति की, राहुल गांधी ने राजनीति की। यह देश का दुर्भाग्य है कि 100 साल पुरानी पार्टी के लोग ऐसे समय में राजनीति कर रहे हैं। बीजेपी के एक-एक कार्यकर्ता ने घर-घर जाकर लोगों की सेवा की। इस पर मुझे गर्व है।

महामारी के मद्देनजर रेलवे में सफर को लेकर नियमों में कई बदलाव किए गए हैं। इस बारे में जरा विस्तार से बताएं कि अब किस तरह की एसओपी बन रही है। इसे जारी रखने का जो फैसला किया गया है उसमें कब तक बदलाव आएगा और एक सामान्य पैसेंजर को रेलवे में बैठकर जाने के लिए क्या-क्या ध्यान रखना होगा ?

कोरोना की वजह से सभी की लाइफस्टाइल बदल जाएगी। अभी तक लोग सोचते थे कि सिर्फ पैसा कमाने से जिंदगी बन जाती है लेकिन कोरोना आने के बाद लोगों को पता चल गया है कि जिंदगी सबसे जरूरी है

पहले रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को छोड़ने 10 लोग आते थे लेकिन अब हमें सोशल डिस्टेंसिंग भी मैंटेन करनी है। जाने से पहले यात्रियों की टेस्टिंग की जाएगी और संदिग्ध को डाक्टर के पास भेजा जाएगा। पूरी तरह से स्वस्थ व्यक्ति को ही रेल में यात्रा की अनुमति दी जाएगी

आने वाले समय में कोरोना की वजह से सभी की लाइफस्टाइल बदल जाएगी। अभी तक लोग सोचते थे कि सिर्फ पैसा कमाने से जिंदगी बन जाती है लेकिन कोरोना आने के बाद लोगों को पता चल गया है कि जिंदगी सबसे जरूरी है। मुझे विदेशों से कई लोगों ने फोन किया कि हमें कुछ भी करके वापस भारत बुला लो। इसके बाद मैंने उनसे पूछा कि आप लोग वहां क्यों गए थे। सभी का जवाब था कि पैसे के लिए। लेकिन अब उन्हें वहां उतनी सुविधा नहीं मिल रही इसलिए वे भारत आकर सुरक्षित रहना चाहते हैं। तब सरकार ने इस दिशा में पहल की। अब रेलवे में भी हमने कई व्यवस्थाएं की हैं। पहले रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को छोड़ने 10 लोग आते थे लेकिन अब हमें सोशल डिस्टेंसिंग भी मैंटेन करनी है। जाने से पहले यात्रियों की टेस्टिंग की जाएगी और संदिग्ध को डाक्टर के पास भेजा जाएगा। पूरी तरह से स्वस्थ व्यक्ति को ही रेल में यात्रा की अनुमति दी जाएगी। मैंने लोगों से विनती की है कि जैसे आप एयरपोर्ट पर जाते हैं वैसे ही अब रेलवे में जाएं। जैसे एयरपोर्ट के लिए एक-डेढ़ घंटा पहले जाते हैं वैसे ही यहां भी समय से पहले आकर टिकट चेक कराएं, सोशल डिस्टेंसिंग मैंटेन करते हुए गंतव्य पर जाएं।

बड़ी संख्या में ट्रेनों के रद्द होने या कई ट्रेनों के स्टेशनों पर न रुकने की वजह से बड़े पैमाने पर टिकट रिफंड हो रहे हैं। ऐसे में बल्क रिफंड को लेकर क्या व्यवस्था की गई है, यात्रियों को उनका पैसा कितने दिनों में वापस मिल पा रहा है ?

अगर टिकट रद्द हो जाता है तो हमने व्यवस्था की हुई है कि उनका पैसा सीधे उनके खाते में चला जाता है। आज टेक्नोलाजी बहुत अच्छी आ गई है। आने वाले समय में इसका उपयोग करके हमारे यात्री अपने घर सुरक्षित पहुंच सकते हैं। रेलवे की जिम्मेदारी उन्हें उनके घर सुरक्षित पहुंचाना है। पीयूष गोयल जी ने भी कई बार मीटिंग के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन यात्रियों का पैसा वापस करना है वह जल्द किया जाएगा।

भारतीय रेलवे स्टेशनों को संवारने का काम तेजी से कर रहा है। बताया जा रहा है कि रेलवे इसके लिए पीपीपी मॉडल पर काम कर रहा है। अभी तक कितने स्टेशनों को नए फील और लुक के साथ संवारा गया है और आगे कितने और स्टेशनों को नया लुक दिया जाएगा ?

अभी हमने 50 रेलवे स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर दिया है। आज की पीढ़ी की ये सोच है कि हमारे रेलवे स्टेशन भी अच्छे होने चाहिए, ये गंदे नहीं दिखने चाहिए। हमारे इंजीनियर और रेलवे कर्मचारी इस काम में जुट गए हैं। आने वाले दिनों में हम खूबसूरत स्टेशन बनाकर दुनिया के बेहतर रेलवे स्टेशनों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसके अलावा हमारी मालगाड़ी भी कम से कम 50 किमी प्रति घंटा की गति से चलनी चाहिए। पहले यह 20 किमी की गति से जाती थीं। गति बढ़ने से हमारी इंटस्ट्री को फायदा होगा। हमारी मालगाड़ी की गति कम थी जिससे चार-पांच दिन लग जाते थे, गंतव्य तक पहुंचने में और देरी होती थी। उद्यमियों को कम खर्च में निर्यात करने में आसानी हो उस दिशा में हम काम कर रहे हैं। डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर के पूरा होने के बाद इसमें बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री की सोच है कि हमारे शिपयार्ड, रोड को और रेलवे को कनेक्ट करके लोगों को काम करने के लिए बेहतर अवसर दिया जाएगा। जब अटल जी प्रधानमंत्री थे तो देश में सड़कों का जाल बिछाया। अब मोदी जी रेलवे को सभी मार्गो से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

आमतौर पर रेलवे स्टेशन पर गंदगी का आलम देखने को मिलता है। इस वजह से खासकर विदेशी सैलानियों के मन में अच्छा संदेश नहीं जाता है। हालांकि पहले से हालात काफी सुधरे भी हैं। ऐसे में हम ये जानना चाहेंगे कि वह वक्त कब आएगा जब हम स्टेशन पर जाएं तो विदेशों जैसा चमचमाता और फाइव स्टार जैसा देखने को मिले ?

इस दिशा में काम शुरू हो गया है। गुजरात में यह काफी आगे बढ़ रहा है। एक जमाना था जब रेलवे स्टेशन पर जाने पर हम नाक बंद कर लेते थे। मोदी जी ने स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाने के लिए खुद झाड़ू उठाई है। जब उन्होंने ऐसा किया तो पूरा देश स्वच्छता में लग गया। रेलवे को भी निर्देश हैं कि स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाए। इससे बदलाव देखने को मिल रहा है। अब युवा पीढ़ी रेलवे स्टेशनों पर सेल्फी लेते दिख जाएगी। हम कह सकते हैं कि इस ओर हमारा पूरा ध्यान है। आप किसी भी स्टेशन पर जाएंगे तो वह साफ-सुथरा दिखेगा। आप दिल्ली के रेलवे स्टेशन जाकर देख सकते हैं। इसके लिए हम मोदी जी को पूरा श्रेय देते हैं। आने वाले समय में आप देखेंगे कि हमारे रेलवे स्टेशन अंतरराष्ट्रीय स्तर के होंगे।

हाल ही में रेलवे ने 12,000 हार्स पावर का पहला स्वदेशी इंजन तैयार किया है। यह कारनामा करने वाला भारत दुनिया का छठा देश बन गया है। रेलवे के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। ऐसे इंजन का इस्तेमाल माल ढुलाई के लिए ही होगा या इसका यात्री ट्रेनों में भी उपयोग किया जाएगा ?

देखिए, हमारा रेलवे बोर्ड है, टेक्नीकल टीम है। जहां-जहां भी आवश्यकता पड़ेगी हम इसे इस्तेमाल में लाएंगे। हम अपनी टीम के इंजीनियरों का अभिनंदन करते हैं जिन्होंने मिलकर 12,000 हार्स पावर का इंजन बनाया है। हमारी यह टीम काफी सक्षम है। जहां भी काबिलियत दिखाने की जरूरत पड़ती है ये लोग बहुत उम्दा काम करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रेलवे को लेकर विजन क्या है ?

देश में पहली बार किसान रेल शुरू करके किसानों की फसल को बाजार तक पहुंचाने पर काम हो रहा है। इसका श्रेय मोदी जी के विजन को जाता है। गरीब, युवा और उद्योग के लिए रेलवे कैसे और उपयोगी हो इसके लिए काम हो रहा है। हमारा काम सिर्फ यात्रियों को लाना-ले जाना ही नहीं है। मालगाड़ी को और आधुनिक बनाकर कारोबारियों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले, इस पर भी रेलवे पूरा ध्यान दे रहा है। देश की आर्थिक उन्नति और निर्यात को बढ़ावा मिले इसके लिए भी रेलवे सतत प्रयत्नशील है।

प्रधानमंत्री जी में आप क्या विशेषता पाते हैं, वह इतने खास क्यों हैं ?

प्रधानमंत्री की सोच है कि देश के गरीब से गरीब आदमी के जीवन स्तर में सुधार आए और वह आत्मनिर्भर बने। लोग सशक्त हों और गर्व से कहें कि हम भारतीय हैं। यह अवसर मोदी जी ने दिया है। हमारे कर्नाटक के एक गरीब आदमी का जिक्र जब प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में करते हैं तो उसे भी लगता है कि सरकार हमारी है और हमारा ख्याल रखती है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान कितना सफल होगा, आप क्या मानते हैं ?

यह जरूर सफल होगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए लोग तैयार हैं। प्रधानमंत्री जनता से खुद को कनेक्ट करते हैं। राष्ट्र के नाम संबोधन में वह सबको बराबर स्थान देते हुए कोरोना काल में कानून का पालन करने के लिए कहते हैं कि प्रधानमंत्री हों या गांव का प्रधान ये सब पर लागू होता है। देश में उन्नति हो और इसके लिए वह पूरे मन से लगे रहते हैं। यह विशेषता प्रधानमंत्री जी में है।

संक्षिप्त खबरें

जापान में भारी बारिश से बाढ़, कई लोग लापता

टोक्यो। दक्षिणी जापान में भारी बारिश से शनिवार को बाढ़ आने के साथ ही कई इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिससे कई लोग लापता हो गए और अनेक लोग खुद को सुरक्षित निकाले जाने की प्रतीक्षा में घर की छतों पर खड़े नजर आए। मूसलाधार बारिश होने के बाद कुमामोतो और कागोशीमा के दक्षिणी प्रांतों में 75 हजार से ज्यादा निवासियों को इलाका खाली करने को कहा गया। एनएचके टीवी पर दिखाई गई फुटेज में कुमा नदी से निकल रहे मटमैले पानी में कुमामोतो के हितोयोशी के बड़े हिस्से जलमग्न दिख रहे हैं।

पाक के विदेशमंत्री कोरोना पॉजिटिव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी ने पुष्टि की है कि उनका कोरोना परीक्षण पॉजिटिव आया है लेकिन वह मजबूत और ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं। डॉन न्यूज के अनुसार, शुक्रवार को एक ट्वीट में कुरैशी ने कहा कि हल्का बुखार होते ही उन्होंने तत्काल खुद को घर में क्वॉरेंटीन कर लिया। ट्वीट में कुरैशी ने लिखा, 'मेरा कोरोना परीक्षण पॉजिटिव आया है...मैं मजबूत और ऊर्जावान महसूस करता हूं।

जीन कैस्टेक्स बने फ्रांस के नए प्रधानमंत्री

पेरिस। जीन कैस्टेक्स ने फ्रांस के नए प्रधानमंत्री के तौर पर कामकाज संभाल लिया है। कैस्टेक्स शीर्ष सिविल सर्वेंट एवं दक्षिणी फ्रांस के स्मॉल कम्मून के मेयर रह चुके हैं। वह एडुआर्डो फिलिप की जगह प्रधानमंत्री बने हैं। कोरोना महामारी से देश की स्थिति बिगड़ने के कारण हो रही आलोचनाओं के कारण फिलिप ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। कैस्टेक्स शुक्रवार को फिलिप के विदाई समारोह में शामिल हुए।

एनसीपी की बैठक टली, ओली के भविष्य पर होना था फैसला

■ काठमांडो (भाषा)।

ओली की कार्यशैली तथा उनके भारत-विरोधी बयानों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं के बीच मतभेदों को दूर करने के लिए और समय लिया गया

नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्थाई समिति की वह बैठक सोमवार तक टल गई है जिसमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के भविष्य पर फैसला होना था। ओली की कार्यशैली तथा उनके भारत-विरोधी बयानों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं के बीच मतभेदों को दूर करने पर काम करने के लिए और समय लिया गया है।

पार्टी की 45 सदस्यीय स्थाई समिति की अहम बैठक शनिवार को सुबह 11 बजे होने वाली थी लेकिन अंतिम समय में इसे स्थगित कर दिया गया। प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार सूर्य थापा ने बताया, लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के शीर्ष नेताओं को और वक्त की जरूरत है, इसलिए बैठक सोमवार तक के लिए स्थगित की गई है। पार्टी नेता प्रचंड के प्रेस सलाहकार बिष्णु सपकोता ने कहा, स्थाई समिति की बैठक सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है क्योंकि दोनों अध्यक्षों को और बातचीत के लिए समय चाहिए।

इससे पहले स्थाई समिति की बैठक बृहस्पतिवार को होनी थी लेकिन उसे भी टाल दिया गया था। पार्टी के संकट को हल करने के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री ओली तथा एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रचंड के बीच तीन घंटे तक चली अनौपचारिक बातचीत का भी कोई नतीजा नहीं निकला।

पार्टी के वरिष्ठ नेता गणेश शाह ने कहा, शुक्रवार की अनौपचारिक मुलाकात में दोनों नेताओं ने पूरे हालात की समीक्षा की। उन्होंने स्थाई समिति की आगामी बैठक में बातचीत के लिए एजेंडे पर भी चर्चा की। काठमांडो पोस्ट के अनुसार शुक्रवार की बैठक में प्रचंड ने अपना रुख दोहराया कि ओली को पद छोड़ देना चाहिए लेकिन प्रधानमंत्री ने इनकार करते हुए कहा कि वह अपने इस्तीफे को छोड़कर अन्य किसी भी मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार हैं।

भारतीय शोधकर्ताओं ने कोरोना टेस्ट के लिए बनाया सस्ता, विद्युतरहित सेंट्रीफ्यूज

■ न्यूयार्क (भाषा)।

एक भारतीय वैज्ञानिक के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एक सस्ता, विद्युत रहित सेंट्रीफ्यूज विकसित किया है जो नए कोरोना वायरस की जांच के लिए किसी मरीज की लार के नमूनों से घटकों को अलग कर सकता है। इस खोज से दुनिया के गरीब क्षेत्रों में कोरोना के निदान की पहुंच बढ़ सकती है।

अमेरिका के स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के मनु प्रकाश समेत वैज्ञानिकों का कहना है कि 'हैंडीफ्यूज' उपकरण ट्यूब में रखे नमूनों को बेहद तेज गति से घुमाता है जो मरीज के लार के नमूने से वायरस के जीनोम (जीन के समूह) को अलग करने के लिए पर्याप्त है वह भी बिना विद्युत के। मेडरिक्सिव नाम के डिजिटल मंच पर प्रकाशित इस अध्ययन की अभी विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा नहीं हुई है लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि सस्ते सेंट्रीफ्यूज को पहले से उपलब्ध घटकों का उपयोग करके प्रति इकाई पांच डॉलर से भी कम की लागत में तैयार किया जा सकता है। सेंट्रीफ्यूज या अपकेंद्रित्र दरअसल ऐसे उपकरण को कहते हैं जिसमें अपकेंद्री बल के इस्तेमाल से विभिन्न घनत्व के पदार्थों को अलग-अलग किया जाता है। इसी के इस्तेमाल से लार के नमूनों से कोरोना के जीनोम को अलग किया जा सकता है। यह तकनीक नैदानिक जांच से

इस खोज से दुनिया के गरीब क्षेत्रों में कोरोना के निदान की पहुंच बढ़ सकती है

जुड़े लोगों और वैज्ञानिकों को एक त्वरित और सस्ती जांच की तकनीक उपलब्ध कराती है जिसे 'एलएएमपी' जांच कहते हैं। मरीज की लार के नमूनों में कोरोना वायरस के जीनोम की मौजूदगी की पहचान की जा सकती है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक 'एलएएमपी' व्यवस्था सरल है, इसमें किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं है, त्वरित है (नमूना लेने से नतीजे आने तक में करीब एक घंटे लगते हैं) और सस्ती है। जांच में जहां यह फायदे हैं वहीं वैज्ञानिकों ने कहा कि लार के नमूनों में वायरस के जीनोम की पहचान के नैदानिक तरीकों के कारण नतीजों में विभिन्नता हो सकती है।

वैज्ञानिकों ने अध्ययन में लिखा, निष्क्रिय किए गए नमूनों से प्रतिक्रिया अवरोधकों को अलग करने के लिये अपकेंद्रित्र को एक विश्वसनीय एलएएमपी प्रवर्धन के तरीके के तौर पर दर्शाया गया है। उन्होंने कहा, कुछ मिनटों तक 2000 चक्कर प्रति मिनट (आरपीएम) की आवश्यक गति सुरक्षित तरीके से प्राप्त करने में सक्षम सेंट्रीफ्यूज में सैकड़ों डॉलर की लागत आती है और उसमें विद्युत आपूर्ति की भी आवश्यकता पड़ती है। स्टेनफोड विश्वविद्यालय में जैव आभियांत्रिकी के प्रोफेसर प्रकाश ने कहा कि हैंडीफ्यूज से इस कमी से पार पाया जा सकता है। उनकी प्रयोगशाला पूर्व में सस्ता 'ओरीगामी सुक्ष्मदर्शी' बना चुकी है जिसे 'फोल्डस्कोप' नाम दिया गया।

कोरोना पर नियंत्रण के लिए सजगता बरतें देश : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना से प्रभावित देशों से महामारी के प्रसार पर नियंत्रण और जमीनी स्तर पर सजगता बरतने की अपील की है।

डब्ल्यूएचओ के निदेशक माइकल रेयान ने शुक्रवार को यहां कहा कि लोगों को सजगता बरतनी चाहिए। आंकड़े झूठे नहीं हैं। जमीनी स्तर के हालात झूठे नहीं हैं। रेयान ने कहा, देशों को अपनी अर्थव्यवस्था पटरी पर लानी है। इसकी ठोस वजह भी है। यह समझने योग्य है, लेकिन आप मौजूदा समस्या को अनदेखा नहीं कर सकते। यह समस्या जादू से नहीं जाएगी। 'सोशल डिस्टेंसिंग' जैसे उपाय उन क्षेत्रों के लिए बहुत आवश्यक है, जहां कोरोना की महामारी अनियंत्रित है। रेयान ने कहा, अगर लोग कोरोना वायरस के मौजूदा दौर से लड़ने का सबक सीखते हैं तो दूसरे दौर से लड़ने में दुनिया काफी हद तक बेहतर स्थिति में होगी। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि सरकारों को अपने देशों में बीमारी की स्थिति पर आधारित नीतियों की रूपरेखा बनानी चाहिए।

मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए सात मंत्र

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

कार्यकर्ताओं की सेवा कार्य के दौरान मृत्यु पर प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

पांच करोड़ फेस कवर लोगों तक पहुंचाएं गए : जेपी नड्डा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा ही संगठन कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं को सात मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा मंत्र है। भाजपा राजनीति 'सत्ता' के लिए नहीं 'सेवा' के लिए करती है।

कोरोना काल में भाजपा द्वारा चलाए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण सात राज्यों की इकाईयों ने शनिवार को प्रधानमंत्री के समक्ष पेश किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुए इस कार्यक्रम में भाजपा के मुख्यमंत्रालय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अनेक मंत्री मौजूद थे और सात जगह सात प्रदेशों के अध्यक्ष और मंत्रीगण उपस्थिति थे। उत्तर प्रदेश की तरफ से पार्टी अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री योगी भी शामिल हुए। वहीं, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली भाजपा ने अपनी प्रस्तुती दी।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने साथ - सात- 'स' की शक्ति लेकर आगे बढ़ना चाहिए। सेवाभाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, सद्भावना व संवाद। कोरोना की लड़ाई में भरपूर रूप से इसका प्रभाव दिखाई दिया है। हमारे समाज में दूसरों के लिए कुछ करने और सेवा भाव की बहुत बड़ी ताकत है। हमें समाज की इस ताकत को पूजने का कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। आपको संतोष होना चाहिए कि समाज ने हम सबको इस काम के लिए चुना है। सेवा करने के लिए ईश्वर ने हमें राह दिखाई है। प्रधानमंत्री ने कहा हमारे लिए हमारा संगठन चुनाव जीतने की सिर्फ मशीन नहीं है, हमारे लिए हमारे संगठन का मतलब है सेवा, सबका साथ, सबका सुख और सबकी समृद्धि। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक आफत आई तो आपने उसको अवसर में बदल दिया। अवसर ये कि आप लोगों की सेवा कर सकें, लोगों की तकलीफ कम कर सकें, उन्हें इस मुसीबत से उबार सकें। जिसकी हम सेवा करते हैं, उसका सुख ही हमारा संतोष है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनसंघ और भाजपा के जन्म का मूलतः उद्देश्य ही यही था कि हमारा देश सुखी कैसे बने, समृद्ध कैसे बने। इसी मूल प्रेरणा के साथ, भारतीयता की प्रेरणा के साथ, सेवा की भावना के साथ हम राजनीति में आए। हम लोगों ने राजनीति में सत्ता को सेवा का माध्यम माना। हमने कभी भी सत्ता को अपने लाभ का माध्यम नहीं बनाया। निःस्वार्थ सेवा ही हमारा संकल्प रहा है और यही हमारे संस्कार रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कई शहरों में इस सेवा कार्य के दौरान कई कार्यकर्ताओं की मृत्यु हो गई उन सभी को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा लॉकडाउन के दौरान किए गए कार्यों का व्यौरा दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने 22 करोड़ फूड पैकेट लोगों तक पहुंचाए।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने चीन के खिलाफ प्रदर्शन किया

■ न्यूयार्क (भाषा)।

न्यूयार्क के ऐतिहासिक टाइम्स स्क्वॉयर पर बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी लोगों ने चीन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए 'भारत माता की जय' और अन्य देशभक्ति नारे लगाये। साथ ही, उन्होंने भारत के खिलाफ चीन की आक्रमकता को लेकर उसका आर्थिक बहिष्कार करने और उसे राजनयिक स्तर पर अलग-थलग करने की भी मांग की।

न्यूयार्क और न्यूजर्सी में रह रहे भारतीयों और भारतीय संघों के परिसंघ (एफआईए) के अधिकारियों ने 'चीन निर्मित वस्तुओं का बहिष्कार करो', 'भारत माता की जय' और 'चीनी आक्रामकता को रोको' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कोरोना महामारी के मद्देनजर चेहरे पर मास्क पहनकर प्रदर्शन किया। उनके हाथों में 'हम शहीद जवानों को सलाम करते हैं' के पोस्टर थे। प्रदर्शन में तिब्बती और ताइवानी समुदाय के सदस्य भी शामिल हुए। उन्होंने 'तिब्बत भारत के साथ खड़ा है', 'मानवाधिकारों, अल्पसंख्यक समुदायों के धर्मों, हांगकांग के लिए न्याय', 'चीन मानवता के खिलाफ अपराध रोके' और 'चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करो' के पोस्टर ले रखे थे। समुदाय के नेताओं, प्रेम भंडारी और जगदीश सहवानी ने शुक्रवार को इस प्रदर्शन का आयोजन किया।

घर में कितनी रख सकते हैं

गोल्ड ज्वेलरी

आमतौर पर लोगों में इस बात को लेकर दुविधा रहती है कि कोई व्यक्ति कितनी मात्रा में सोने के आभूषण और गहने रख सकता है। इस बारे में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी परिपत्र से स्पष्ट हो गया है कि कर अधिकारी निर्धारित सीमा तक के स्वर्ण आभूषणों को जब्त नहीं कर सकते भले ही उस व्यक्ति के परिवार की आय और समाज में स्थिति कैसी भी हो। भविष्य में किसी भी झंझट से बचने के लिए आप जो भी आभूषण खरीदें उनकी रसीदों को पूरी तरह से सुरक्षित रखें

बलवंत जैन
टैक्स एंड इंवेस्टमेंट एक्सपर्ट

बड़ी संख्या में लोगों के मन में दुविधा रहती है कि कोई व्यक्ति कितने स्वर्ण आभूषण खरीद सकता है। चूंकि गोल्ड कंट्रोल एक्ट काफी समय पहले समाप्त कर दिया गया है इसलिए सोना रखने की मात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं हो सकता। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा 11 मई, 1994 को जारी परिपत्र में इसकी सीमा निर्धारित की गई है। इसके तहत एक विवाहित महिला 500 ग्राम स्वर्ण आभूषण रख सकती है जबकि अविवाहित महिला के लिए यह सीमा 250 ग्राम है। इसी तरह सभी पुरुषों के लिए चाहे वह विवाहित है अथवा अविवाहित, परिवार में प्रत्येक सदस्य के लिए यह सीमा 100 ग्राम निर्धारित की गई है। यदि आयकर विभाग छापा मारता है तो इस मात्रा तक के आभूषणों को जब्त नहीं किया जा सकता। ऐसे में सीबीडीटी के दिशानिर्देशों को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है।

क्यों पड़ी जरूरत

सीबीडीटी ने यह परिपत्र ऐसे विवादों को देखते हुए जारी किया है जो आयकर विभाग के छापे के दौरान उठते थे। इस दरम्यान इस बात को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी कि कर अधिकारी छापे के दौरान कितनी सीमा से अधिक की गोल्ड ज्वेलरी को जब्त करके अपने साथ ले जा सकते हैं। इस परिपत्र के जारी होने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि कर अधिकारी निर्धारित सीमा तक के स्वर्ण आभूषणों को जब्त नहीं कर सकते भले ही परिवार की आय और समाज में स्थिति कैसी भी हो। यहां तक कि यदि परिवार इस ज्वेलरी की आय के स्रोत बताने की स्थिति में नहीं है तब इसे जब्त नहीं किया जा सकता है। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि सीबीडीटी का परिपत्र यह बंदिश नहीं लगाता कि आप इस सीमा से अधिक आभूषण नहीं रख सकते। यह नियम करदाताओं की सुविधाओं के लिए जारी किया गया है। छापे की स्थिति में यदि आयकर अधिकारी स्वर्ण आभूषण जब्त करते हैं तो निर्धारित सीमा तक की मात्रा के आभूषणों को अलग कर दिया जाएगा। कर अधिकारी शेष आभूषणों को ही अपने साथ ले जा सकते हैं। यह परिपत्र आयकर अधिकारियों की शक्ति पर प्रतिबंध लगाता है। भले ही परिवार के सदस्य निर्धारित सीमा तक की ज्वेलरी के आय के स्रोत नहीं बता पाते हैं तब भी उन्हें जब्त नहीं किया जा सकता।

स्रोत का ब्योरा

इस परिपत्र का सोने के आभूषणों की मात्रा पर किसी भी तरह से कोई प्रतिबंध लगाने का उद्देश्य नहीं है। सीमा से अधिक आभूषण रखने पर आयकर विभाग आपसे इनके स्रोत पूछ सकता है। यदि आप इस बारे में पूरा ब्योरा मुहैया करा देते हैं तो छापे की कार्रवाई के दौरान यह आभूषण जब्त नहीं किए जाने चाहिए। इस बात को अच्छी तरह से समझ लें कि यह परिपत्र निर्धारित सीमा तक के स्वर्ण आभूषणों के स्वामित्व को वैध नहीं करता है। भले ही छापे के दौरान संपत्ति की सूची बनाते समय कर अधिकारी तय सीमा तक आभूषणों को जब्त नहीं कर सकते। फिर भी आपको इन आभूषणों को खरीदने के लिए जुटाई गई रकम के स्रोत का ब्योरा देना पड़ सकता है।

सुरक्षित रखें रसीद

यदि आपने आय पर कर चुकाने के बाद आभूषण खरीदे हैं तो फिर आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस स्थिति में आप यह आसानी से साबित कर सकते हैं कि यह आभूषण कैसे खरीदे गए थे। इसके लिए जरूरी है कि आपको खरीद की सभी रसीदें सुरक्षित रखें। यहां तक कि यदि आपने इन आभूषणों के बदले में कोई दूसरे आभूषण लिए हैं तो मूल आभूषण की रसीद और नए आभूषणों के मेकिंग चार्ज के भुगतान की रसीदों को भी सुरक्षित रखना आपके हित में रहेगा। यह जरूरी नहीं है कि स्वर्ण आभूषण चेक, क्रेडिट या डेबिट कार्ड के जरिए ही खरीदे जाएं। आपने नकदी के जरिए जो आभूषण खरीदे हैं वह उस वित्त वर्ष में आय और निकासी के आधार पर उचित ठहराए जाने चाहिए। सीबीडीटी के परिपत्र को पढ़ने से यह स्पष्ट होता है कि यह केवल सोने के गहने और आभूषणों के संदर्भ में हैं। इसलिए कर अधिकारी छापे के दौरान पाए गए सोने के सिक्के, छड़, बर्तन और अन्य गहनों को जब्त कर सकते हैं। भले ही इनका वजन परिपत्र में तय की गई सीमाओं से कम हो। यदि आप इन वस्तुओं की खरीद या प्राप्त करने के प्रमाण देने में सक्षम होते हैं तो अधिकारी इन्हें जब्त नहीं कर सकते। हालांकि वेल्थ टैक्स को वर्ष 2015 में समाप्त कर दिया गया है और उसमें इन स्वर्ण आभूषणों, सिक्कों, बर्तनों और बिस्किट आदि को शामिल किया गया है स्रोत को प्रमाणित करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी।

ऐसे में उम्मीद है कि इन सूचनाओं से आपको सीबीडीटी के परिपत्र के नियमों को समझने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी।

jainbalwant@gmail.com

वसीयत में मिला सोना तो साथ रखें वसीयत की प्रति

स्वर्ण आभूषण या तो स्वयं खरीदे जा सकते हैं अथवा अपने पूर्वजों से भेंट स्वरूप मिले हो सकते हैं। यदि विरासत में सोना मिला है तो भले ही इसे बैंक लॉकर में रखें अथवा घर में, इसकी वसीयत की प्रति भी अवश्य रखें। जिस व्यक्ति से आपको यह सोना मिला है यदि उपलब्ध हों तो उनके आयकर रिटर्न, वैल्युशन रिपोर्ट और वेल्थ टैक्स के कागजात को संभाल कर सकें। यह ब्योरा किसी अप्रिय स्थिति से बचा सकता है। भविष्य में जब कभी आपसे इन आभूषणों के स्रोत के बारे में पूछा जाता है और आप सक्ष्यों के साथ विरासत में मिलने का दावा करते हैं तो आयकर अधिकारी इन्हें जब्त नहीं कर सकते।

म्यूचुअल फंड

गिरवी रखकर भी मिलता है

बैंक लोन

कोरोना महामारी के चलते कई लोगों के सामने वित्तीय संकट की स्थिति पैदा हो गई है। ऐसे में वे अपनी अहम जरूरतें जैसे होम लोन की किस्तों की अदायगी व बच्चों की स्कूल की भारी भरकम फीस भी समय पर नहीं अदा कर पा रहे हैं। अगर ऐसी स्थिति में व्यक्ति ने म्यूचअल फंड का कोई प्लान ले रखा है तो उसको इसके एवज में बैंक लोन आसानी से मिल सकता है। म्यूचुअल फंड के एवज में मिलने वाला पर्सनल लोन की तुलना में कुछ सस्ता भी पड़ता है। आइए इस लोन के बारे में विस्तार से जानने की कोशिश करते हैं

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

कोरोना वायरस के चलते आम आदमी का मासिक बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। इस महामारी के चलते कई निजी क्षेत्र की कई कंपनियों ने कर्मचारियों के वेतन में कटौती कर दी है तो कई कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। इससे कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक तंगी जैसे हालात पैदा हो गए हैं। जिन कर्मचारियों की नौकरी इस महामारी के चलते गई है उनके हालात ज्यादा खराब हैं क्योंकि उनकी मासिक आमदनी अचानक बंद होने से उनके लिए रोजमर्रा के खर्च चलाना भी मुश्किल हो रहा है। बचत का महत्व ऐसे ही हालात में समझ में आता है। अगर आपने भविष्य की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ बचत की है और इस बचत को गोल्ड, शेयर बाजार, इंश्योरेंस पालिसी या म्यूचुअल फंड में निवेश किया है तो यह निवेश इस आड़े वक्त में काफी मददगार साबित हो सकता है। कोरोना के चलते जिस व्यक्ति की नौकरी चली गई है उसे परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि नौकरी तो देर सबेर फिर मिल जाएगी लेकिन जिन कर्मचारियों के वेतन में कटौती की गई है अगर उन्होंने कुछ निवेश म्यूचुअल फंड में कर रखा है तो उनको आसानी से बैंक लोन हासिल हो सकता है। जी... हां... कई बैंकों ने ऐसी योजनाएं पेश कर रखी हैं जिनके तहत म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट अर्थात म्यूचुअल फंड को गिरवी रखकर वे लोन हासिल कर सकते हैं।

कितना मिलता है कर्ज

अगर आप म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट लोन लेना चाहते हैं तो आप यह काम बड़ी ही आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आप संबंधित बैंक की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। लेकिन इससे पहले बैंक शाखा में जाकर लोन के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें। ऐसा इसलिए क्योंकि बैंक हर प्रकार के म्यूचुअल फंड पर लोन नहीं देते। इसके लिए आप अपनी बैंक शाखा में मालूम करें कि आपका बैंक किस प्रकार के फंड पर लोन दे रहा है। हालांकि अधिकतर बैंक डेट फंड या फिक्स्ड मैच्योरिटी वाले फंड पर आसानी से लोन मुहैया करा देते हैं।

कितनी होगी ब्याज दर

म्यूचुअल फंड पर लोन लेने के इच्छुक व्यक्ति को बैंक की ब्याज दर के बारे में पूरी जानकारी हासिल करना जरूरी है। आमतौर पर म्यूचुअल फंड को गिरवी रखकर मिलने वाले लोन की ब्याज दर पर्सनल लोन की ब्याज दर से कम ही होती है। मौजूदा समय में पर्सनल लोन की ब्याज दर 11 फीसद से 16 फीसद अथवा कई बैंकों में इससे भी ज्यादा चल रही है। लेकिन म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट मिलने वाला लोन 11 से 13 फीसद की ब्याज दर पर भी बैंक दे देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बैंक म्यूचुअल फंड खासकर डेट फंड को लिक्विड गारंटी के रूप में देखते हैं। लिक्विड गारंटी में बैंक अपने लोन को सिक्योर्ड लोन मानते हैं अर्थात वे यह मानते हैं कि अगर कर्ज लेने वाले व्यक्ति ने कर्ज की रकम वापस न की तो वे उसके द्वारा गिरवी रखे गए म्यूचुअल फंड को जब्त करके अपनी रकम की भरपाई कर लेते हैं। इस तरह के लोन बैंकों की ओवरड्राफ्ट सुविधा की तरह काम करते हैं। जैसे ओवरड्राफ्ट सुविधा में बैंकों द्वारा उतनी ही रकम कर ब्याज लगाया जाता है जितनी रकम ओवरड्राफ्ट सुविधा लेने वाला व्यक्ति इस्तेमाल करता है। म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट मिलने वाले लोन पर भी बैंक यही फार्मूला इस्तेमाल करते हैं।

लोन की राशि

आमतौर पर म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट मिलने वाले लोन पर बैंक म्यूचुअल फंड के एनएवी मूल्य का 50 ही लोन स्वीकार करते हैं। कई बैंक इससे ज्यादा का लोन भी स्वीकार कर लेते हैं। डेट फंड या फिक्स्ड मैच्योरिटी वाले म्यूचुअल फंड में लोन की रकम एनएवी की 75 से 80 फीसद तक हो सकती है। आपको कितना लोन मिलेगा इसके लिए आपको अपनी बैंक शाखा से जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए।

आनलाइन भी मिल जाता है लोन

म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट मिलने वाले लोन के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह कागजरहित भी होती है। अगर कर्ज लेने वाला व्यक्ति थोड़ा पढ़ा लिखा है तो वह बैंक की वेबसाइट पर जाकर वहां दिये निर्देशों को पढ़कर सारी जानकारी आनलाइन भी हासिल कर सकता है और इसके बाद आवेदन की प्रक्रिया भी आनलाइन ही पूरी कर सकता है। बैंकों की वेबसाइट पर इस बात की जानकारी दी होती है कि किस तरह के म्यूचुअल फंड पर लोन ले सकते हैं, ब्याज दर कितनी है, प्रोसेसिंग फीस कितनी है और केवाईसी के लिए क्या-क्या डाक्यूमेंट अपलोड करने हैं। अगर कोई व्यक्ति पढ़ा लिखा नहीं है तो वह सारी जानकारी और आवेदन की प्रक्रिया बैंक शाखा जाकर भी पूरी कर सकता है।

एमएफ लोन का फायदा

अगर कोई व्यक्ति वित्तीय संकट में फंस जाता है और ऐसे में अगर उसके पास म्यूचुअल फंड होता है तो वह यही सोचता है कि इसे बेचकर अपनी वित्तीय जरूरतें पूरी कर लें। ऐसे में अक्सर उसे अपने फंड को कम कीमत पर भी बेचना पड़ सकता है। लेकिन म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट लोन की सुविधा शुरू होने से उसे अपने फंड को घाटे पर नहीं बेचना पड़ता है। जैसा कि मौजूदा समय में चल रहा है। मौजूदा समय में कोरोना संकट के चलते म्यूचुअल फंड की एनएवी काफी निचले स्तर पर आ गई हैं।

मुद्रा योजना

से बनें आत्मनिर्भर

कोरोना संकट की वजह से लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। अभी कितनी और जाएंगी इसका कयास लगा पाना मुश्किल है। इस स्थिति में अपना कारोबार बेहतर विकल्प है। प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना के जरिए 10 लाख रुपए तक का कर्ज लेकर इसकी शुरुआत कर सकते हैं। यह लोन बिना किसी गारंटी के आसान शर्तों पर मिल रहा है। यदि आप अपना व्यवसाय शुरू करने में सफल गए तो फिर नौकरी मांगने के बजाय देने की स्थिति में आ जाएंगे

देवेन्द्र शर्मा
आर्थिक पत्रकार

कोरोना वायरस की महामारी की वजह से बड़ी संख्या में उद्योगधंधे ठप पड़ गए हैं। इससे लाखों लोगों पक्की नौकरियां चली गई हैं। यदि इस संकट से कुल बेरोजगार होने वालों की बात करें तो यह आंकड़ों करोड़ों में पहुंच गया है। इस संकट की वजह की वजह से अभी कितने लोगों को नौकरी जाएगी इसका कयास लगा पाना मुश्किल है। लेकिन इतना साफ है कि हालात भयावह होते जा रहे हैं। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की मुहिम शुरू की है। ऐसे में अपना कारोबार अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। लेकिन इसके लिए पूंजी कहां से आएगी, यह सबसे बड़ा सवाल हो सकता है। ऐसे लोगों के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना संजीवनी का काम कर रही है। इस योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का लोन लेकर अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। देश के लगभग सभी बैंक बिना गारंटी के आसान शर्तों पर यह लोन मुहैया करा रहे हैं।

कौन ले सकता है लोन

मुद्रा योजना में कोई भी भारतीय नागरिक जो अपना व्यवसाय शुरू करना चाहता है वह 10 लाख रुपए तक के लोन के लिए आवेदन कर सकता है। यदि आपका कोई मौजूदा कारोबार है तो उसके विस्तार के लिए भी यह लोन ले सकते हैं। मुद्रा योजना के तहत कर्ज को विभिन्न व्यवसायों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तीन वर्गों में बांटा गया है। इनमें शिशु ऋण योजना के तहत 50,000 रुपए तक का कर्ज ले सकते हैं। किशोर योजना में 50,000 से पांच पांच लाख रुपए तक का कर्ज देने का प्रावधान। तरुण योजना में पांच लाख से लेकर 10 लाख रुपए तक का कर्ज लिया जा सकता है। सरकार ने प्रावधान किया है कि मुद्रा योजना में कम से कम 60 फीसद ऋण शिशु श्रेणी में बांटा जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग अपना कारोबार शुरू करके आत्मनिर्भर बन सकें।

मुद्रा योजना में खेती से जुड़े कार्यों को कर्ज का प्रावधान नहीं है।

कैसे मिलेगा कर्ज

आजकल देश के लगभग सभी बैंक मुद्रा ऋण की सुविधा दे रहे हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए अपने नजदीकी बैंक में जाकर संपर्क करें। जिस बैंक में आपका बचत खाता है वहां से आपको और आसानी से कर्ज मिल सकता है। आप जिस बैंक से कर्ज ले रहे हैं वहां एक आवदेन जमा करना होगा। इसके साथ कुछ जरूरी कागजात लगाने होंगे। बैंक इन कागजातों की जांच करेगा। इस प्रक्रिया में कुछ दिनों का समय लग सकता है। कर्ज मिलने की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद आपका कर्ज मंजूर हो जाएगा। आमतौर पर इस प्रक्रिया में एक महीने का समय लग सकता है। सभी बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आपने जिस काम के लिए कर्ज लिया है उसका उपयोग उसी मद में किया जाए। मुद्रा ऋण का बड़ा फायदा है कि यह बिना किसी गारंटी के मिलता है। इसका भुगतान पांच साल की किस्तों में कर सकते हैं।

कितना लगेगा ब्याज

मुद्रा लोन पर ब्याज की दर सीधे बैंक, इसकी विभिन्न योजनाओं और सेवाओं और आवेदक की क्रेडिट हिस्ट्री पर निर्भर करती है। मुद्रा लोन छोटे व्यवसाय मालिकों, जैसे फलों और सब्जियों के विक्रेताओं, कुशल कारीगरों, सेवा क्षेत्र, छोटे व्यवसायों और दुकानदारों को दिया जाता है। आमतौर पर बैंक बिना किसी गारंटी के कर्ज पर सालाना 18 से 24 फीसद तक का ब्याज लेते हैं। मुद्रा ऋण पर सरकार की ओर से कोई ब्याज दर निश्चित नहीं की गई है। होमलोन की तरह विभिन्न बैंकों की मुद्रा लोन की ब्याज दरें अलग-अलग हो सकती हैं। फिलहाल विभिन्न बैंकों के मुद्रा लोन की ब्याज दरें सालाना 8.40 से 12.45 फीसद के बीच हैं।

विशेष कार्ड की सुविधा

मुद्रा योजना में एक विशेष कार्ड जारी किया जाता है जो डेबिट कार्ड की तरह काम करता है। इसके जरिए व्यवसायी अपने मुद्रा ऋण की 10 फीसद तक रकम खर्च कर सकता है। मुद्रा कार्ड का प्रमुख उद्देश्य यह है कि इसके जरिए व्यवसायी अपने कारोबार के रोजमर्रा के खर्चे का भुगतान कर सके। इस कार्ड का उपयोग लगभग सभी बैंकों के एटीएम और पाइंट आफ सेल (पीओएस) पर कर सकते हैं। इससे व्यवसायी को अपने पास हर समय नकदी रखने की जरूरत नहीं रहेगी। इस कार्ड के जरिए निर्धारित सीमा के तहत जब चाहो उतना खर्च कर सकते हैं। कुल मिलाकर यदि आपके सभी कागजात दुरुस्त हैं और साफ नीयत के साथ व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं तो आपको लोन मिलने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

राष्ट्रीय सहारा sunday उमंग

अली अब्बास की

लेडी सुपर हीरो

अफवाह थी कि कैटरीना कैफ, अली की अगली फिल्म की नायिका होंगी। कोई इसे हॉरर कॉमेडी बता रहा था तो कोई सुपर हीरो फिल्म। पता चला कि अली अब्बास जफर, कैटरीना के साथ पहली बॉलीवुड लेडी सुपर हीरो फिल्म का निर्माण करने जा रहे है। अली की सुपर हीरो यूनिवर्स में पहली फिल्म होगी। इसके बाद, अली तीन और सुपर हीरो फिल्में बनाएंगे। दूसरा सुपर हीरो *मिस्टर इंडिया* होगा तथा बाकी के दो सुपर हीरो हिन्दू पौराणिक और भारतीय सेना के चरित्र होंगे।

■ अल्पना कांडपाल

सुपर हीरो

किरदारों का एक्शन

कोरोना महामारी के बाद लॉकडाउन से पहले तक बॉलीवुड फिल्म निर्माताओं ने जिस प्रकार एक के बाद एक सुपर हीरो फिल्मों का ऐलान किया था, उससे ऐसा लगता था कि अगले दो तीन सालों में बड़े परदे पर देसी सुपर हीरो का जलवा बिखरने जा रहा है। इनमें से कितनी फिल्में फ्लोर पर जाएंगी, उससे ही तय होगा कि अगले दो तीन साल देसी सुपर हीरो के हैं या नहीं?

ब्रह्मास्त्र

अयान मुखर्जी सुपर हीरो फंतासी ट्राइलॉजी फिल्म *ब्रह्मास्त्र* की पहली कड़ी के स्पेशल इफेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 इस साल 6 दिसम्बर को प्रदर्शित हो सकती है। फिल्म में रणबीर कपूर के किरदार को सुपर पॉवर मिल जाती हैं। फिल्म में मौनी रॉय की भूमिका के जो हल्केफुल्के विवरण मिले हैं, उससे मौनी की भूमिका लेडी सुपर हीरो की लगती है। फिल्म में अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और डिंपल कपाडिया के किरदार भी अहम हैं। हो सकता है कि इनमे भी किसी के पास शक्तियां हों।

रक्षक और अश्वत्थामा

संजय गुप्ता ने *मुंबई सागा* के बाद, *रक्षक* का ऐलान किया था। गैंगस्टर फिल्में बनाने वाले संजय की यह फिल्म सुपर हीरो चरित्र वाली फिल्म बताई गई थी। स्वतंत्र निर्देशक के तौर पर 2019 की बड़ी हिट फिल्म *उरी द सर्जिकल स्ट्राइक* के निर्देशक आदित्य धर ने भी सुपर हीरो फिल्म *अश्वत्थामा* का ऐलान कर रखा है। यह चरित्र महाभारतकालीन नहीं, सामायिक है। इसके पास मुकाबला करने के लिए अद्वितीय शक्तियां हैं। इस भूमिका को विकी कौशल करेंगे। इसके वीएफएक्स अमेरिका में तैयार किए जाएंगे। फिल्म की शूटिंग ग्रीनलैंड, टोक्यो, न्यूजीलैण्ड और नामीबिया की लोकेशनो पर की जाएगी।

ऐलान में धूम धड़ाका...

भारत की सुपर हीरो फिल्मों के साथ दिक्कत यह है कि इनका ऐलान तो धूम-धाम से कर दिया जाता है पर इसके बाद खामोशी साध ली जाती है। 2018 में यह सुगबुगाहट थी कि दीपिका पादुकोण, बॉलीवुड की गाल गडोट बनने जा रही हैं। उन्हें लेकर लेडी सुपर हीरो ट्राइलॉजी की सुगबुगाहट थी। बताया गया कि ट्राइलॉजी के दो हिस्से लिख लिए गए हैं। उस समय दीपिका की ऐतिहासिक फिल्म *पद्मावत* बड़ी हिट हो चुकी थी। बाद में कथित रूप से 300 करोड़ में बनाई जाने वाली इस ट्राइलॉजी फिल्म का कोई पता नहीं चला।

इच्छाधारी नागिन

हेट स्टोरी और *तमंचे* के फ्लॉप हीरो निखिल द्विवेदी को फिल्में तो नहीं मिली लेकिन वह अभी तक दो फिल्मों *वीरे दी वेडिंग* और *दबंग 3* का सह निर्माण कर चुके हैं। निखिल एकता कपूर की नागिन सीरीज की सफलता से प्रभावित है। उनका इरादा नागिन ट्राइलॉजी फिल्म बनाने का है। *नागिन* टाइटल के साथ बनाई जाने वाली इस ट्राइलॉजी फिल्म की नायिका इच्छाधारी नागिन होगी तथा कथानक आधुनिक दुनिया का होगा।

कमजोर पटकथा

समझा जा रहा है कि बॉलीवुड को अच्छी फंतासी सुपर हीरो फिल्में बनाने वाली सूझबूझ नहीं है। गोल्डी बहल निर्देशित और अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा अभिनीत फिल्म *द्रोण* (2008) इसका प्रमाण है। इसको उस समय 45 करोड़ के बजट में बनाया गया था। फिल्म के वीएफएक्स पर 60 दिनों तक काम चला था। लेकिन शिथिल कथा-पटकथा और गलत स्टार कास्ट के कारण *द्रोण* बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित हुई। शायद इसीलिए अली अब्बास जफर का इरादा अपनी सुपर हीरो फिल्मों को सिनेमाघरों के बजाय डिजिटल माध्यम पर प्रदर्शित करने का है ।

फार्मूला फिल्मों से पेट भर चुका -अनुष्का शर्मा

अपने प्रोडक्शन वेंचर्स 'फिल्लौरी', 'परी' और 'बुलबुल' अनुष्का शर्मा सुपरनैचुरल-फेमिनिस्ट फिल्में हैं । अनुष्का बताती है, हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि हम किसी कहानी को कितने अनूठे ढंग से बताते हैं। जहां तक संभव रहा है, हमने अपनी कहानियों को हमेशा अलग-अलग तरीके से बताने की कोशिश की है। मैंने हमेशा महसूस किया है कि स्टोरीटेलिंग में कोई विजुअल ट्रिगर ऑडियंस को बांधे रखने की कुंजी होता है। यह हमें किसी आइडिया को पेश करने का अप्रत्याशित रूप से एक ऐसा नया रूट दे देता है, जिसे ऑडियंस ने पहले कभी नही देखा।

जी पर ताजा एपिसोड्स

लॉकडाउन धीरे-धीरे खत्म हो रहा है और देश न्यूनार्मल की ओर बढ़ रहा है तो चैनल भी शूटिंग शुरू करने और अपने दर्शकों की जिंदगी में उनके पॉपुलर शोज के ताजातरीन एपिसोड्स शामिल करने की तैयारी कर रहा है। प्रज्ञा, प्रीता, गुड्डन और कल्याणी के ताजा एपिसोड्स का प्रसारण 13 जुलाई से शुरू हो रहा है। नन-फिक्शन फ्रेंचाइजी सारेगामापा लिटिल चैम्प्स जैद, साई, सक्षम, आर्यनंदा और माधव समेत कई शानदार टैलेंट के व साथ होस्ट मनीष पॉल और जजों की जोरदार जुगलबंदी के साथ18 जुलाई से वापस आ रहा है। कुमकुम भाग्य, कुंडली भाग्य, तुझसे है राब्ता और गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा के नए एपिसोड्स कई दिलचस्प और अप्रत्याशित मोड़ लेकर आएंगे, जो दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा देंगे।

आशी सिंह यासमीन के रूप में

सोनी सब के फैंटेसी शो अलादीनः नाम तो सुना होगा के नए एपिसोड्स की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नए एपिसोड्स में आशी सिंह सुल्ताना यासमीन के अवतार में होंगी। आशी कहती हैं, मुझे थोड़ा डर भी लग रहा है, क्योंकि मेरे लिए यह काफी बड़ा बदलाव है, लेकिन मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं। मैं यासमीन के अपने किरदार के लिए पूरी मेहनत करने की कोशिश करूंगी। मैंने कभी भी राजकुमारी की भूमिका नहीं निभाई , मैं इस भूमिका के लिए तैयारी कर रही हूं और मैं छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपनी परफॉर्मेंस से यासमीन के किरदार को बेहतर तरीके से पेश कर सकूं।

लॉकडाउन खोलने को उतावली *टेनेट*

डार्क नाइट डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलान की फिल्म *टेनेट*, अमेरिका में सिनेमाघर खुलने के बाद रिलीज होने वाली हॉलीवुड की पहली फिल्म होगी। पहले इस फिल्म को 12 जुलाई से पूरी दुनिया में प्रदर्शित किया जाना था लेकिन फिर वार्नर ब्रदर्स ने फैसला किया कि नोलान की ही सुपरहिट फिल्म *इन्सेप्शन* पहले रिलीज की जाएगी। *टेनेट* की प्रदर्शन तारीख 31 जुलाई कर दी गई। विश्व में सिनेमाघरों के खुलने की स्थिति को देखते हुए टेनेट को 12 अगस्त को वर्ल्डवाइड रिलीज करने का मन बनाया गया है। मतलब क्या भारत में भी सिनेमाघर 12 अगस्त से पूरी तरह से खुलने जा रहे हैं। सिनेमाचेन्स ने अपनी पूरी तैयारी कर रखी है। मगर फिल्म प्रदर्शन की मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, गुजरात आदि में जिस प्रकार से कोरोना पीड़ितों की संख्या बढ़ती ही जा रही है, पूरी गुंजाइश है कि सरकार सिनेमाघरों को खुलने की अनुमति देगी। संभव है कि अगले एक महीने में स्थिति में सुधार हो तथा सिनेमाघर नए ढब और प्रदर्शन शैली के साथ खुलने शुरू हो जाए।

सिम्बा की दहाड़

दुनिया के तमाम देशों में महामारी के बाद, सिनेमाघरों के खुलने का सिलसिला शुरू हो गया है। कनाडा के बाद न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के सिनेमाघर खुले। न्यूजीलैंड में प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म रोहित शेट्टी के निर्देशन में अजय देवगन अभिनीत हॉरर कॉमेडी *गोलमाल अगेन* थी। ऑस्ट्रेलिया में रिलीज होने वाली पहली हिंदी फिल्म भी निर्देशक रोहित शेट्टी की ही है। इसमें भी अजय देवगन की भूमिका मेहमान की होगी। यह फिल्म है रणवीर सिंह और सारा अली खान की एक्शन फिल्म *सिम्बा*। सिम्बा 28 दिसम्बर 2018 को भारत में रिलीज हुई थी। इसके निर्माण में 80 करोड़ खर्च हुए थे। फिल्म ने अब तक 400 करोड़ का क्रॉस कर लिया है।

लुलिया की लैला मंजू

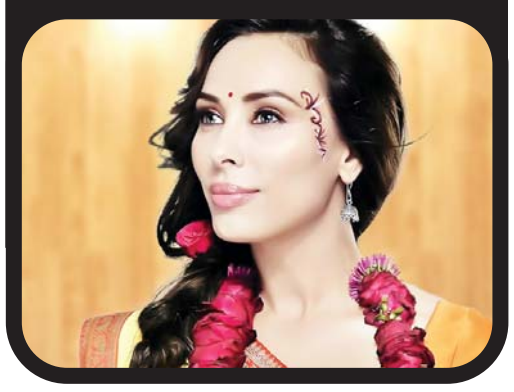

दो तीन सालों से, सलमान खान की चेली-कम-प्रेमिका के तौर पर बॉलीवुड में छाई रहने वाली रोमानियाई मॉडल लुलिया वेंतुर का बॉलीवुड डेब्यू, प्रेम आर सोनी की म्यूजिकल रोमांस फिल्म *लैला मंजू* से होने जा रहा है। अंग्रेजी में इस फिल्म का टाइटल लैला मजनू होने का भ्रम पैदा करता है। फिल्म दो आदमियों के एक लड़की को आकर्षित करने की संगीतमई प्रतियोगिता है। लैला मंजू की भूमिका लुलिया कर रही हैं। इस फिल्म में उनका साथ शशांक व्यास, अभिमन्यु तोमर और नेहल चुडासमा दे रही हैं।

बहुमुखी प्रतिभा के निमत दास

निमत दास अच्छे एक्टर हैं, इसे जानना है तो उनकी *वेक अप सिड* से लेकर *पटाखा* तक, भिन्न जॉनर की भिन्न चरित्रों वाली फिल्में देखें। उन्होंने हर चरित्र को स्वाभाविक ढंग से जिया है। हॉट स्टार पर रिलीज सीरीज *आर्या* में वह, सुष्मिता सेन के चरित्र के समान्तर चरित्र कर रहे हैं।

चरित्र में भिन्न शेड हैं। निमत ने करीब डेढ़ दर्जन नाटक किए हैं। नाटकों से वह टीवी सीरियलों में गए। उन्होंने *आर्या* के अलावा जी5 के लिए दो डिजिटल सीरीज *टेबल नंबर 2* और *अभय* की हैं। वह बीबीसी1 के लिए मीरा नायर की वेब सीरीज *अ सूटेबल बॉय* भी कर रहे हैं। अब उनकी गायिकी प्रतिभा भी सामने आई है। उन्होंने मदन मोहन के संगीतबद्ध गीत *जरुरत है* को पॉप शैली में परिवर्तित कर पेश किया है। निमत के पिता चन्दन दास मशहूर शास्त्रीय गायक है।

डिजिटल अनदेखी

डिजिटल प्लेटफार्म सोनी लाइव पर क्राइम रियलिटी शो जैसे कार्यक्रम स्ट्रीम होते नजर आएंगे। *अनदेखी* उत्सुकता पैदा करने वाला क्राइम थ्रिलर है। 10 जुलाई से स्ट्रीम होने जा रहे इस शो का निर्देशन आशीष आर शुक्ला ने किया है। यह शो वास्तविक अपराध घटनाओं पर आधारित होगा। सीरीज में प्रमुख भूमिकाएं हर्ष छाया, दिब्येंदु भट्टाचार्य, अंकुर राठी, सूर्य शर्मा, अंचल सिंह, अभिषेक चौहान और संदीप सेन की है। खास बात कि इस शो में संवाद वरुण बडोला ने लिखे हैं। बडोला को सीरीज *योर ऑनर* में काशी की भूमिका में काफी सराहा गया है।

वंगा के गैंगस्टर रणबीर कपूर

तेलुगु फिल्म डायरेक्टर संदीप रेड्डी वंगा ने सिर्फ दो फिल्में बनाई है। 2017 में रिलीज फिल्म *अर्जुन रेड्डी* का हिंदी रीमेक *कबीर सिंह* 2019 में प्रदर्शित हुई। दोनों ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिली। अब वह बतौर निर्देशक अपने करियर की तीसरी और दूसरी हिंदी फिल्म बनाने जा रहे है। *कबीर सिंह* के नायक शाहिद कपूर थे लेकिन उनकी तीसरी निर्देशित फिल्म के नायक दूसरे कपूर यानि रणबीर होंगे। *कबीर सिंह* नाटकीय प्रेम कथा थी। यह भरपूर एक्शन फिल्म होगी। इस गैंगस्टर फिल्म का टाइटल *डेविल* बताया जा रहा है। इस टाइटल के साथ सलमान खान की फिल्म भी बनाई जानी थी। फिल्म *किक* में सलमान का चरित्र देवी प्रसाद डेविल ही कहलाता था। हालांकि टाइटल की अभी पुष्टि नही हुई है। पहली बार रणबीर कपूर एक्शन और गैंगस्टर भूमिका में नजर आएंगे।

■ अ.का.